Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

mai Foundation Che

हिन्दी साहित्य सम्मेलन १९७२

.K.Y.
LIB.
RIDWA

main. Gurukul Kangri C

0785 51
Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

078551

STOCK VERIFICATION
Central
Library
2024-25 G.K.D.U. HQ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन

की

परीक्षाओं

के

प्रश्नपत्र

१९७१-७२

ऋते ज्ञानान्न मुक्तिः
पुस्तक सं०
कांगड़ी.

मूल्य ≡)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

साहित्य-भवन, प्रयाग.

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन की परीक्षाओं के प्रश्न पत्र

प्रथमा १९७१

पठित पद्य १

समय ३ घंटे

परीक्षक—पण्डित शुकदेवबिहारी मिश्र, बी. ए.

१. महर्षि विश्वामित्र जब पृथ्वी का दान लेने गये थे, एवं जब साङ्गता की स्वर्णमुद्रा वसूल करने गये थे, तब प्रतिग्रह प्राप्ति की आशा रहते हुए भी उन्होंने महाराज हरिश्चन्द्र से क्रोध-प्रकाश क्यों किया ? इससे उनका मुख्य अभिप्राय क्या था और वह अभीष्ट क्रोध-प्रकाश द्वारा क्योंकर सिद्ध हो सकता था ? ६

२. निम्नलिखित प्रवन्धों का सरल हिन्दी में अनुवाद कीजियेः—

(अ) अहा ! स्थिरता किसी को भी नहीं है । जो सूर्य उदय होते ही पद्मिनीवल्लभ और लौकिक, वैदिक दोनों कर्मों का प्रवर्त्तक था, जो गगनांगन का दीपक और काल-सर्प का शिखामणि था, वही इस समय परकटे गिद्ध की भाँति अपना सब तेज गवां कर देखो समुद्र में गिरा चाहता है । ४

(इ) सूरज धूम बिना की चिता सोऊ अन्त मैं लै जल मांझ बहाई ।
बोलैं घने तरु बैठि विहंगम रोवत सो मनु लोग लोगाई ॥
धूम अँध्यार कपाल निसाकर हाड़ नछत्र लहू सी ललाई ।
आनंद हेतु निसाचर के यह भूमि मसान कै राति बनाई ॥ १०

३. भारतेन्दु जी ने सत्य हरिश्चन्द्र में डरावने और घृणा उत्पन्न करनेवाले वर्णनों की भी विशेषता क्यों रक्खी है ? ४

४. नाटक का प्रभाव रोहिताश्व के पुनर्जीवित होने से अच्छा स्थिर रहा, अथवा उसके न जीने और शैव्या तथा हरिश्चन्द्र के भी मर जाने से ठीक पड़ता ? इस प्रश्न का सतर्क उत्तर दीजिये । ११

५. गौरि शम्भु तन परिहरै अचल मेरु चल होय ।
बोल्यो बोल हमीर को चलन हार नहिं सोय ॥
इस दोहे का अर्थ करिये और इसका कारण लिखिये कि कवि ने पार्वती और शम्भुका वियोग असम्भव क्यों माना है ? ६

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

६. संकट सुरेस को यथारथ निरखि देह दीन्ही है दधीचि पर-
स्वारथ प्रमान कै । करुना कपोत की कहत सिविराज दये काटि
काटि अंगनि तुला में तौल दान कै । दीन्हों सीस जगत
जसीले जगदेव आजु छत्री मैं हमीर कलि कीरति अमान कै ।
प्रकट अकारथ मरन सबही को हमैं राखिबे सरन परस्वारथ
प्रधान कै ॥

उपर्युक्त छन्द के प्रथम दो पदों में वर्णित दधीच और शिवि की कथाओं के वर्णन प्रायः दस दस पंक्तियों द्वारा कीजिये । कवि ने सबके मरण को अकारथ क्यों कहा है ? १४

७. निम्नलिखित चरणों का सरल हिन्दी में अनुवाद कीजिये :-
भाग्यो सुलतान जान बचत न जानि बेगि बलित बितुण्ड पै
बिराजि बिलखाय कै । जैसे लगे जंगल में ग्रीषम की आगि
चलैं भागि मृग महिष बराह बिललाय कै ।

यहां "बिराजि" शब्द का उपयोग उचित है अथवा अनुचित ? अपने उत्तर के कारण लिखिये और यह भी अनुमान कीजिये कि इस शब्द का प्रयोग क्यों हुआ ? ६

८. कहै बीर चौहान हम्मीर हट्ठी सुनौ साँच उज्जोर मोल्हन्न
येरे । गढ़ा मण्डला आदि उज्जैन सारी जिते कोट बंके तिते
जानि मेरे ॥ रहै साह राजी चहै बम्ब बाजी कहौं एक ना एक
सौ आठ फेरे । पर्यो मीर पाछे धर्यो दण्ड डोला दियो
जात नाहीं कहीं पास तेरे ॥

इस छन्द के तृतीय चरण में कवि ने बहुसंख्यक भाव की पुष्टि में एक सौ आठ की संख्या क्यों लिखी है ? ३

९. एक यहै रनथम्भ को खम्भ अहै चहुवान अजौं अरने को ।
दण्ड भरै न हमीर हठी हर बार जुरै न मुरै मरने को ॥

जिस छन्द के उपर्युक्त दो चरण हैं उसका नाम क्या है? उसका लक्षण भी लिखिये । इन पंक्तियों के आदि में कौन गण प्रयुक्त हुआ है ? उसका देवता और फल भी लिखिये । छन्द के गणप्रयोग में कोई दूषण देख पड़ता है ? यदि हां तो कौन ? उसकी दोषशान्ति कैसे हुई है ? १६

१०. कुँवर और उमराय बने बिगरे कछु नाहीं ।
फूँक माहिं वे बनत फूँक ही सों मिटि जाहीं ॥

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पै दृढ़ कृषक समाज देश को साँचो गौरव ।
नाश भये यक बार फेरि उपजन नहिं सम्भव ॥

उपर्युक्त पंक्तियों का अर्थ लिखिये और यह बतलाइये कि कुँअर और उमराय फूँक से क्योंकर बनते और मिटते हैं ? ७

११. निम्नलिखित चरणों में से किन किन में यतिभंग-दूषण है और किस किस स्थान पर ?

(क) मेरी लरिकाई की बैठक भूमि सोहावनि ।
(ख) काया की हानि को ज्ञान हू होन न पावै ।
(ग) मानत हो तर्क में पादरी तिहि चतुराई ।
(घ) पास पहाड़ी ऊपर गिरिजा घर मन मोहै । ४

१२. या विधि दीन दुखीन उबारन को अभिमानी ।
त्रुटि हू बाकी सबै धर्म की ओर झुकानी ॥

उपर्युक्त द्वितीय चरण में कथित त्रुटियों के दो उदाहरण भारतवर्ष से दीजिये । ४

पठित पद्य २

समय २॥ घंटा

परीक्षक—पण्डित गंगा प्रसाद अग्निहोत्री ।

विशेष सूचना—(क) और (ख) दोनों में परीक्षार्थी को एक ही भाग का उत्तर देना होगा । दोनों मिलाकर जो उत्तर देगा, उसे दोनों में उस भाग के अङ्क मिलेंगे जिसमें उसने कम अङ्क पाये हों । तीनों में (ग) भाग करना सबके लिए आवश्यक है ।

(क) रामचरितमानस ।

इन पद्यों के सरल भावार्थ गद्य में लिखिये—

(अ) केकयसुता सुमित्रा दोऊ । सुन्दर सुत जन्मत भईं सोऊ ॥
सो सुख सम्पति समय समाजा । कहि न सकहिं सारद अहिराजा ॥
अवधपुरी सोहइ यहि भाँती । प्रभुहि मिलन आई जनु राती ॥
देखि भानु जनु मन सकुचानी । तदपि बनी संध्या अनुमानी ॥
अगरधूम बहु जनु अँधियारी । उड़इ अबीर मनहुँ अरुनारी ॥

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मन्दिर-मनि-समूह जनु तारा । नृप-गृह-कलससोइन्दुउदारा ॥
भवन-वेद-धुनि अतिमृदुबानी । जनुखगमुखरसमयरससानी ॥
कौतुक देखि पतङ्ग भुलाना । मासदिवस तेइ जात न जाना ॥२०

(इ) उदित उदय गिरि मञ्च पर रघुवर बाल पतङ्ग ।
विकसे सन्त सरोज सब हरषे लोचन भृङ्ग ॥

(उ) राम साधु तुम साधु सुजाना । राममातु तुम भलि पहिचाना ॥
जस कोसला मोर भलताका । तसफलदेउ उन्हें करिसाका ॥

(ऋ) लता भवन तें प्रगट भे तेहि अवसर दोउ भाइ ॥
निकसे जनु युग विमल विधु जलद पटल बिलगाइ ॥

(लृ) लषन उतर आहुति सरिस भृगुपति कोप कृसानु ।
बढ़त देखि जल सम बचन बोले रघुकुल भानु ॥

(ए) नाथ कृपा मूरति अनुकूला । बोलत वचन झरत जनु फूला ॥
जो पै कृपा जरैं मुनि गाता । क्रोध भये तनु राखु विधाता ॥

२. ऊपरके पद्योंमेंजो शब्दालंकार हों उनका नामोल्लेख कीजिए ।

३. ऊपरके पद्योंमें जो अर्थालंकार हों उनके सकारण नाम लिखिए ।

(ख)—विनय पत्रिका ।

१. नीचे के पदों का भावार्थ सरलहिन्दी में लिखिये—

(अ) जन्म गयो बादिहिं बर बीति ।
परमारथ पाले न परो कछु अनुदिन अधिक अनीति ।
खेलत खात लरिकपन गोचलियौवन युवतिन लिये जीति ॥
रोग वियोग सोक स्रम संकुल बड़ी वयस वृथाहि गई बीति ।
राग रोग ईर्षा विमोह बस रुची न साधु समीति ॥
कहे न सुने गुनगन रघुपति के भई न रामपद-प्रीति ।
हृदय दहत पछिताय अनल अब सुनत दुसह भवभीति ॥
तुलसी प्रभुते होय सो कीजिय समुझि बिरद की रीति ।

(इ) ऐसेहि जन्म समूह सिराने ।
प्राननाथ रघुनाथ से प्रभु तजि सेवत चरन बिराने ।
जे जड़ जीव कुटिल कायर खल केवल कलिमल साने ॥
सूखत वदन प्रसंसत तिन कहं हरिते अधिक करि माने ।
सुख हित कोटि उपाय निरन्तर करत न पाँय पिराने ॥
सदा मलीन पन्थ के जल ज्यों कबहुं न हृदय थिराने ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

यह दीनता दूर करिबे को अमित यतन उर आने ॥
तुलसी चितचिन्ता न मिटै बिनु चिन्तामणि पहिचाने । २०

(उ) कलिकाल अपर उपाय ते अपाय भये जैसे तम नासिबे को चित्र के तरनि । ४

(ऋ) तोहिँ मांगि माँगनो न माँगनो कहायो,
सुनि स्वभाव सील सुजस जाचक जन आयो,
पाहन पसु विटप विहग अपने कर लीन्हे,
महाराज दसरथ के रंक राव कीन्हे । १०

२. इन पदों में जो अलंकार हों उनका सकारण नाम लिखिये । १६

३. (ऋ) में अन्तिम दो पदों में, पाहन, पसु, विटप, विहग, कौन हैं तथा किस 'रंक' के 'राव' किये जाने की चर्चा है ? ८

(ग)—शिवाबावनी ।

(अ) इस पद्य का हिन्दी में सरलार्थ लिखिये ।

जिन फन फुतकार उड़त पहार भार
कूरम कठिन जनु कमल विदलिगो ।
विष जाल ज्वालामुखी लवलीन होत जिन
भारन चकारि मद दिग्गज उगलिगो ॥
कीन्हो जेहि पान पय पान सो जहान कुल
कोलहू उछलि जल सिन्धु खल भलिगो ।
खग्ग खगराज महाराज सिवराज जूको
अखिल भुजङ्ग मुगल दल निगलिगो ॥ ८

(इ) उक्त पद्यमें जो अलङ्कार हो उसका नाम कारणसहित लिखिये । ७

सूचना—सुन्दर और सुवाच्य लिपिके लिए ५ अङ्क दिये जायंगे ।

पठित गद्य

समय ३ घन्टे

परीक्षक—पं० मधुमंगल मिश्र, बी० ए०

१. पहिले ४ भागों (क ख ग घ) अथवा पिछले ५ भागों (ङ च छ ज झ) का आशय बोलचाल के शब्दों में स्पष्ट करके लिखिये ।

(क) सरस्वती भी धन्य है ! जो इनके मुखकमल के सम्पर्क का

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सुख अनुभव करती हुई, ऐसे महात्मा के प्रसन्न गंभीर मानस में राजहंसी सी वास करती है। ४

(ख) बाहर तो तूमतड़ांग और लिफाफे से रहते थे; पर भीतर मियां के सिवाय तीन सनहकी के और कुछ न था। ३

(ग) पञ्चानन में कसौटी के समय चालचलन की शिष्टता भी चन्दू ही के टक्कर की थी। इसी से दोनों की पटती भी थी। ४

(घ) कहीं उस आलवाल के चारों ओर कटीले पौधे न ऊग आये हों? जब तक उन्हें उखाड़ न फेंके तब लों चतुर माली की सराहना ही क्या। ५

(ङ) कलकत्ते में वङ्गभाषा के आजकल जो नामी पत्र कहलाते हैं वे उस समय भविष्य के गर्भ में निहित थे। २

(च) सब से अधिक सामयिक बातों का समावेश और उन पर आलोचना है। चाहे राय कुछ ही हो, पर उसमें वह मसाला तो होना चाहिये जो एक दैनिक पत्र को चाहिये। ४

(छ) ब्राह्मण लोग हिन्दू जाति के अगुए हैं। इसमें कुछ सन्देह नहीं कि बहुत से ब्राह्मणों ने पढ़ना लिखना छोड़ दिया है। परन्तु यह समय की गति है। उनका प्रभुत्व ज्यों का त्यों बना है। ३

(ज) खूब फक्कड़बाजी की नौबत आई थी। उर्दू के तूतियेहिन्द और अवधपञ्च में जैसी नोकझोंक हुई थी उसी का नमूना इन दोनों की छेड़छाड़ में था। ४

(झ) अकेली गङ्गा हैं। लम्बी चौड़ी वासनाओं का निवास उस स्थान में नहीं। आकाश पाताल को एक करने वाले विचारों का वहाँ प्रवेश नहीं होता। ३

२. नीचे लिखे शब्दों का उपयोग अपने बनाये वाक्यों में करिए:– जँगरैतिन टोह; तरल; अठखेली चाल; लटके; नितान्त; उद्धृत; संवाददाता; चिट्ठा; तड़ितसमाचार। ५

३. नीचे लिखे शब्द किस आशय को प्रकाशित करते हैं:– आलोचना; समालोचना; प्रत्यालोचना; पण्डिताइन; पण्डिता; सठिया जाना; गदहपचीसी; घुणाक्षरन्याय। ४

४. इन कहावतों का आशय समझाइए :—

आठ कार नौ त्यौहार; काला अक्षर भैंस बराबर; हाथी का खाया कैथ; रुपयों का ठिकरी करना; उलटे छुरा मूँडना;

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रँडड़ी के लिये मसजिद ढहाना। ६

५. अनुप्रास किसे कहते हैं ? यदि वह गद्य में आता हो तो उसके दो तीन उदाहरण कण्ठ ही या बना के दीजिए। ६

६.(क) पहले प्रश्न के (घ) भागमें आशय को सीधे २ न कहके व्यञ्जना से प्रकाश किया है। उस वाक्य में उपमान, उपमेय, साधारण धर्म और वाचक शब्द सब खोल२ कर अलग२ लिखिए। यदि लुप्तोपमा हो तो लुप्त अङ्गों को कोष्ठक में लिखिए। ८

(ख) उत्प्रेक्षालङ्कार किसे कहते हैं ? उदाहरण दे कर समझाइए। ४

७.(क) इन शब्दों के समास बताइए और लक्षण लिखिये :—
सप्ताह; मुखकमल; यथाशक्ति; निरक्षरभट्टाचार्य; संवाददाता। १०

(ख) इन तद्धित वा कृदन्त शब्दों के प्रकार बताओ :—पढ़ना-लिखना; फक्कड़-बाजी; नोकझोंक; कतरनी; सनहकी; दयालु; सरहना, पातञ्जल, दौर, पढ़ी लिखो। ५

८.(क) हिन्दी में कर्त्ता का चिन्ह 'ने' कहाँ २ नहीं आता ? ५

(ख) क्या विशेषणों का रूप विशेष्य के अनुसार बदलता है ? उदाहरण देके अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए। ५

९.(क) जिन ७ शब्दों के नीचे रेखा खींची हैं उनकी व्याख्याकीजिए। ७

(ख) विसर्ग के स्थान में श, ष वा स आदेश किन २ दशाओं में होता है ? ३

१०. नीचे लिखे वाक्यों में अशुद्धियाँ हों तो सुधारिए:—
पण्डितमानी लोग अपना भूल स्वीकार नहीं करते।
पण्डितजी आसन में बैठे हैं।
पण्डित ने लाठी को सीधी किया।
पण्डित कछुआ का बच्चा प्यार करता है।
पण्डित ! घास, पेड़, बूटी, लता, वल्ली बनस्पति कहाती हैं।
पण्डित मदनमोहन मालवीय जी की कृपा उस सम्बन्ध का कारण हुई थी। ६

सूचना—सुन्दर अक्षर और शुद्ध लिखने के लिए १० अङ्क रक्खे गये हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अपठित गद्य और पद्य

समय २॥ घन्टा

परीक्षक—बाबू पुरुषोत्तमदास टण्डन, एम. ए. एलएल, बी,

(क) मेरे हृदय-गगन में अन्धकार छा लिया। मेरे मनरूपी *नन्दन कानन का *पारिजात पुष्प मालती थी। किन्तु दैत्य-विशेष ने उसे अपहरण किया।

(ख) सन्ध्या हो गयी। कोकिल बोलउठा। पर उसको भी चुप हो जाना पड़ा। एक सुन्दर कोमल कंठ से निकली हुई रसीली तान ने उसे भी चुप कर दिया। मनोहर स्वर-लहरी उस सरोवरतीर से उठ कर तट के सब वृक्षों को गुंजरित करने लगी। मधुर *मलयानिल-ताड़ित जललहरी उस स्वरके ताल पर नाचने लगी। हरएक पत्ते ताल देने लगे। अद्भुत आनन्द का समावेश था। शान्ति का *नैसर्गिक राज्य उस छोटी रमणीय भूमि में मानों जम कर बैठ गया था।

(ग) १–हिन्दू जाति एवं हिन्दुस्तान की महानता का प्राण भारत-वासियों का आधार सूत्र हिन्दी भाषा ही है।

२–यह चिट्ठी लिंकन की महनीयता का अच्छा परिचय देती है।

३–वह घटना जितनी कारुणिक है उतनी ही महत्वपूर्ण भी है। इसी से उसके महत्व की महिमा बहुत अधिक है।

४–पद्यकाव्य की ओर कवियों की रुचि तथा उनकी शक्ति की प्रवृत्ति ऐसी हो गयी है कि गद्य-काव्य की महत्ता को समझना उनके लिए *दुरूह हो गया है।

(घ) कह्यो है पचायो ऋन पंडितपुत्र पतिव्रता स्त्री सुसेवित राजा विचारि करि कहिबो इनते बिगार कबहूं न उपजै। तृषावन्त असन्तोषी क्रोधी सदा सन्देही जो और के भाग की आश करै अति दयावन्त ये छहौं सदा दुःखी रहैं।

१. (क), (ख) और (ग) में जिन शब्दों के नीचे रेखा खिची हुई है उनके मुहाविरे और प्रयोग पर अपने विचार प्रकट कीजिए। ३

२. जिन शब्दों के पूर्व यह * चिन्ह लगा है उनमें प्रत्येक की व्याख्या कीजिए। ५

३(ग) में 'महानता', 'महनीयता', 'महत्व', और 'महत्ता' इन

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पांचों की अलग अलग व्याख्या कीजिए और साथ ही इनके रूपों पर और दिये हुए वाक्यों में इनके प्रयोगों पर अपने विचार प्रकट कीजिए। ३

४. ऊपर दिये हुए (क) से (ङ) तक के वाक्यों में जिन जिन अलंकारों का प्रयोग हुआ है उनके नाम लिखिए और अनलंकृत साधारण भाषा में उन्हीं वाक्यों को लिखकर उनका आशय प्रकट कीजिए। २०

पद्य

(क) पत्रों पुष्पों रहित बिटपी विश्व होवे न कोई,
कैसा ही हो सरस-सरिता वारिशून्या न होवे,
ऊधो, सीपी सदृश न कभी भाग फूटे किसी का,
मोती ऐसा रतन अपना आह ! कोई न खोवे।

(ख) सतत शब्दित गेह समस्त में,
विजनता परिवर्द्धित थी हुई,
कुछ विनिद्रित हो जिनमें कहीं,
झनकता इक झींगुर भी न था।
वदन से तज के मिस धूम के,
शयनसूचक श्वास-समूह को,
झलमलाहट-हीन-शिखा लिये,
परम निद्रित सा गृहदीप था।

(ग) रतन अनेक शैल उपजावत, नहिं छबि तासु तुषार घटावत।
थोरे दोष कोटि गुन माहीं, शशि महँ अङ्क सरिस दबि जाहीं।
धातु विचित्र शिखर सोइ धारत, जो लहि तन अप्सरा सँवारत।
परत जासु मेघन महँ जोती, साँझ अकाल मनहुं नित होती।

१. ऊपर की कविता में प्रत्येक का भावार्थ सरल भाषा में लिखिए। १६

२. जितने अलंकार इन पद्यों में आये हों उनके नाम और लक्षण लिखिए। ६

३. खड़ी बोली और पड़ी बोली दोनों की कविताओं के विषय में अपनी युक्तिपूर्ण सम्मति लिखिए, परन्तु लेख बीस पंक्ति से अधिक न हो। १२

(क) जगदीश, प्रत्युत्तर, गौरीश, मनोरथ, वक्षस्थल, इनकी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सन्धि बताइये और नियम लिखिए। ५

(ख) धर्मात्मा, प्रजापति, गौरीशंकर, विद्यावारिधि, इनका समास लिखिए। ५

(ग) राम ने सीता को ग्रहण किया। लक्ष्मण ने राम की सेवा की विभीषणका भाई बड़ा दुष्ट था। राजा भूखोंको अन्न देता है लड़का गाड़ीसे गिर पड़ा। इन वाक्यों में रेखाङ्कित पदों में कौन कारक है? लक्षण सहित लिखिए। १२

(घ) खाना, पीना, सोना, पढ़ना धातु के परोक्षभूत, वर्त्तमान और सामान्य भविष्यत् काल के मध्यम पुरुषके रूप लिखिए। १२

गद्य-लेख-रचना

समय ३ घंटे

परीक्षक—पं० रघुवरप्रसाद द्विवेदी, बी० ए०

१-निम्नलिखित चार विषयों में से किसी एक पर गद्य लेख और चाहो तो पद्य लेख लिखिए:— १०

(क) रामायण में आचार या व्यावहारिक नीति।

(ख) मितव्ययता वा किफ़ायत।

(ग) हिन्दुओं के तेवहार।

(घ) प्रातःकाल की शोभा।

भूगोल

समय ३ घंटा।

परीक्षक—पं० कृष्णशंकर तिवारी, बी. ए.

१. दिन क्योंकर घटता बढ़ता है और वर्षमें वह कितनी बार और कब कब रात्रि के बराबर होता है? १२

२. ऋतु के बदलने का क्या कारण है? ८

३. जलाशयों का जल क्यों सूख जाता है और उसकी क्या क्या गति होती है? ८

४. एशिया की पश्चिमी सीमा क्या है और इस महाद्वीप के किन किन भागों में घनी बस्ती है? १२

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

५. तिब्बत से कौन कौन सी नदियाँ निकलती हैं और कहाँ कहाँ गिरती हैं ? ८
६. एशिया के प्रधान पहाड़ों और झीलों के नाम लिखिए। ८
७. एक जहाज़ कराँची से रंगून जाता है। उसके रास्ते में किन किन नदियों के मुहाने और कौन कौन बन्दर पड़ेंगे ? १४
८. नीचे लिखे स्थान भारतवर्ष के किस भाग में हैं :—
हरद्वार, मुलतान, राजकोट, अहमदाबाद, जबलपुर, पटना, शिलाँग, पुरी और रामेश्वर। ५
९. राजपूताना और मध्य भारत के प्रथम रजवाड़ों के नाम लिखिए। ५
१०. भारतवर्ष का एक मानचित्र (नक़शा) खींचिए जिसमें सहायक नदियों के सहित गङ्गा और सिन्धु तथा अर्वली, विन्ध्या और नीलगिरि एवं दिल्ली, लाहौर, अजमेर, मुम्बई, हैदराबाद, मद्रास, कलकत्ता और बनारस का स्थान दिखलाइए। २०

इतिहास

समय २॥ घंटा

परीक्षक—पं० हरिमङ्गल मिश्र, एम. ए.

१. रामायण का इतिहास संक्षेप-रीति से लिखिए और यह भी बतलाइए कि लोगों को रामायण से क्या शिक्षा मिलती है ? ८
२. महाराज विक्रमादित्य के विषय में आपकी क्या सम्मति है ? प्रमाणपूर्वक लिखिए। ७
३. कालिदास भारतवर्ष में क्यों प्रसिद्ध हुए ? उनके रचित ग्रन्थों की नामावली लिखिए। ५
४. मेगस्थनीज़ के वर्णनानुसार चन्द्रगुप्त मौर्य के राज्य-प्रबन्ध का विवरण लिखिए। ८
५. अशोक, मौर्य और हर्षवर्द्धन का संक्षेप-वर्णन कीजिए। १२
६. अकबर के राज्य की स्थिरता और औरङ्गज़ेब के राज्य के विनाश के मुख्य मुख्य कारण बतलाइए। १०
७. मरहठों ने और सिक्खों ने किस प्रकार से भारतवर्ष में अपनी उन्नति की ? उनके अधःपात के कारण लिखिए। १४

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

८. मार्क्विस आफ़् हेस्टिङ्ग अथवा लार्ड विलियम बेंटिङ्क की कारर्वाइयोँ का संक्षिप्त वर्णन लिखिए। १२

९. लार्ड डेलहौज़ी के क्या सिद्धान्त थे? उनसे भारतवर्ष तथा इँगलैंएड-निवासियोँ को क्या क्या लाभ हुए? १२

१०. ब्रिटिश-राज्य से भारतवर्ष को जो जो लाभ हुए उनको संक्षिप्त रीति से दिखलाइये। १२

आरम्भिक विज्ञान और स्वास्थ्य-रक्षा

समय २॥ घंटा

परीक्षक—पं० गोमतीप्रसाद अग्निहोत्री, बी. एससी.

१. चाँदी की एक छोटी सी जँजीर का आयतन जानना है। कोई युक्ति बताइए। १२

२. पदार्थ की तीनाँ अवस्थाओं के लक्षण बताइए। क्या वही पदार्थ तीनाँ अवस्थाओं को प्राप्त हो सकता है? प्रमाण दीजिए। १२

३. (क) सीसे के एक टुकड़े का वज़न १ तोले ५ माशे है। पानी में तौलने से वह ८ तोले ७ माशे उतरता है तो बताओ कि सीसे का आपेक्षिक घनत्व क्या होगा। ५

(ख) यदि वही टुकड़ा शर्बत में तौलने से ८ तोले ६ माशे आवे, तो शर्बत का आपेक्षिक घनत्व बताइए। ४

४. किसी प्रयोग का वर्णन कीजिए जिससे यह सिद्ध हो कि वायु गरमी पाकर फैल जाता है। १२

५. भोजनसम्बन्धीय किन किन नियमाँ का पालन करना स्वास्थ्यरक्षा के लिए आवश्यक है? १५

६. पानी के शुद्ध करने की रीतियाँ कौन कौन सी हैं? उनका संक्षेप में वर्णन कीजिए और बताइए हर एक से किस किस प्रकार की अशुद्धियाँ दूर होती हैं? १५

७. श्वास के द्वारा ली गई वायु का शरीर में क्या उपयोग होता है? शुद्ध वायु के मुख्य अवयवाँ के नाम लीजिए और बताइए कि निःश्वास वाली वायु में कौन कौन सी अशुद्धियाँ रहती हैं? १०

८. 'व्यायाम से लाभ' पर छोटा सा लेख लिखिए। १५

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्रथमा १९७२

साहित्य १

[परीक्षक—पं० मन्नन द्विवेदी गजपुरी, बी. ए.एम. ए. एस्. बी. एफ़.बी. एस्. एस]

समय ३ घंटे, पूर्णांक १००

१० प्रश्नों में किसी ८ के लिए पूरे नम्बर दिये जायँगे

१. सवैया, सुन्दरी छन्द, सोरठा, मन्दाक्रांता, शिखरिणी और वसंततिलका के लक्षण लिखिए और उदाहरण भी दीजिए। स्वरचित उदाहरणों पर विशेष ध्यान दिया जायगा।

२. अलंकार, उपमा, रूपक और व्याजस्तुति की परिभाषा और उदाहरण लिखिए।

३. निम्न लिखित पदों के अर्थ लिखिए और यह भी बतलाइये कि इनमें कौन से छन्द और अलंकार हैं :—

(क) बद्दल न होंहि दल दच्छिण घमंड माहिँ, घटा जू न होंहिँ दल सिवाजू हँकारी के। दामिनी दमक्क नाहिँ खुले खग्ग बीरन के, बीर सिर छाप लख तीजा असवारी के।

(ख) अपने बल सो लावहीं, यद्यपि मार शिकार।
तदपि सुखी नहिं होत हैं, राजा सिंह कुमार॥

(ग) सोहत जनु युग जलज सनाला।
शशिहिं सभीत देत जयमाला॥

(घ) उवै भानु पच्छिम प्रतच्छ दिन चन्द्र प्रकासै।
उलटि गंग बरु बहै कामरति प्रीति विनासै।
तजै गौरि अरधंग अचल-ध्रुव आसन चल्लै।
अचल पौन बरु होय मेरु मंदर गिरि हल्लै।
सुरतरु सुखाइ लोमस मरै मीर संक सब परिहरौ।
मुख बचन, बीर हम्मीर को बोलि न यह बहुरो टरौ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

४. पिंगल में कितने गणागण दग्धाक्षर बतलाये गये हैं ? उन का वर्णन कीजिए और यह भी लिखिए कि आपकी राय में उनके नियमों का पालन कविता के लिए कहाँ तक आवश्यक है।

५. निम्न लिखित पदों में यदि कोई दूषण हो तो लिखिए।

(क) या विधि दीन दुखीन उबारन कौ अभिमानी।

(ख) नृपनन्द काम समान चातक नीति जर जर जर भयो।

(ग) तहँबाग डोलहिं कुमुद बालित गंधवंती वात सो।

६. गोस्वामी तुलसीदास, चन्द्रशेखर कवि, भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र और अंगरेज़ी कवि गोल्डस्मिथ के संक्षिप्त जीवन चरित्र लिखिए।

७. मुद्राराक्षस की संक्षिप्त कथा लिखते हुए चाणक्य और अमात्य राक्षस के चरित्र की तुलना कीजिए।

८. राम चरित मानस से, भरत और लक्ष्मण, कौशल्या और सुमित्रा, जनक और दशरथ के चरित्र की तुलना कीजिए।

९. निम्न लिखित पदों का अर्थ लिखिए और यह भी बतलाइये कि ये किसके और कहाँ के वचन हैं।

कानन कठिन भयंकर भारी। घोर घाम हिम वारि बयारी।
कंदर खोह नदी नद नारे। अगम अगाध न जाहिं निहारे।
भोग रोग सम भूषण भारू। यम यातना सरिस संसारू।
कोक शोक प्रद पंकज द्रोही। औगुन बहुत चन्द्रमा तोही।
नहिं असत्य सम पातक पुञ्जा। गिरि सम होहिं कि कोटिक गुञ्जा।
जाकर जापर सत्य सनेहू। सो तेहि मिलत न कुछ संदेहू।
पति देवता सुतीय महँ, मातु प्रथम तुव रेख।
महिमा अमित न कहि सकहिं, सहस शारदा शेष॥
कहइ करहु किन कोटि उपाया। इहाँ न लागहि राउर माया।

१०. भूषण कवि और महाराज शिवाजी के बिषय में जो कुछ जानते हों लिखिये। शिवा बावनी का सर्वोत्तम पद जो याद हो लिखिये।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

साहित्य २

[परीक्षक—पं० शुकदेव विहारी मिश्र, बी ए.]

समय तीन घंटे

१. ईकारान्त शब्द प्रायः स्त्रीलिंग होते हैं। चार ऐसे ईकारान्त शब्द लिखिये जो स्त्रीलिंग न हों। ८

२. कृत और कृदन्त शब्दों के लक्षण लिखिये और कृदन्त शब्दों के चार उदाहरण दीजिये। ८

३. निम्न वाक्योंका सरल हिन्दी में अनुवाद कीजिये :— १२

(अ) जिसे छुओ, वही अंगारेसा गरम बोध होता है। मानो त्वगिन्द्रिय शीत स्पर्श से निराश हो जलमें शैत्यगुणका निर्देश करने वाले कणाद मुनि की बुद्धि का भ्रम मान बैठी हो। १४

(आ) उस शुभ्र ज्योत्स्नापूर्ण विभावरी में सुधाधर अंशुमाली से प्राप्त किरणों द्वारा अभ्रंलिह उच्च शाखीगण की शाखिकाओं को भी धवलित कर रहा था।

४. ग्रन्थ चुम्बक और पंडित में क्या भेद है? ग्रन्थ चुम्बक किसे कहते हैं और ऐसे लोगोंमें कौनसे दोष प्रायः पाये जाते हैं? १२

५. तोपों से गोले और शत्रु शरीरों से प्राण साथ ही निकलेंगे, वरन् तोपों का नाम सुनकर ही शत्रुगण युद्धस्थल में हहर हहरकर मर जावेंगे। तोपोंकी गरज तो युद्धस्थलमें पीछे सुन पड़ेगी और शत्रुगण हमारे प्रतापानल से सन्दग्ध होकर पहिले ही मर जावेंगे।

उपर्युक्त वाक्यों में कौन कौन अलंकार हैं सो समझाकर लिखिये। उन अलंकारों के लक्षण भी कहिये। ४

६. बनारस में यह जो बनारस गज़ट है। १२
इबारत सबिस्की अजब ऊट पट है।
मोहर्रिर विचारा तो है बासलीक़ा।
वले क्या करे वह कि तहरीर भट है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

इस पत्र का ठीक नाम क्या था ? कविने उपर्युक्त पद्य में भट्ट शब्द क्यों लिखा ? यह पत्र किसकी सहायता से कब निकला और इसका सम्पादक कौन था ? इसकी भाषा कैसी थी ?

७. कवि बचन सुधा नाम्नी पत्रिका के विषय में कुछ मुख्य २ बातें लिखिये। १४

साहित्य ३

समय ३ घंटे, पूर्णांक १००

[परीक्षक—अध्यापक श्यामसुन्दर दास, बी. ए., एफ. बी. एस. एस.]

निम्न लिखित विषयों में से किसी एक विषय पर एक निबन्ध लिखिए जो उत्तर पुस्तक की कम से कम १०० और अधिक से अधिक २०० पंक्तियों में हो :—

१. किसी पुष्पवाटिका की संध्या समय की शोभा का वर्णन।
२. तुलसीदासकी रामायणका भारतवासियोंके सामाजिक जीवन पर प्रभाव।
३. जो सबको प्रसन्न करना चाहता है वह किसी को भी प्रसन्न नहीं कर सकता।

गणित

[परीक्षक—अध्यापक ज्योति प्रसाद बेजल, एम. ए.]

समय ३ घंटे, पूर्णांक १००

१. एक मनुष्य ने ४६ मन २५ सेर चना एक रुपये में १४$\frac{१}{४}$ सेर की दर से मंडी में ख़रीदे। गोदाम में लाने के लिये उसको २=)॥। तुलाई, २।=)॥ चुंगी और १।) मज़दूरी देनी पड़ी बतलाइये कि उस को चना किस भाव गोदाम में पड़ा। १२

२. उसी चने को वह ६ महीने के बाद बेचता है, कुल क़ीमत पर उसको १०॥) फ़ी सैकड़ा सूद देना पड़ा और फ़ी सेर एक छटांक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

घुनसे कमी हुई। बतलाइये कि अगर वह १३ सेरकी दरसे चना बेचे तो उसको फ़ी सैकड़ा क्या लाभ या घाटा होगा। १२

३. दो मनुष्योंने एक महाजनसे बीस बीस रुपये उधार लिये, एकने साल भरके बाद महाजन को २२ रुपये चुकाए और दूसरे ने दो रुपये महीनेके हिसाबसे बाईस रुपये अदा किये। बतलाइये कि महाजनको किसने अधिक दिया। सूदकी दर दस रुपया सैकड़ा सालाना है। १६

४. बतलाइये कि

$$\frac{\text{·१} \times \text{·१}}{\text{२५} \times \text{·२५}} \times \frac{\text{३·२५} \times \text{३·२५}}{\text{·४} \times \text{·६३}} + \frac{\text{१·२५} \times \text{२}}{\text{६·५} \times \text{·७}} \text{ का } \frac{\text{५२६} \times \text{·३१५६}}{\text{२७·४५} \div \text{·६२५}} \text{ रुपया}$$

तीन रुपये चार आने का कौन सा भाग है। १६

५. सरल रूपमें लाइये

$$\frac{\frac{\text{३}}{\text{७}} - \frac{\text{२}}{\text{६}}}{\frac{\text{३}}{\text{७}} + \frac{\text{२}}{\text{६}}} \text{ का } \text{२}\frac{\text{११}}{\text{२६}} \div \frac{\text{४}}{\text{१३} - \text{३}\frac{\text{८}}{\text{६}}} + \text{३}\frac{\text{११}}{\text{१६}} - \frac{\text{३}}{\text{३} - \text{१}\frac{\text{१०}}{\text{१३}}}$$ १०

६. व्यापारिक रीतिसे ४६ मन ३६ सेर १५ छटाँक ४ तोले गेहूंकी क़ीमत रुपये पीछे १० सेर ४$\frac{\text{१}}{\text{२}}$ छटाँक की दरसे निकालिए। १०

७. एक मनुष्यने एक दीवार ८० फुट लम्बी दस फुट ऊंची और एक फुट दो इञ्च चौड़ी बनवाई। दो राज आठ आने रोज़पर और दो मज़दूर चार आने रोज़पर लगाये। ५० फुट दीवार रोज़ तैयार होती है। कितने रोज़में दीवार तय्यार हो जावेगी? इस मकानमें ६ इंच लम्बी ४$\frac{\text{१}}{\text{२}}$ इंच चौड़ी और ३ इंच मोटी ईंट लगायी गयी और $\frac{\text{१}}{\text{४}}$ इंच गारा हर ईंट के जोड़ने में लगाया गया, बतलाइये कि कितनी ईंटें इसमें लगीं और अगर सात रुपये हज़ार ईंटकी क़ीमत है तो कुल ईंटों की क्या क़ीमत होगी? अगर हज़ार पीछे सवा रुपये ढुलाई दी जाय, और दो आने गिनवाई लगे तो सारी दीवारकी क्या लागत होगी? २४

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

इतिहास

[परीक्षक—पं० हरिमंगल मिश्र, एम. ए. एस. सी.]

समय ३ घंटे, पूर्णाङ्क १००

१. आर्य जातिके धर्म और आचार व्यवहारके विषयमें जो कुछ जानते हों लिखिये। ८
२. रामायण और महाभारतसे विद्यार्थियोंको क्या शिक्षा मिलती है? १०
३. भगवद्गीता कौनसा ग्रन्थ है? उसकी शिक्षाका निचोड़ लिखिये। ८
४. वर्द्धमान महावीरके क्या सिद्धान्त थे? उसने कौनसा नया मत चलाया? १०
५. फ़ाहियान कौन था? भारतवर्षके राज्यप्रबन्धका जो कुछ वर्णन उसने लिखा हो संक्षेपसे लिखिये। १०
६. राजपूत जाति भारतवर्षमें कहाँसे आयी? उसके अभ्युत्थानका संक्षिप्त वर्णन लिखिये। १२
७. मुहम्मद तुग़लक़के राज्यकालका संक्षिप्त वर्णन लिखिये। १०
८. क्या शाहजहां सचमुच एक नेक बादशाह होगया है? इस विषयमें अपनी सम्मति युक्ति पूर्वक लिखिये। ९
९. मार्कुइस वेलेज़लीकी कार्यवाहियोंका संक्षेपमें वर्णन कीजिये। ११
१०. निम्न लिखित पुरुषोंका संक्षिप्त वर्णन लिखिये:—हर्षवर्द्धन, बख़्ति‌यारख़िलजी, अबुलफ़ज़ल, शिवाजी, राघोबा और लार्ड लेक। १२

भूगोल

[परीक्षक—पं० कृष्णशङ्कर तिवारी, बी. ए.]

समय ३ घंटे, पूर्णांक १००

१. भूगोल किसे कहते हैं और उसके कितने भेद हैं? प्रत्येक भागके सीखनेसे क्या प्रयोजन है? ८

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

२. पृथ्वी कैसे बनती है और गरम पानीके सोतोंके पाये जानेका क्या कारण है ? १०

३. ओस क्या है और किस तरह बनती है ? जब आकाशमें बादल होते हैं तब ओस क्यों नहीं गिरती ? १२

४. वायुको भौतिक पदार्थ कैसे समझ सकते हैं और पृथ्वीको वह किस प्रकार घेरे हुए है ? १०

५. एक मनुष्य प्रयागसे पूरबकी तरफ़ रवाना होकर पृथ्वीकी परिक्रमा कर फिर प्रयाग आना चाहता है। लिखिये कि उसके मार्गमें स्थल और जलके कौनसे प्रसिद्ध भाग क्रमसे पड़ेंगे ? १६

६. (क) पृथ्वीके किसी टुकड़ेका नक़्शा किस प्रकार बनाया जाता है और नदी और पहाड़ किस भाँति दिखाये जाते हैं ? १२

(ख) संयुक्त प्रान्तका एक नक़्शा खींचिये और उसमें उसके प्रसिद्ध नगर और नदियोंके स्थान दिखलाइये ? १२

७. भूमण्डलके विभिन्न महाद्वीपोंकी कोई मुख्य नदियाँ और उनके बहनेकी राह बतलाइये ? १०

८. द्वीप, अन्तरीप, डेल्टा, खाड़ी, और डमरुमध्य इनकी परिभाषा और प्रत्येक के दो २ उदाहरण लिखिये ? १०

आरंभिक विज्ञान और स्वास्थ्य-रक्षा

[परीक्षक—अध्यापक गोमती प्रसाद अग्निहोत्री, बी. एस सी]

समय ३ घंटे, पूर्णाङ्क १००

१. नमक और गंधककोसंग पीसकर एक बुकनी बनायीगयी अब इन दोनोंको अलग अलग करनेकी कोई युक्ति बतलाइए। १२

२. 'रवा' किसे कहते हैं ? फिटकरीके अच्छे बड़े बड़े रवे बनाने की रीति क्या है ? १०

३. (१) तांबा और (२) पानी—इन पदार्थोंकी जाँच करनेसे उनके विषयमें आपको कौन कौन सी बातें मालूम हुईं ?

४. (क) १० तोले चाँदीका घनफल यदि ११ घन-सेंटीमीटर हो, तो ५ तोले सोनेका घनफल कितना होगा ? ८

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

{ आपेक्षिक घनत्व : चाँदीका = १०·६
सोनेका = १९ }

(ख) एक शीशेके टुकड़ेका वज़न तारपीनके तेलमें यदि ४ माशे हो, तो उसका मामूली वज़न क्या होगा ? १२

{ आपेक्षिक घनत्व : शीशेका = २·५
तारपीनके तेलका = ·५ }

५. मनुष्यको अपने जीवन तथा स्वास्थ्यकी रक्षाके लिए क्या क्या आवश्यक है ? ८

६. पचन क्रियाका संक्षिप्त विवरण लिखिए। २०

७. हमारे घरोंकी हवा किन किन कारणोंसे बिगड़ा करती है और उसे शुद्ध बनाए रखने का क्या क्या उपाय है? १०

८. 'निद्रा' पर एक छोटा सा लेख लिखिये। १२

मध्यमा १९७२

साहित्य १

[परीक्षक—पं० श्याम विहारी मिश्र, एम. ए· एम. आर. ए, एस]

समय ३ घंटे पूर्णांक १००

१. निम्न लिखित छन्दोंका अर्थ और आशय लिखियेः—

(क) ब्रह्म के आनन ते निकसे ते अत्यन्त पुनीत तिहू पुर मानी।
राम युधिष्ठर के बरने बलमीकिहु व्यास के अंग सोहानी॥
भूषण यों कलि के कबिराजन राजन के गुन पाय नसानी।
पुन्य चरित्र सिवा सरजै बर न्हाय पवित्र भई पुनिबानी ॥४

(ख) सीता संग सोहत सुलच्छन सहाय जाके भूपर भरत नाम भाई नीति चारु है॥
भूषण भनत कुल सूर कुल भूषन हैं दासरथी सब जाके भुज भुव भारु है॥
अरि लंक तोर जोर जाके संग बानर हैं सिंधुर हैं बाँधे जाके दल को न पारु है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri
078551

तेगहिकै भेंटै जो नरोकस मरद जानै सरजा सिवा जी रामही को अवतारु है ॥

(ग) मोलल्लहि जस नोलल्लरि बहलोलिलय धरि।

(घ) कैसो उयो धरि सीरे सुभाय को चाय महाँ चित में धरि चोखे।
संग सरोज सखानि लये दये भेष बनाय नछत्रन ओखे ॥
गोकुल जानि कमोदिनी सी हमको व्रज चन्द बिना परिपोखे।
पानिप प्रान पिपई सो लेत सखी यह सूर सुधाधर धोखे। ४

(च) ऊंचे अवास बिलास करै अँसुवान को सागर कै चहुं फेर्यो
ताहू ते दूरि लौं अंग की ज्वाल कराल रहै निसि बासर घेर्यो ॥
दास लहै वह क्यों अवकास उसास रहै नभ ओर अभेर्यो।
है कुसलात इती इहि बीच जु मीचु न आवन पावत नेर्यो ॥ ४

(छ) बर्ण्य वस्तु बर्णि कै अवर्ण्य को अनादरै सु तीसरो प्रतीप कबि दूलह गनायो है।
विष भरे कैबर नसैबर गरब ऐसे तेरे तुल्य बचन प्रपंचिन को गायो है ॥ ३

२. प्रश्न १ (क)के तीसरे चरणमें भूषण जी किस बातपर कटाक्ष करते हैं ? इसकी विस्तार पूर्वक विवेचना कीजिए. ५

३. भूषणमें जातीयताका भाव कैसा था ? उदाहरणोंके साथ अपने मतका समर्थन कीजिए। ६

४. प्रश्न १ में दिये हुये छन्द (क), (ख), (घ) और (च) में कौन कौन प्रधान अलंकार हैं ? उन्हें व्याख्या सहित समझाइये। १२

५. (क) प्रश्न १ में दिये हुए छन्दोंके नाम लिखिये और उनके रूप बतलाइए। ८

(ख) मुख्य गण कितने होते हैं ? उनके नाम, लक्षण, रूप, देवता, फल और उदाहरण सूक्ष्म रूपमें लिखिए। १२

(ग) खंड मेरु किसे कहते हैं ? उसके बनाने की रीति लिखिए। २

(घ) "बसु बसु भंता डिल्ला जानहु।" इसका क्या आशय है ? इसे भली प्रकार समझाइये और उदाहरण दीजिए। ३

६. (क) निम्न लिखित छन्दका तात्पर्य मात्र लिखिये और उसकी नायिका बतलाइये।
एकै चले रस गोरस लै अरु एकै चले मग फूल बिछावत। ६

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

त्यौं पदमाकर गावत गीत सु एकै चले उर आनंद छावत ॥
यौं नँद नन्द निहारिबे कोनँदगाँवके लोग चले सब धावत।
आवत कान्ह बने बन ते बर प्रान परे से परोसिनि आवत ॥

(ख) पद्माकरकी कविताके मुख्य गुण और दोष क्या हैं। उनकी गणना किस कोटिमें है? भूषण और पद्माकर में क्या अन्तर है? ७

(ग) संचारी भाव किसे कहते हैं? उनमेंसे ५ के नाम लिखिये, और एकका उदाहरण दीजिए। ३

७. नीचे दिये हुए पद्योंकी टीका कीजिए—

(क) कहलाने एकत फिरत अहि मयूर मृग बाघ।
जगत तपोवन सो कियो दीरघ दाघ निदाघ ॥
दीठि वरत बाँधी अटनु चढ़ि धावत न डरात।
इत ते उत मन दुहुन के नट लौं आवत जात ॥ ५

(ख) पायो नाम चारु चिन्तामणि उर करते न खसैहौं।
श्याम रूप शुचि रुचिर कसौटी चित कंचनहिं कसैहौं ॥
परबस जानि हँस्यो इन इन्द्रिन्ह निज बश ह्वै न हँसैहौं।
मन मधुकर प्रण करि तुलसी रघुपति पद कमल बसैहौं ॥ ५

(ग) हे वीर! देखो तो तुम्हें यों देखकर रोते हुए।
हैं हँस रहे सब शत्रुजन मन में मुदित होते हुए ॥
क्या इस महा अपमान का कुछ भी न तुम को ध्यान है?
क्या ज्ञानियों को भी बिपद में त्याग देता ज्ञान है? २

८. निम्न लिखित अवतरणों से जायसी के विषय में क्या क्या बातें विदित होती हैं:-

चार मीत जो महमद ठाऊँ। जेहिं कदीन्ह जग निरमल नाऊं ॥
शेर शाह दिल्ली सुलतानू। चारहु खंड तपा जस भानू।
जायस नगर धर्म अस्थानू। तहाँ जाय कबि कीन्ह बखानू ॥
जग सूझा एकै नयनाहा। उवा सूकु जस नखतन माहा ॥ ४

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

साहित्य २

[परीक्षक—पं० शुकदेव विहारी मिश्र बी. ए.]
समय ३ घंटे पूर्णांक १००

१ हिन्दी भाषामें संस्कृत व्याकरणकी दृढ़ता स्थापित होनेसे हिन्दी की स्वतन्त्रताके विषयमें क्या दूषण आरोपित होते हैं और उससे और क्या क्या दोष हैं ? ८

२ आदिम, माध्यमिक, अलंकृत और वर्त्तमान हिन्दीमें मोटे मोटे क्या अन्तर हैं ? उत्तर प्रायः ३० पंक्तियोंमें हो । १२

३ वैष्णवता और मानुष जीवन होड़के प्राबल्यसे हिन्दीको क्या क्या हानि लाभ हुए ? उत्तर प्रायः २० पंक्तियोंमें हो ।

४ निम्न लिखित पंक्तियोंमें कमसे कम तीन अर्थालंकार बतलाइये, और अपने बताये हुए अलंकारोंके रूप सूक्ष्मतया उनमें दिखला दीजिये । १२

जे पुर गाँव बसहिं मग माहीं। तिनहिं नाग सुर नगर सिहाहीं ॥
केहि सुकृती केहि घरी बसाये । धन्य पुन्यमय परम सुहाये ॥
जहं जहं राम चरन चलि जाहीं । तहं समान अमरावति नाहीं ॥

५ समालोचनासे क्या क्या लाभ होते हैं ? उत्तर चिपलूणकर महाशयके मतानुसार प्रायः २० पंक्तियोंमें दीजिये । १२

६ हिन्दी अंकों वाले वर्त्तमान रूपोंके बननेके कारणोंमें त्वरा लेखन एवं बिना लेखनी उठाये लिखनेकी इच्छा भी प्रधान है। इसके दो उदाहरण अंकोंके भूत और वर्त्तमान रूपोंसे दीजिये । ८

७ यदि सौन्दर्य्योपासकको उपन्यास मानें तो गद्य काव्य मीमांसा में लिखे हुए नव विभागोंमें वह किसमें पड़ता है ? उत्तरके कारण प्रायः १० पंक्तियोंमें लिखिये । १२

८ इस ग्रंथके उपन्यास माननेसे इसमें एवं इसके नायकमें मोटे मोटे गुण दोष क्या हैं ? १२

९ वर्त्तमान कालमें नाटक कैसे होने चाहिये ? ८

१० निम्न वाक्योंके शुद्ध रूप लिखिये— ८

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(अ) उसने रामको गालीदी और कहने लगा कि मैं तुझे कुछ भी नहीं समझता।

(आ) उसकी मृत्यु परसों हो गयी।

(इ) उसने मुझे एक किताब लादिया।

(ई) मैं क्या तेरे आधीन हूं ?

साहित्य ३

(परीक्षक—अध्यापक श्यामसुन्दर दास बी. ए., एफ़. बी. एस, एस.)

समय ३ घंटे, पूर्णांक १००

निम्न लिखित विषयों मेंसे किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिये जो उत्तर-पुस्तककी कमसे कम १०० और अधिक से अधिक २०० पंक्तियोंमें हो --

१. मनुष्य ईश्वरकी सृष्टिका मुकुट है।

२. प्राचीन कालके राज-दर्बारोंमें कवियोंकी उपयोगिता और आवश्यकता।

३. किसी प्राचीन नगरका वर्णन जहाँ पुराने खंडहर बहुत हों। उस स्थानके संबन्धमें लेखकके विचार।

साहित्य ४

[परीक्षक—पं० रघुवर प्रसाद द्विवेदी, बी. ए., एफ़. बी. एस. एस.]

समय तीन घण्टे, पूर्णाङ्क १००

सब प्रश्नोंमें समान अंक हैं

१. हिन्दी साहित्यका काल विभाग किस प्रकार किया गया है और प्रत्येक विभाग किस सम्वत् तक माना गया है लिखिए। यह भी बतलाइए कि किस विभागमें न्यूनाधिक कितनी कविता मिलती है। प्रत्येक विभागकी कविताके क्या क्या लक्षण हैं और भाषाका क्या रूप है ?

२. श्रेणि-विभाग और उसका प्रयोजन क्या है खोल करलिखिए।

३. (क) हिन्दी भाषापर एक लेख लिखिए जिसमें उसके प्रचार, उत्पत्ति, विकासादि विषयोंका समावेश हो।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(ख) गद्य और पद्यकी हिन्दीमें क्या अन्तर रहा है और अब उसके दूर करनेके लिए क्या प्रयत्न किया जा रहा है ?

(ग) किन २ प्रधान कवियोंने किस प्रकारकी हिन्दीका उपयोग किया है ?

४. अष्ट-छाप वाले कवि-गण कौन २ हैं ? उनके विषयमें जो कुछ जानते हों, लिखिये।

५. (क) महाकवि विहारीलालजी कब हुए ?

(ख) इनके मुख्य काव्य-ग्रन्थमें क्या २ विशेषताएँ हैं ?

(ग) उसकी भाषा किस प्रकार की है ?

(घ) हिन्दीके अन्य महाकवियोंके नाम बतलाइये और उनके मध्य इनका स्थान-निरूपण कीजिये।

६ (क) वर्त्तमान नागरी-लिपि वा नागराक्षरोंकी उत्पत्ति कब से और किस प्रकार हुई।

(ख) निम्न लिखित अक्षरोंके रूपान्तर कैसे २ होते गये लिखिए--

ण, थ, ब

इतिहास १

(परीक्षक—श्री जनार्दन भट्ट, एम. ए.)

समय ३ घंटे, पूर्णांक १००

[केवल १० प्रश्न करना चाहिये। प्रत्येक प्रश्नके लिये १० अंक]

१. प्राचीन समयमें योरुप और एशिया के बीच में कौन कौन व्यापारिक मार्ग थे और वे किस तरह से बन्द हो गये।

२. प्राचीन समय में पूरब के व्यापार की बागडोर मुसलमानों के हाथ कैसे पहुंची और उसका क्या परिणाम संसार के इतिहास में हुआ ?

३. "हंस संघ" का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिये।

४. "जिसके अधिकार में समुद्र है उसी के अधिकार में व्यापार रहेगा, इसी तरह जिसके हाथमें संसार का व्यापार है उसी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

के अधिकार में संसार की संपत्ति रहेगी तथा स्वयं संसार उसके आधीन रहेगा।"
इस कथन को ऐतिहासिक प्रमाणों द्वारा पुष्ट कीजिये।

५. हिन्दुस्तान में पोर्तगीज़ अधिकारकी स्थापना कैसे हुई और उसका अन्त किन कारणों से हुआ? इसका उत्तर संक्षेप में परन्तु सब आवश्यक बातोंके साथ दीजिये।
६. ऋग्वेद के समय में आर्यों के सामाजिक जीवन का वर्णन कीजिये।
७. चन्द्रगुप्त मौर्यके समय में भारतवर्षकी सभ्यता का संक्षिप्त हाल लिखिये।
८. जिस समय बुद्ध भगवान्ने अपने धर्म का उपदेश करना प्रारम्भ किया उस समय भारतवर्ष की क्या अवस्था थी?
९. फ़ाहियानकृत भारतवर्ष का वृत्तान्त संक्षेप में लिखिये?
१० गुप्तकालमें "हिन्दू धर्म और संस्कृत साहित्य के पुनरुद्धार" विषय में आप क्या जानते हैं?
११ राजपूतों और जाटोंकी उत्पत्ति के बारे में पश्चिमीय इतिहासों का क्या मत है?
११ (१) सिकन्दर (२) सेल्यूकस (३) मार्कोपोलो (४) वास्को डि गामा (५) आलबुकर्क (६) समुद्रगुप्त (७) कनिष्क (८) पुराण (९) ह्वेनत्सांग (१०) एलबेरुनी
इनपर छोटे छोटे नोट लिखिए।

इतिहास २

[परीक्षक – अध्यापक रामदास गौड़, एम. ए.]
समय ३ घंटे

प्रश्नों के अंक बराबर हैं। किसी ७ प्रश्न के पूरे उत्तर देनेसे १०० अंक मिल जायँगे। ७से अधिक लिखने वालोंके अंक कट जायँगे।

---

१. 'इतिहास' किसे कहते हैं? इसके अध्ययन से क्या क्या लाभ हो सकते हैं? संक्षेपमें लिखिये।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

२. रोमके विस्तृत साम्राज्य के अधःपतन के क्या कारण हुए ? रोम साम्राज्यसे वर्त्तमान किसी साम्राज्यकी तुलना हो सके तो कीजिए ।

३. माध्यमिक कालके धर्म्मयुद्ध तथा साम्प्रदायिक संघर्षों का संक्षिप्त वर्णन करते हुए बतलाइये कि युरोपकी सभ्यतापर इनका क्या प्रभाव पड़ा ।

४. जागृतिकाल और माध्यमिककालमें क्या अन्तर समझना चाहिए । वह कौन कौनसे राजनीतिक एवं सामाजिक परिवर्त्तन हुये जिनसे जागृतिकालने युरोपमें युगान्तर उपस्थित कर दिया ?

५. फ्रांसकी राज्यक्रान्ति और नेपोलियनके चरित्रसे जर्म्मन-अभ्युदय और वर्त्तमान कैसर के चरित्र की तुलना कीजिये ।

६. यूनान, मिस्र और बेल्जियमकी स्वतंत्रता प्राप्ति का संक्षिप्त इतिहास लिखिए । कौन सी घटनाएं इसमें साधक हुईं ?

७. बिस्मार्ककी कूटनीतिकी विस्तृत समालोचना कीजिए ।

८. उपनिवेशोंका इतिहास देते हुए यह दिखलाइये कि विविध पैतृक राज्योंका व्यवहार और नीति अपने २ उपनिवेशोंके प्रति कैसी है ।

९. 'युरोपमें साम्प्रदायिक विरोध तथा अन्ध परम्परा" इस विषय पर एक छोटा सा लेख लिखिये जो १०० पंक्तियोंसे अधिक न हो ।

१०. अर्थशास्त्र, समष्टिवाद और विकास सिद्धान्तका युरोपीय आचार विचार पर कैसा प्रभाव पड़ा ?

११. वाणिज्य व्यापार तथा शिल्पकलाकी युरोपीय जन साधारण में किन उपायों से उन्नति हुई तथा इस उन्नतिमें शासकवर्ग किस प्रकार सहायक हुए ?

गणित

[परीक्षक—श्री कमलाकर द्विवेदी एम. ए.]

समय ३ घंटे, पूर्णांक १००

सब प्रश्नों का उत्तर किये बिना भी पूर्णाङ्क प्राप्त हो सकते हैं

१. (अ) समानान्तर रेखाओंकी क्या परिभाषा है और अनन्त

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दूरी पर ये रेखाएं मिलती हैं अथवा नहीं ? ३

(ब) किसी निर्दिष्ट विन्दुसे दो दिये हुए समानान्तर सरल रेखाओं तक ऐसी दो सरल रेखाएं खींचिए कि वे आपसमें तुल्य हों और उनके बीचका कोण समकोण हो। ७

२. एक ऐसी सरल रेखा खींचिए जिसमें किसी विन्दुसे यदि दो स्पर्श रेखाएं दो दिये हुए वृत्तोंपर खींची जायं तो तुल्य हों।

इस सरल रेखा का नाम विशेष क्या है ? २

३. किसी त्रिकोणकी तीनों भुजाओंपर समत्रिबाहु त्रिभुज बनाये जाय तो सिद्ध कीजिये कि इन समत्रिबाहु त्रिभुजोंके बहिर्गत वृत्तोंके केन्द्रोंको मिला देनेसे एक समत्रिबाहु त्रिभुज बन जायगा। १०

४. $क^{२^{न+१}} - ख^{२^{न+१}}$ को $क^{२^{न}} + ख^{२^{न}}$ से भाग दीजिए

बतलाइए कब

$य^३ + प\ य^२ + क\ य + र$, में, $य^२ + अ\ य + ब$, का भाग पूरा लग जायगा। ४

५. (अ) $४ य^४ + ३२ य^२ + ९६ + \frac{६४}{य^४} - \frac{१२८}{य^२}$ का वर्गमूल निकालिये

(ब) सिद्ध कीजिए कि $य^४ + प\ य^३ + क\ य^२ + र\ य + स$ वर्ग तब होगा जब कि $\left(क - \frac{प^२}{४}\right)^२ = ४ स$ और $र^२ = प^२ स$। ४

(स) $\sqrt{१७५ - \sqrt{१४७}}$ का वर्गमूल क्या है ?

६. (अ) यदि क और ख अतुल्य हों तो

$क^२ + ख^२ > २ कख$

(ब) यदि $क + ख + ग = ०$ ४

तो $क^३ + ख^३ + ग^३ = ३ क ख ग$

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

७. एक दो स्थानका संख्या ऐसी बतलाइये जो स्थानांकके योग ५ का वर्ग हो और यदि उस संख्याके स्थानांकको बदल दें तो विपरीत संख्या स्थानांकके योगकी दूनी हो। १०३

८. (अ) कोण मापनेकी रीति कितने प्रकारकी होती है ?
यदि य किसी कोणका चक्रीय माप हो तो $\frac{\text{ज्याय}}{\text{य}} = १$ जब कोण बहुत न्यून कर दिया जाय। ३

(ब) सिद्ध कीजिये कि वे सब कोण जिनकी ज्या, य के ज्या के तुल्य है $\{ \text{म}\pi + (-१)^{\text{म}}\text{य} \}$ में अन्तर्गत है जिसमें म कोई अभिन्न पूर्णाङ्क है।

(स) घात प्रमापक (लघुरिक्थ) क्रियासे क्या लाभ होता है ?

यदि घा ज्या २१° ३′ = ९.५५५ ५ ३१ ५२
घा ज्या २१° २′ = ९.५५ ४ ९८ ६८
तो घा ज्या २१° २′ २५″ क्या है ? ४

९. (अ) निम्न लिखित समीकरणमें से य और फ को निकाल कर एक दूसरा समीकरण बनाइए

ज्याय = म को ज्याफ − न ज्याफ
को ज्या = म ज्याफ − न को ज्याफ ३

(ब) सिद्ध कीजिए :—
स्प ५ य − स्प ३ य − स्प २ व = स्प ५ य स्प ३ य स्प २ य और

$\text{स्प}^{-१}\frac{३}{५} - \text{को स्प}^{-१}\frac{७}{२} = \text{को स्प}^{-१}\frac{१३}{१२}$ ३

१० (अ) किसी त्रिकोणके तीनों भुज ज्ञात हैं तो कोणका मान कैसे निकाला जायगा ? २

(ब) किसी वृत्तार्द्धका व्यास जिसकी लम्बाई २र है किसी बिन्दुपर दो भागमें किया जाता है इनको व्यास मानकर दो वृत्तार्द्ध खींचे जाते हैं इनके व्यासर्द्ध $र_१$ और $र_२$ हैं यदि एक ऐसा वृत्त खींचा जावे कि तीनों वृत्तार्द्धों को स्पर्श करे तो इस का व्यास $= २\frac{रर_१ र_२}{र^२ - र_१र_२}$

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

संस्कृतसे हिन्दी में अनुवाद

[परीक्षक—पं० चन्द्रमौलि शुक्ल, एम. ए. एल. टी.]

समय ३ घन्टे

निम्न लिखित गद्य पद्य मय संस्कृत का अनुवाद सरल हिन्दी में लिखो —

(क) ६० अंक

ततः द्वारपालः प्राह, 'देव, श्री शैलात् आगतः कश्चित् विद्वान् ब्रह्मचर्य्यनिष्ठः द्वारिवर्त्तते' इति। राजा 'प्रवेशय' इति आह। ततः आगत्य ब्रह्मचारी 'चिरंजीव' इति वदति। राजा तं पृच्छति 'ब्रह्मन्, बाल्ये एव किं नाम व्रतं ते? अन्वहं उपवासेन कृशः असि। कस्यचित् ब्राह्मणस्य कन्यां तुभ्यं दापयिष्यामि, त्वं चेत् गृहस्थधर्म्मं अँगी करिष्यसि' इति। 'ब्रह्मचारी प्राह, 'देव, त्वं ईश्वरः, त्वया किं असाध्यम्; परन्तु शान्तिः एव मम गृहिणी, अतः विवाहं न करिष्यामि'। इति श्रुत्वा राजा उत्थाय पादयोः पपात आह च, 'ब्रह्मन्, मया किं कर्त्तव्यम्' इति। स आह, 'देव, अहं काशीं गन्तुमिच्छामि। ततः त्वत्सदने ये पंडितवराः तान् सर्व्वान् अपि काशीं प्रति प्रेषय' राजा तथा एव चकार। ततः सर्व्वे पंडितवराः तदाज्ञया प्रस्थिताः। कालीदासः एकः न गच्छतिस्म। तदा राजा कालिदासं प्राह, 'सुकवे, त्वं कुतः न गतः असि' इति। ततः कालिदासः राजानं प्राह, देव, सर्व्वज्ञः असि।

ते यान्ति तीर्थेषु बुधा ये शंभोर्दूर वर्तिनः।
यस्य गौरीश्वरश्चित्ते तीर्थं भोज परं हि सः॥

एतत् श्रुत्वा राजा भोजः अतीव संतुष्टः॥

(ख) ४० अंक

यस्य नास्ति स्वयं प्रज्ञा शास्त्रं तस्य करोति किम्।
लोचनाभ्यां विहीनस्य दर्पणः किं करिष्यति॥
किं करिष्यन्ति वक्तारो यत्र श्रोता न वर्त्तते।
नग्नक्षपणके देशे रजकः किं करिष्यति॥
धनिकः श्रोत्रियो राजा नदी वैद्यस्तु पंचमः।
पंच यत्र न विद्यन्ते वासं तत्र न कारयेत्॥

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

वर्णानामर्थसंघानां रसानां छन्दसामपि ।
मंगलानां च कर्त्तारौ वन्दे वाणी विनायकौ ॥
भवानी शंकरौ वन्दे श्रद्धा विश्वास रूपिणौ ।
याभ्यां विना न पश्यंति सिद्धाः स्वान्तःस्थमीश्वरम् ॥

ज्योतिष्

[परीक्षक—ज्योतिर्विद् पं० इन्द्रनारायण द्विवेदी]

समय तीन घन्टे, पूर्णाङ्क १००

स्वच्छ और सुवाच्य लेखनके लिये १० अङ्क

१. खगोल विद्या किसे कहते हैं और उसमें प्रधान विषय कौन हैं ? ५

२. (अ) आकर्षणशक्ति और सामान्यगुरुत्व केन्द्र का सम्बन्ध क्या है ? ५

(इ) एक पिण्डपर दो शक्तियों का प्रभाव कैसा पड़ता है ?

३. (अ) ग्रहोंकी कक्षायें अण्डाकार क्यों होती हैं ?

(इ) ग्रह और उपग्रह की परिभाषा लिखिये ?

(उ) क्या कोई उपग्रह ऐसा भी है (पूर्वसे पश्चिमको जाता है) ? यदि है तो वह किस ग्रहका उपग्रह है।

४. (अ) चन्द्रग्रहण के समान सूर्यग्रहण, पृथ्वी के सभी भागों में समान रूप से क्यों नहीं दिखलाई देता ?

(इ) उपच्छाया और प्रच्छाया में क्या अन्तर है ?

(उ) ज्वारभाटे के कारण और उनके प्रकार लिखिये । ८

५. (अ) इस समय १ सौर वर्ष कितने दिन, घण्टे और मिनट का होता है ?

(इ) प्रतिवर्ष सौर वर्षमें वृद्धि होती है कि ह्रास और उस ह्रास या वृद्धि का मान क्या है ?

६. सूर्यसिद्धान्त में प्रधान प्रधान विषय कौन हैं ? और त्रिप्रश्न किन तीन प्रश्नों को कहते हैं ?

७. सूर्यसिद्धान्त की रचना उसके अनुसार कब हुई, उसको किसने बनाया और फिर उसका प्रचार किसके द्वारा हुआ ? ५

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

८. कल्पादि और सृष्ट्यादि में क्या अन्तर है। एक कल्प कितने दिव्य वर्षों का होता है ?

९. सूर्यसिद्धान्तानुसार अयन की वार्षिक गति क्या है ? और उसका संस्कार कहाँ कहाँ होता है ?

१०. मध्य और स्पष्ट ग्रह में क्या अन्तर है ? और मेष के आदि में पात और मन्दोच्च के बिना मध्यमग्रह और शीघ्रोच्च एक समान अन्तिमवार कब हुये थे ?

११. विषुवच्छाया, वलन और तिमिनारेखा किसे कहते हैं और मध्यलग्न को दशम लग्न क्यों कहते हैं ?

१२. (अ) सूर्य, चन्द्रमा और पृथ्वी के व्यासों का पृथक् २ मान क्या है ?

(इ) सूर्यसिद्धान्त में व्यास से जो भूपरिधि का मान निकाला गया है उसमें क्या स्थूलता है ?

(उ) सूर्यसिद्धान्तानुसार पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है अथवा सूर्य पृथ्वी के ?

१३. स्वयम्वह-यन्त्र के सम्बन्ध में जो कुछ जानते हों लिखिये ? ७

अंग्रेज़ीसे अनुवाद

[परीक्षक—मोहनलाल मिश्र]

समय ३ घन्टे, पूर्णाङ्क १००

स्पष्ट और सुन्दर अक्षरों के १० अङ्क मिलेंगे

निम्नलिखित का सरल हिन्दी अनुवाद करो :—

No slavery is greater and more harmful than that of mind and no sin is greater than that of attempting to keep human beings in a state of perpetual bondage. It is bad enough to enslave people but to create circumstances and perpetuate them, which prevent them from breaking their chains and becoming free, is intolerably so ——infamous beyond measure and galling to the very soul of man.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

No man or a number of men have a right to do so, and, if there be any, they deserve the severest condemnation at the hands of all who have a conscience and do not want to lose it, It is my firm conviction, gentlemen, that injustice and oppression of fellowmen attempt to stifle legitimate human ambition, desire to keep people down to profit by their misfortune, is as sure to react on those who are the authors and agents thereof, as night follows day, that nothing can save them from a similar fate sooner or later except perhaps a timely consciousness of the gravity of their sin and a vigorous attempt to atone for it by undoing the mischief wrought thereby.

The laws of nature are inexorable and under those laws no expiation short of the same fate is ordinarily adequate for those whose sin consists in deliberate and persistent degradation of men and women and in deliberate and persistent misuse of powers and faculties which have been given them for the betterment of self and for the service of others and not for keeping people down and reducing them by brute force or by religious and social duplicity to the level of beasts.

Those who brutalise themselves in this way do a great wrong to their own nature, which has to be put right by making them go throuh the same ordeal at some stage or other of the life of their souls; unless it be that they awake in time and with their own hands set to undo the mischief wrought by them under the intoxicating influence of power and under a mistaken presumption of their right to do so.

धर्मशास्त्र

[परीक्षक—पं० श्रीकृष्ण जोशी]

समय तीन घन्टे, पूर्णाङ्क १००

[इन १२ प्रश्नोंमें से पहिले ४ प्रश्नों के उत्तर अवश्य लिखने चाहिये। शेष ८ में ५ के उत्तर देने चाहिये, चाहे कोई ५ हों। इस प्रकार १२मेंसे ९ प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न में बराबर अङ्क है]

१. मनुस्मृति के प्रत्येक अध्याय के मुख्य विषयों को संक्षेप से लिखिए।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

२. अच्छी सन्तति उत्पन्न होनेकी दृष्टि से जो विवाह के नियम रक्खे गये हैं उनको लिखिए।

३. मनुके अनुसार विवाहों के भेद और प्रत्येक के लक्षण लिखिए और लिखिए कि कौन कौन विवाह किस किस वर्ण के लिए शास्त्रोक्त हैं।

४. उत्तम कुलों को अधम करने वाले और नाश करने वाले काम कौन कौन लिखे हैं ?

५. 'अपांक्तेय' और 'पंक्तिपावन' शब्दों के अर्थ लिखिए और अपंक्तियों के १० उदाहरण और 'पंक्तिपावनोंके' ५ उदाहरण लिखिए। जो नाम लोक प्रसिद्ध न हों उनके शास्त्रोक्त लक्षण लिखिए।

६. मांस भक्षण के विषय में मनुस्मृति के विधि निषेध के मुख्य वचनों का सार लिखिए।

७ (क) ब्राह्मणादि वर्णों के साक्षियों से प्रश्न पूछने की और उनको शपथ देने की क्या विधि लिखी है ?

(ख) किन किन ब्राह्मणों को शूद्र के समान वर्तना लिखा है ?

८. (क) पुत्रों के कै भेद लिखे हैं ?

(ख) उनमें जो दायाद और बान्धव माने हैं उनके नाम अर्थ सहित लिखिए।

(ग) ऐसे पुत्र पिता के धनके अनधिकारी किन कारणों से हो जाते हैं ?

९. ब्रह्महत्या, सुरापान और सुवर्णको चोरी इन तीन महापातकों में एक एक के समान जो पातक कहे हैं उनके नाम लिखिए।

१०. "कर्तव्याकर्तव्यशास्त्र" नामक पुस्तक के ऊपर अपनी समालोचना लिखिए अर्थात् उसके गुण दोषों की परीक्षा कीजिए।

११. किसी कार्यके सदसद्विवेकमें मुख्य हेतु उस ग्रन्थ में कौन माना गया है और उस हेतु के समर्थन में क्या उदाहरण दिये गये हैं ? उनके अतिरिक्त एक उदाहरण अपनी कल्पना से दीजिये।

१२. (क) 'परिणामदृष्टि' इस पदका अर्थ "कर्तव्याकर्तव्यशास्त्र" पुस्तकमें क्या लिखा है ?

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(ख) उस अर्थ का वाचक कोई उपयुक्त शब्द अपनी रुचि से लिखिए।

(ग) 'परिणामदृष्टि विषयक निर्णय' और "सदसदाचार विषयक निर्णय" में जो भेद पुस्तक में दिखाये हैं उनको संक्षेप से लिखिए।

दर्शन

[परीक्षक—अध्यापक दीवान चन्द एम. ए.]

समय ३ घंटे, पूर्णांक १००

१. "कर्म्मयोग गीताका सार है और इसका सम्बन्ध मनुष्यके समस्त जीवनसे है।" १२

इस वाक्यकी व्याख्या कीजिए।

२. (१) जीवात्माके अमर हानेमें क्या प्रमाण हैं ?

(२) आचारादर्शके बिषयमें कृष्ण और काण्टकी शिक्षाकी तुलना कीजिए।

३. सृष्टिके निमित्त-कारणके विषयमें श्वेताश्वतर उपनिषदमें क्या शिक्षा दी गयी है। १२

४. श्वेताश्वतर उपनिषदमें ज्ञान और कर्म्मका मेल कैसे किया गया है ? १२

५. वाक्यके भेद लिखिए। वाक्योंके विरोध और अविरोधके नियम क्या हैं ? १२

६. लक्षण क्या है ? अच्छे लक्षणके नियम लिखिए। १२

७. प्लेटोके तर्कका सार क्या है ? तर्कके विषयमें प्लेटो और अरस्तुमें मुख्य भेद क्या हैं ? १४

८. वाह्य वस्तुओंके सम्बन्धमें बर्कलेका सिद्धान्त क्या है ? परमात्माकी हस्ती वह कैसे सिद्ध करता है ? १४

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

विज्ञान

[परीक्षक—अध्यापक विनायक गणेश साठे, एम. ए.]

समय तीन घण्टे, पूर्णाङ्क १००

१ जानदार और बेजान चीज़ोंमें क्या अन्तर है ? इसी प्रकार वनस्पतियों और प्राणियोंमें क्या क्या भेद और कहाँ कहाँ समानताएं हैं ? १०

२. जड़ों (roots) के सामान्य लक्षण दिखाकर उनके भेद और उपभेद आदिका वर्णन कीजिए। जड़ोंकी उपयोगिता दिखलाइये।

३. रीढ़दार जानवरोंके जो मुख्य विभाग हैं उनको उदाहरणों सहित बतलाइये और इनमेंसे किसी विभागके किसी परिचित प्राणीका उदाहरण लेकर सविस्तर वर्णन कीजिये। जहाँ तक हो सके इन विभागों में ज्ञान तन्तु जालका (nervous-system) अथवा अन्ननालिकाकी (alimentary canal) जैसी जैसी उन्नति होती गयी है उसका संक्षेपमें वर्णन कीजिए। १५

४ आपेक्षिक घनता, वायुका दबाव, विशिष्ट ताप, विलीन ताप और शतांशिक तापमानपर संक्षेपमें नोट लिखिए। १२

५. वायु-पम्पका समग्र रीतिसे चित्र सहित वर्णन कीजिए और उसके उपयोग बतलाइये। ११

६. बैटरी (battery) किसे कहते हैं ? किसी एक बैटरीका चित्र सहित वर्णन कीजिए। ११

७. ब्रामा-प्रेसका चित्र देकर वर्णन कीजिए। ११

८. मुख्य मुख्य अम्ल और क्षारोंके नाम लिखिए और हरिण गैस बनानेकी विधि वर्णन कीजिए। ९

९. रेलका इञ्जिन, मोटर गाड़ी, बिजली उत्पन्न करनेका यन्त्र, एक्स किरण अथवा, टेलिफ़ोन इनमेंसे किसी एकका वर्णन कीजिए जिससे इनके मुख्य तत्वों सम्बन्धी आपका ज्ञान प्रकट हो जाय। ११

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अर्थशास्त्र

[परीक्षक—अध्यापक बालकृष्ण एम. ए.]

समय ३ घंटे पूर्णाङ्क १००

[निम्न लिखित १३ प्रश्नोंमें किसी सात प्रश्नोंके पूरे २ उत्तर देनेसे १०० अंक मिल सकेंगे। प्रश्नों में बराबर अंक हैं।]

१. अर्थशास्त्रमें सम्पत्ति, परिश्रम, लगान तथा राष्ट्रीय समष्टिवादसे क्या अभिप्राय है ?

२. क्रमागत ह्रास नियम और भौमिक लगानकी उत्पत्ति के सिद्धान्त-की व्याख्या कीजिए।

ब्याज और व्यवसायपतियों के लाभोंका निश्चय करनेवाले सिद्धान्तोंकी व्याख्या कीजिए ?

३. सिद्ध कीजिए कि श्रमी लोग व्यवसायपतियों (कारख़ाने वालों) की अपेक्षा बलहीन हैं। इस निर्बलताको हटानेके लिए समाज और राष्ट्रकी ओर से कौन कौन साधन प्रयुक्त किये जाते हैं ?

४. बीमेके हानि लाभोंका वर्णन कीजिए।

या

मानवजातिमें पूंजी संचयके भिन्न भिन्न उद्देश्यों तथा शक्तियोंका वर्णन कीजिए।

५. भारत और इग्लैण्डकी तुलना करते हुए बतलाइए कि देशोंकी उत्पत्तिको घटाने बढ़ाने वाले कौन साधन हैं ?

६. देशोंके अन्तर-राष्ट्रीय व्यापारके खुलनेपर क्या २ हानि लाभ होते हैं ?

७. (क) अर्थशास्त्रको राष्ट्रीय अर्थशास्त्रनाम देनेमें क्या गुणदोष हैं ?

(ख) अर्थशास्त्रका शुद्ध लक्षण लिखिए।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

८. आजकलके व्यवसायिक जगतकी झंझट एक गर्मकोटकी वनावट से सिद्ध कीजिए।

या

"मानवजातिको अर्थशास्त्रकी आवश्यकता है" इस पर ४० पंक्तियोंका एक निवन्ध लिखिए।

९. (क) उत्पत्तिके कितने आवश्यक साधन हैं और क्यों?

(ख) नहरोंके हानि लाभ क्या हैं?

(ग) भूमिकी उत्पादक शक्ति किन साधनोंसे बढ़ाई जा सकती है?

या

"भारतीय कृषिकी अपूर्णता" पर ४० पंक्तियोंका एक निवन्ध लिखिए।

१०. (क) भारतमें पशु पालनकी विधियोंमें किन किन बातोंकी आवश्यकता है?

(ख) भूमिकी हत्याके सिद्धान्तपर प्रकाश डालिए।

११. सहकारी बैंकोंके हानि लाभ लिखिए।

१२. (क) मनुष्यको आर्थिक उन्नति करनेके लिए किन किन बातों की आवश्यकता है?

या

भारतकी अन्य देशोंके साथ भिन्न भिन्न प्रकारकी विद्याओंमें तुलना कीजिए।

(ख) श्रम विभागकी हानियाँ प्रकट कीजिये।

या

बड़ी मात्राकी उत्पत्तिकी हानियां बतलाइए।

१३. भारतमें शिल्पकी दशापर एक निवन्ध लिखिए।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन

प्रश्नपत्र

प्रथमा, मध्यमा और उत्तमा

१९७३

प्रकाशक

परीक्षा-समिति

साहित्य-भवन, प्रयाग.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पं० सुदर्शनाचार्य्य बी. ए.के प्रबन्धसे प्रयागके सुदर्शन प्रेसमें छपी और प्रयागस्थ साहित्य-सम्मेलन-कार्य्यालयसे प्रकाशित हुई।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सम्मेलन सम्बन्धी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र

प्रथमा परीक्षा सं० १६७३

साहित्य १

(परीक्षक—पं० मन्नन-द्विवेदी, गजपुरी बी० ए०)

समय ३ घण्टे

(१) रामायण के पात्रों में जिसको आप सर्वोत्तम समझते हों, उसका वर्णन कीजिये और कारण दिखाइये कि क्यों आप उसको सबसे उत्तम समझते हैं। १५

(२) निम्नलिखित पदों में अलङ्कार बतलाइये—
इसके अनन्तर अङ्क में रक्खे हुए सुस्नेह से,
शोभित हुई इस भाँति वह निर्जीव पति के देह से-
मानों निदाघारम्भ में सन्तप्त आतप जाल से
छादित हुई विपिनस्थली नव पतित किंशुक शाल से। १५

(३) मुद्राराक्षस-रचयिता विशाखदत्त अथवा उसके अनुवादक भारतेन्दु-हरिश्चन्द्र के विषय में जो कुछ आप जानते हैं लिखें। १५

(४) जेहि कर जेहि पर सत्य सनेहू। सो तेहि मिलत न कछु सन्देहू।
इस चौपाई का भाव लिखिये और बतलाइये कि इसको किसने और कहाँ कहा था। ऊपर की चौपाई के भावों की सत्यता के विषय में आपको जितने उदाहरण मालूम हों लिखें। १५

(५) निम्नलिखित कविता में क्या क्या साहित्य-दूषण हैं—
(क)—कर बन्दना गुरु की मुदित यह पार्थ से लड़ने चला,
विख्यात विन्ध्याचल यथा आकाश से भिड़ने चला।
(ख)—अर्जुन बिना सब पाण्डवों के वध न करने के लिए;
करुणार्द्र होकर कर्ण ने थे वचन कुन्ती को दिये। १०

(६) निम्नलिखित पद्य कौन सा छन्द है, उसका लक्षण क्या है, और पद्य में आपको यदि कोई दोष देख पड़े तो बतलाइये—
(क)—पर, अर्जुनाधिक पाण्डवों का वध न करने के लिये,
करुणार्द्र होकर कर्ण ने थे वचन कुन्ती को दिये।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(ख)—वाचक ! विलोको तो ज़रा, है दृश्य क्या मार्मिक अहो!
देखा कहीं अन्यत्र भी क्या शील यों धार्मिक कहो। १०

(७) निम्नलिखित पदों में से किन्हीं तीन का अर्थ लिखिये।

(क)—और देव सों काम नहिं यम को करो प्रणाम।
जो दूजन के भक्त को प्राण हरत परिणाम॥
यदपि उदित कुमुदिन सहित पाय चाँदनी चन्द।
तदपि न तुम बिन लसत है नृप शशि जगदानन्द॥ २०

(ख)—जो केवल पितु आयसु ताता। तौ जनि जाउ जानि बड़ि माता॥ जो पितु मात कहेउ बन जाना। तौ कानन शत अवध समाना॥

(ग)—आकाश में चलते हुए यों छवि मुझे दिखला रही,
मानों जगत को गोद लेकर मोद देती है मही।
उन्नत हिमाचल से धवल यह सुरसरी यों टूटती,
मानों पयोधर से मही के दुग्ध-धारा छूटती।

(घ)—ऊँचे घोर मन्दर के अन्दर रहनवारी ऊँचे घोर मन्दर के अन्दर रहाती हैं। कन्दमूल भोग करैं कन्दमूल भोग करैं तीन बेर खातीं सो तो तीन बेर खातीं हैं। भूखन शिथिल अङ्ग भूखन शिथिल अङ्ग बिजन डुलाती ते व बिजन डुलाती हैं। भूषन भनत शिवराज बीर तेरे त्रास नगन जड़ातीं ते व नगन जड़ाती हैं—

—:०:—

साहित्य २

(परीक्षक—पं० शुकदेवविहारी मिश्र बी० ए०)

समय ३ घण्टे

(१) प्यारे न्यारे चन्द हौ मृगान रथ मैं नहे।
केहरी समान कटि है।
उपरोक्त दोनों वाक्यों में प्रधान अर्थालङ्कार कौन हैं सो समझा कर लिखिये। १०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(२) खञ्जरीट नहिं लखि परत कछु दिन साँची बात।
बाल दृगन सम होन को मनों करन तप जात॥
खञ्जरीट नहिं लखि परत कछु दिन साँची बात।
बाल दृगन सम होनको करन कठिन तप जात॥

उपरोक्त दोहे में जो थोड़ा सा अन्तर दो बार लिखने से किया गया है उससे,उसके अर्थालङ्कार में क्या अन्तर पड़ता है? समझा कर लिखिए। १०

(३) चन्द्रमा सोलहों कलाओं से पूर्ण अपनी प्रेयसी निशा की मुख-छवि पर निहाल है। उसकी सब ओर छिटकी हुई चाँदनी सम विषम भूभाग को एक आकार दरसाती हुई चक्रवर्ती राजा की आज्ञा समान सर्वत्र व्याप रही है, मानो वितान रूप नीले आकाश के शामियाने के नीचे सुफ़ेद फ़र्श बिछा दिया गया हो।

उपरोक्त वाक्यों का अर्थ सरल भाषा में लिखिए और यह भी बतलाइए कि निशा को चन्द्रमा की प्रेयसी क्यों माना गया है। १५

(४) भारतमित्र पत्र का इतिहास सङ्क्षेप से लिखिये। १५

(५) विहारबन्धु का इतिहास सङ्क्षेप रूप से लिखिये। १०

(६) निम्न लिखित वाक्यों का अर्थ सरल हिन्दी में लिखियेः—

(क) ऐसा कौन आर्यसन्तान होगा, जिस का चित्र श्रीत्रिवेणीजी के निरीक्षण से उल्लसित न हो जाय? यहाँ त्रिपथगामिनी उन भागीरथी गङ्गा का सूर्य-नन्दिनी से सङ्गम हुआ है कि, जिनके शरण में लाखों ऋषि मुनि अनादि काल से रहते आये हैं, और जिनके उत्तम जल से दैहिक, मानसिक और भौतिक ताप दूर होते हैं। १०

(ख) नहीं साहब विधवा विवाह की क्या मैं तो सधवा विवाह को भी बुरा नहीं मानता। भला आप सुधारक लोगों के सामने किसी की मजाल है कि ज़बान हिला सके। ५

(ग) भारतवर्ष में हिन्दू और मुसलमान दो बड़ी जातियां हैं। दोनों के शिक्षित लोगों के विचारों में हम एक विचित्र

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

भेद देखते हैं। शिक्षित हिन्दू अपनी जाति, धर्म और समाज की जहाँ तक बने निन्दा करते हैं। समाज के गुणों को छिपाते हैं और दोषों को बढ़ा बढ़ा कर दिखाते हैं। उधर शिक्षित मुसलमानों का ठीक इसके विरुद्ध आचरण है। ५

(८) चन्दा की कथा सङ्क्षेप से लिखिए और उसके पात्रों में से रामू और चन्दा के गुण दोष कहिए। १०

(९) नीचे लिखे हुए महावरों की व्याख्या कीजिये। जहाँ कहीं अलङ्कार दिखलाते बने, स्पष्ट दिखाइये। १०

१—आँख का पानी ढरक जाना।
२—शरम हया को पी बैठना।
३—पैरा बह गया।
४—मिट्टी छूते सोना होता था।
५—ग्रन्थ चुम्बकों को मुंह खोलने की हिम्मत नहीं पड़ती थी।
६—इनके कहने को ज़रा भी किसीने दूखा कि तिवरी बदल जाती थी।
७—नौ नक़द न तेरह उधार।
८—कोयले के व्यवहार में हाथ पैर काले।

साहित्य ३

(परीक्षक—पं० रामचन्द्र शुक्ल)

समय ३ घण्टे

१०० अङ्क

(१) किसी ग्राम के दृश्य का ऐसा वर्णन जिसमें जीवों के भिन्न भिन्न व्यापार भी आ जायँ।

(२) सुशीलता किसे कहते हैं और उससे व्यवहार में किस प्रकार सुगमता होती है।

(३) शिक्षितों और अशिक्षितों के जीवन में अन्तर।

ऊपर के लिखे विषयों में किसी एक पर निबन्ध लिखिये। निबन्ध १०० पङ्क्तियों से कम में न हो।

१० अङ्क शुद्धता और स्वच्छता के होंगे।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

इतिहास

(परीक्षक—पं० हरिमङ्गल मिश्र एम० ए०)

समय—३ घण्टा

[पूर्णाङ्क १०० । प्रत्येक प्रश्न के अङ्क समान हैं]

(१) अलाउद्दीन ख़िलजी के राज्य का सङ्क्षिप्त वर्णन लिखिये।

(२) औरङ्गज़ेब की योग्यता और उसके राज्य के महत्त्व का विस्तार-पूर्वक वर्णन लिखिये।

(३) मरहटों के राज्य का अन्त जिन जिन कारणों से हुआ हो उन्हें बतलाइये।

(४) लार्ड कार्नवालिस के बन्दोबस्त इस्तरारी के नफ़ा नुक़सान पर अपनी सम्मति लिखिये।

(५) लार्ड वेलेस्ली की राजनीति क्या थी ? सङ्क्षेप में लिखिये।

(६) लार्ड डेलहौसी कृत प्रजाहित और राज्यप्रबन्ध के कार्यों का वर्णन कीजिये।

(७) निम्न लिखित शब्दों पर टिप्पणी लिखिये।

ख़लीफ़ा, ख़ालसा, जज़िया, जागीरदार, बड़े लाट की कौंसल, नैशनल काङ्ग्रेस।

(८) भारतवर्ष का नक़शा खींच के निम्न लिखित स्थानों को दिखलाइये।

(अ) वे लड़ाई के मैदान जहाँ राजपूतों ने मुसलमानों को परास्त किया।

(ब) वे नगर वा देश जिन्हें शिवा जी ने लूटा हो।

—:o:—

भूगोल

समय ३ घण्टे

(परीक्षक—पं० कृष्णशङ्कर तिवारी बी० ए०)

१—नीचे लिखे शब्दों की परिभाषा लिखिए:—

भूकम्प, मानसून, तुषार, झरना, स्फटिक कत्तल, अक्षाङ्शरेखा, देशान्तर रेखा, ज्वार भाटा। १२

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

२—पृथ्वी की अन्तरस्थ गर्मी के क्या क्या सबूत हैं ? ज्वालामुखी पर्वतों का भूडोल से क्या सम्बन्ध है ? ८

३—नीचे लिखी बातों में से किसी तीन के कारण बताइये :— १५

(क) हम ज्यों ज्यों पहाड़ों के ऊपर चढ़ते हैं त्यों त्यों हमें अधिक सर्दी मालूम होती है।

(ख) हिन्दुस्तान के पश्चिमीय तट पर पूर्वीय तट की अपेक्षा अधिक वर्षा होती है।

(ग) ठण्ढी हवा उतनी भाप नहीं धारण कर सकती जितनी गर्म हवा कर सकती है।

(घ) पृथ्वी के दोनों ध्रुवों के बीच का व्यास उसके विषुवत रेखा के बीच के व्यास से २७ मील कम है।

(ङ) ग्रीष्म ऋतु में दिन बड़ा और रात छोटी होती है।

४—हिन्दुस्तान की आब हवा का सङ्क्षेपरूप से वर्णन करिए, तथा वहाँ के उन भागों के नाम लिखिए जहाँ सब से अधिक और सब से कम वर्षा होती है। १०

५—नीचे लिखे स्थान क्या और कहाँ हैं :—

रायो डी जेनिरो, शिकागो, मेडेगास्कर, सिडनी, न्यूगिनी, विनीपेग, वर्मिङ्घम, विस्टूला। १०

६—कलकत्ते में एक फुटबाल का खेल रविवार की सन्ध्या के ६ बजे खेला गया और उसका समाचार लन्दन में उसी दिन क़रीब दो बजे दिन को समाचारपत्रों में प्रकाशित हो गया। बताइये क्या यह सम्भव है ? और यदि है तो क्यों है ? १०

७—बङ्गाल की खाड़ी में जो जो प्रसिद्ध नदियाँ गिरती हैं उनके नाम क्रमबद्ध लिखिए। १०

८—एक मनुष्य बेहरिङ्ग के समुद्र से एशिया के किनारे किनारे जाता हुआ स्वेज़ के बन्दर को पहुंचना चाहता है। बताइये उसे मार्ग में कौन कौन से प्रसिद्ध समुद्र, खाड़ियाँ, और बन्दर मिलेंगे ? १०

९—हिन्दुस्तान का एक मानचित्र खींचिए, और उसमें निम्नलिखित स्थान दिखलाइए:—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नर्वदा, गङ्गा, सिन्धु, सतलज, कावेरी, लाहौर, नील-गिरि, आगरा, सुलेमान, देहली, अरावली, और प्रयाग। १५

—:०:—

अङ्कगणित

समय ३ घण्टे

(परीक्षक—बाबू ज्योति प्रसाद बैजल एम० ए०)

१—क़ीमत दरियाफ़्त कीजिये

$$\frac{\text{६·७५७}}{\text{२·१७४२}} \times \frac{\text{·२५६}}{\text{२·७८}} \times \text{१२ आने ६}\tfrac{\text{३}}{\text{४}}\text{ पाई}$$ १६

२—तीन मनुष्यों की दौड़ में, पहले ने दूसरे को १०० गज़ की दौड़ में ५ गज़ से हराया; दूसरे ने तीसरे को २०० गज़ की दौड़ में १० गज़ से हराया। बतलाइये कि ४०० गज़ की दौड़ में पहले और तीसरे में कौन जीतेगा और कितने गज़ों से? १६

३—व्यावहारिक रीति से ३७५·३६७५ बीघे ज़मीन का लगान ४.२५ रुपये की दर से निकालिये। १२

४—एक रक़म का सूद दो बरस में ५६।) है और उसी रक़म का दो बरस में ५०) मिती काटा है। बतलाइये कि रक़म कितनी है और सूद प्रति सैकड़ा क्या है? १६

५—किसी अङ्क में से ३२० घटाए, जो बाक़ी बचा उसमें २४ जोड़े, जोड़ को ८ से गुणा किया तो मालूम हुआ कि गुणन-फल ३०४ और ७६० के जोड़ के बराबर है। बताओ कि अङ्क क्या है? ८

६—एक सौदागर ने ६ आने के ५ दस्ते की दर से कुछ काग़ज़ ख़रीदा। वह उसी काग़ज़ को इस हिसाब से बेचता है कि १० दस्ते की बिक्री की क़ीमत जो कुछ आती है वह २५ दस्ते की ख़रीद की क़ीमत पर मुनाफ़ा होता है। मालूम कीजिये कि उसने एक दस्ता काग़ज़ किस क़ीमत पर बेचा? १२

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

७—क और ख मिल कर सब काम को ६ दिन में कर सकते हैं, ख अकेला उसको १६ दिन में; क और ख ने मिलकर ३ दिन काम किया; क अकेला शेष को कितने समय में कर लेगा ? २०

—:o:—

आरम्भिक विज्ञान

समय ३ घण्टे

(परीक्षक—पं० गोमतीप्रसाद अग्निहोत्री बी-एस-सी.)

केवल ८ प्रश्न करने चाहिएं। सब प्रश्नों में समान अङ्क हैं। पूर्णाङ्क १००।

१—नीचे लिखी वस्तुओं की तोल बिना तराज़ू के जानी जा सकती है या नहीं ?

(१) चाँदी की कटोरी

(२) कटोरी भर पानी

अपना कथन यथाशक्ति पुष्ट कीजिए।

२—'अर्कमीदिस का सिद्धान्त' क्या है ? उसके सत्यासत्य की परीक्षा करने के लिए जिन जिन प्रयोगों की आवश्यकता हो उनका सङ्क्षिप्त वर्णन लिखिए।

३—द्रव पदार्थों के शोधने के लिए क्या उपाय है ? सचित्र वर्णन लिखिए।

४—धातु और अधातु में क्या भेद है ? उदाहरण दीजिए। क्या कोई द्रव धातु भी है ? उसके कुछ गुण बताइए।

५—'तापक्रम' से अभिप्राय क्या है ? तापमापक या थर्मामीटर पर 'हिमाङ्क' अङ्कित करने की रीति लिखिए।

६—पानी का अधिक से अधिक घनत्व किस तापक्रम पर होता है ? कोई प्रयोग वर्णन कीजिए जिससे आपका कथन पुष्ट हो।

७—'कलारी' किसे कहते हैं ? 0° श तक ठण्ढे किये हुए एक सेर पानी में ९५° श तक गरम किया हुआ तीन छटाँक पानी मिलाने पर सारे मिश्रित जल का तापक्रम क्या होगा ?

८—गरमी किन किन रीतियों से फैलती है ? उन सब में क्या भेद है ? प्रत्येक के उदाहरण दीजिए।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

९—नरम लोहे का लम्ब प्रसार गुणक ·०००० १२ है—इसका मतलब समझाइये।

इस लोहे का ५ गज़ लम्बा छड़, २०° श से १००° श तक गरम किए जाने पर कितना बढ़ जायगा।

१०—गुप्त ताप से क्या अभिप्राय है? १० ग्राम बरफ़ ०° श पर है। उसे १००° श वाली भाफ के रूप में परिणत करने के लिए कितने ताप की आवश्यकता है?

११—शरीर में रक्त का संचार किस भाँति होता है? सङ्क्षेप में वर्णन कीजिए।

१२—'जल' के विषय में छोटा सा स्वास्थ्य-सम्बन्धी लेख लिखिए।

मध्यमा परीक्षा सं० १९७३

साहित्य १

(परीक्षक—पं० श्यामबिहारी मिश्र एम० ए०)

समय ३ घण्टे

१—निम्न लिखित छन्दों के अर्थ लिखिये और उन्हें भली भाँति समझाइये:—

क—(१) कीन्हेसि अग्निपवन जल खेहा।
कीन्हेसि बहुते रङ्ग औ रेहा॥
कीन्हेसि धूप सेर्व औ छाहाँ।
कीन्हेसि मेघ बीज तेहि माहाँ॥१॥

(२) कीन्हेसि अगर कस्तुरी बीना।
कीन्हेसि भीमसेन औ चीना॥
कीन्हेसि द्रव्य गर्व जेहि होई।
कीन्हेसि लोभ अघाइ न कोई॥२॥

ख—(१) मन्द चहउँ कवि यश लहन ह्वैहै हँसी संसार।
लम्ब लभ्य फल लोभ जिमि ठिगनों बाँह पसार॥१॥

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(२) बिना सुरासुर मथन जिमि ऋष्य शृङ्ग करतूत ।
प्रकटै सद्दि नृप पयधि से किमि रत्नोपम पूत ॥२॥ ६

ग—(१) तरनि जगत-जलनिधि तरनि जै जै आनन्द ओक ।
कोक कोकनद सोकहर लोक लोक आलोक ॥१॥

(२) पम्पा मानसर आदि अगन तलाव लागे
जिनके परन में अकथ युत मथ के ।
भूषन यों साज्यो राजगढ़ सिवराज रहे
देव चक चाहि कै बनाए राज पथ के ॥
बिन अवलम्ब कलि कानि आसमान मैं
ह्वै होत बिसराम जहाँ इन्दु औ उदथ के ।
महत उतङ्गमनि जोतिन के सङ्ग आनि कै
यो रङ्ग चाहा गहत रवि-रथ के ॥३॥ १०

घ—(१) नव नागरि तन मुलुक लहि जौबन आमिल जोर ।
घटि बढ़ि ते बढ़ि घटि रक़म करी और की और ॥१॥

(२) मकराकृत गोपाल के कुण्डल सोहत कान ।
मनो धस्यो हिय वर समर ड्योढ़ी लसत निसान ॥२॥

(३) डीठि न परत समान दुति कनक कनक से गात ।
भूषन कर करकस लगे परस पिछाने जात ॥३॥

ऊपर के छन्द नम्बर घ—(१) की उदाहरणों सहित व्याख्या करो ।

छन्द नं० घ-(२) के विषय की जो कथा जानते हो लिखो ।

छन्द नं० घ-(३) में जो प्रधान अलङ्कार हो उसे व्याख्या सहित समझाइये । १०

ङ—(१) जहँ जनमेजय जनक जगपति विधि
हरिहर परिहरि प्रपञ्च छलु ।
सुकृत प्रवेश करत जेहि आश्रम
विगत विषाद भये पारथ नलु ॥१॥

(२) न करु विलम्ब विचारु चारुमति
बरष पाछिले सम अगिले पलु ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मन्त्र सो जाइ जपहि जो जपतै
अजर अमर हर अचइ हलाहलु ॥२॥
(३) आश्रम वर्णन धर्म विहित जगु
लोक वेद मर्याद गई है ।
कामधेनु धरनी कलि गोमर
विवस विकल जामति न बई है ॥३॥

ऊपर के छन्द नं० ङ—(१) और (२) के विषय की जो कथाएं आप जानते हों उन्हें बहुत सङ्क्षेप से लिखें और छन्द ङ—(२) में किस मन्त्र का इशारा है।

छन्द नम्बर ङ—(३) पर अपनी राय लिखिये और जो कुछ अदूरदर्शी लोग इस समय को नष्ट कह कर अपने बालपन के समय को बहुत अच्छा कहते हैं उस पर विवेचना कीजिये। १५

च—(१) जो भीड़ आलय समीप व्रजेश के थी।
सो कातरा बहु बनी भय-कंस से थी ॥१॥
(२) सञ्चालिता विषमता करती उसे थी।
सन्ताप की विविध-संशय की दुखों की ॥२॥

ऊपर छन्द नम्बर च—(१) और (२) की कथा जानते हो तो सङ्क्षेप में लिखो और अन्वय करो। ८

२—१—प्रश्न नम्बर १ में जिन शब्दों के नीचे आड़ी रेखा खिँची है उनके शुद्ध रूप लिखिये। हिन्दी में ऐसे विकृत रूपों के प्रयोग के विषय में अपनी सम्मति कारणों सहित बतलाइये ५

२—तुलसीदास का सङ्क्षिप्त हाल लिखिये और उनकी भक्ति पर विवेचना कीजिये। १०

३—पद्मावत की कथा का सारांश बतलाइये और जायसी की सहानुभूति एवम् उदारता तथा कट्टरपन पर अपनी सम्मति लिखिये। १०

४—"शिवराजभूषण" में कवि ने जो कुछ अपने विषय में लिखा है उसका सूक्ष्म रूप में वर्णन करो और उसके निवास स्थान का ठीक पता दीजिये। ५

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

५—(क) मर्कटी किसी कहते हैं? उसके बनाने की रीति लिखिये। सात मात्राओं के सम्पूर्ण छन्दों की सङ्ख्या और सर्व कला कितनी होती हैं? इन्हें मर्कटी बना कर समझाइये। १०

(ख) मरहटा छन्द के लक्षण और उदाहरण लिखिये। ५

नोट

जो देवियाँ परीक्षा में सम्मिलित हों वे प्रश्न नम्बर १—(घ) १, २, ३ में जो कुछ पूँछा गया है उसे छोड़ दें और निम्न लिखित छन्दों के अर्थ लिखें और उन्हें समझाएँ:—

खंड परस को शोभिजै सभा मध्य को दंड।
मानहुँ शेष अशेष धर धरनहार बरिबंड॥ १॥

नवति मंच पंचालिका कर संकलित अपार।
नाचत है मनु नृपन की चित्त वृत्ति सुकुमार॥ २॥

हौं जबहीं जब पूजन जात पिता पद पावन पाप प्रनासी।
देखि फिरौं तब ही तब रावण सातौं रसातल के जे बिलासी॥
लै अपने भुज दंड अखंड करौं छिति मंडल छत्र प्रभासी।
जानै को केशव केतिक बार मैं शेष की शीशन दीन उसासी॥३॥ १०

—:o:—

साहित्य २

(परीक्षक—पं० शुकदेवविहारी मिश्र बी० ए०)

समय ३ घण्टे

१—सौन्दर्य्योपासक में ज्ञानकथन तथा स्वप्न के वर्णनों में इस ग्रन्थ के अन्य वर्णनों के देखते हुये क्या क्या गुण दोष हैं? १०

२—कथोपन्यास और कथानिकोपन्यास के लक्षण लिखिये। १०

३—विद्वत्व और कवित्व में पारस्परिक सम्बन्ध क्या है? १२

४—राजस्थान केसरी में हिन्दू और मुसलमान नागरिकों की जो बात चीत कराई गई है वह कैसी है? उत्तर सकारण हो। ५

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

५—अकबर की लम्पटता वर्णन करते हुये भी कवि ने इस भाव के पुष्टीकरण में कोई विरोधी भाव तो कहीं नहीं लिखा है ? यदि हाँ तो कहाँ ? १०

६—विदूषक सम्बन्धी वर्णन नाटकों में कैसे स्थानों पर और किस प्रकार होने चाहियें ? १०

७—"बहुत से लोग बाबू समाजदास बनने में अपनी अतुल कीर्ति समझते हैं।" उपरोक्त वाक्य की व्याख्या कीजिये। १५

८—अभेद और तद्रूप रूपकों में क्या भेद है ? ६

९—मुद्रा और काव्यलिङ्ग अलङ्कारों के लक्षण तथा एक एक उदाहरण लिखिये। १०

१०—निम्न छन्द में मुख्य अर्थालङ्कार कौन हैं ? १२

जीतन सङ्गर मैं रिपुजालन आनन माहिँ बसी ललकार है।
दीनन के हित दच्छिन बाहु बनी सुखदा सुरपादपडार॥
भाव मृगाधिप एक सही वसुधातल मैं जस को अवतार है।
है भुवपाल तुही जग मैं भुजदंडन पै तव भूतल भार है॥

—:०:—

साहित्य ३

(परीक्षक—पं० रघुवरप्रसाद द्विवेदी बी० ए०)

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क—१००

निम्न लिखित विषयों में से किसी एक पर लेख लिखिये—

(१) श्री गोसाईं तुलसीदास जी का जीवन-चरित्र और उनकी कवित्व-शक्ति।
(२) हिन्दी में उपन्यास और उनके गुण-दोष।
(३) यूरोपीय महायुद्ध।
(४) मुग़ल साम्राज्य की उन्नति और विनाश के कारण।
(५) हिन्दी भाषा की उन्नति के उपाय।

—:०:—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

साहित्य ४

(परीक्षक—बाबू श्यामसुन्दर दास बी० ए०)

समय ३ घण्टे

(१) प्राचीन नागरी अक्षरों तथा आधुनिक नागरी अक्षरों के रूपों में क्या क्या मुख्य भेद हैं और इनके प्रधान कारण क्या हैं? उदाहरण सहित इसे लिखिए। १०

(२) क्ष और ज्ञ अक्षरों के आधुनिक रूपों की उत्पत्ति किस प्रकार हुई? इनके इतिहास के विषय में जो कुछ आपको ज्ञात हो, लिखिए। १०

(३) नागरी अङ्कों में शून्य का प्रचार किस समय से हुआ? इससे पहले क्या अवस्था थी? शून्य के आविष्कार और प्रचार से संसार की ज्ञानवृद्धि में क्या सहायता पहुंची? इन विषयों पर अपने विचार लिखिए। १०

(४) किसी नाटक को अङ्कों और गर्भाङ्कों में विभक्त करने में किन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। इस सम्बन्ध में आधुनिक नाटकों की कैसी स्थिति है? १०

(५) यदि हिन्दी में वैसा ही व्याकरण बना होता जैसा कि संस्कृत में पाणिनि का है तो हिन्दी साहित्य पर उसका कैसा प्रभाव पड़ता? इस समय हिन्दी में व्याकरण शास्त्र की कैसी स्थिति है और उसका कैसा प्रभाव इस साहित्य पर पड़ रहा है? १०

(६) मिश्रबन्धुविनोद की भूमिका में ग्रन्थकर्ताओं ने इस मत की पुष्टि की है कि हिन्दी शब्दों के रूपों के लिखने में किसी जटिल और अनिवार्य नियम का पालन करना आवश्यक नहीं है। वे इस सम्बन्ध में स्वच्छन्दता के पक्षपाती हैं। उन्होंने इस मत की पुष्टि में कौन कौन से कारण बताए हैं और इनके विषय में आपकी क्या सम्मति है? १०

(७) सूर सूर तुलसी शशी, उड़गन केशवदास।
अब के कवि खद्योत सम, जहँ तहँ करत प्रकाश॥

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

इस उक्ति पर अपने विचार और सिद्धान्त सङ्क्षेप में लिखिए। तथा सूरदास, तुलसीदास और केशवदास की कविता की परस्पर तुलना कीजिए। आपकी सम्मति में इनमें किन किन बातों में समानता और किन किन में अन्तर है। अपने विचारों तथा सिद्धान्तों की पुष्टि में जहाँ तक सम्भव हो उनके ग्रन्थों से उद्धरण दीजिए। १८

(८) सतसैया के दोहरा, ज्यों नावक के तीर।
देखत में छोटो लगें, घाव करें गम्भीर॥

इस दोहे में जो बात लिखी गई है उसका स्पष्टीकरण उदाहरणों सहित कीजिए। १०

(९) हिन्दी साहित्य के इतिहास में प्रेम-कथात्मक कविताओं का क्या स्थान है। इसका आदि कवि कौन हुआ और किस सम्प्रदाय के कवियों ने इस अङ्ग की विशेष पुष्टि की, हिन्दी साहित्य के इस अंश का इतिहास सङ्क्षेप में लिखिये। १२

—:o:—

इतिहास १

(परीक्षक—पं० जनार्दन भट्ट एम० ए०)

समय ३ घण्टे

कोई आठ प्रश्न करने से पूरे अङ्क मिल सकते हैं। पूर्णाङ्क १००

१—भारतवर्ष के प्राचीन इतिहास की सामग्री विस्तारपूर्वक लिखिये।

२—"धर्म्म" शब्द की व्याख्या करिये और इसके मूलतत्व अशोक के शब्दों में लिखिये। अशोक ने भारतवर्ष में और भारतवर्ष से अन्यत्र किन किन देशों में "धर्म्म" का प्रचार करने के लिये किन किन उपायों का अवलम्बन किया?

३—"गुप्त वंश के राजाओं का समय संस्कृत-भाषा और हिन्दू धर्म के पुनर्जन्म का समय था"—इस कथन को प्रमाणित करिये।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

४—ईसा की ७ वीं शताब्दी में कौन सा बौद्ध यात्री भारतवर्ष में आया और उसने भारतवर्ष के बारे में क्या लिखा ?

५—गुलाम घराने का सिलसिलेवार इतिहास—उदय से अन्त तक—सङ्क्षेप में लिखिये।

६—अकबर की तुलना औरङ्गज़ेब से करिये और यह लिखिये कि मुग़ल साम्राज्य के अधःपतन के कौन कौन से कारण थे।

७—डूप्ले का सङ्क्षिप्त जीवनवृत्तान्त लिखिये और यह बतलाइये कि उसका राजनैतिक उद्देश्य क्या था और किन किन कारणों से वह अपने उद्देश्य में असफल हुआ।

८—लार्ड रिपन ने राज्य में कौन से सुधार किये और उनका प्रभाव भारतवर्ष में क्या पड़ा ?

९—(१) रेग्युलेटिङ्ग ऐक्ट (Regulating act) (२) इस्तमरारी बन्दोबस्त (Permanent Settlement) (३) सब्सिडियरी सिस्टम (Subsidiary system) (४) डाक्ट्रिन ऑफ लैप्स (Doctrine of lapse) (५) महारानी विक्टोरिया का घोषणापत्र

इन पर छोटे छोटे लेख लिखिये।

१०—(१) कौटिल्य अर्थशास्त्र (२) पुष्पमित्र (३) समुद्रगुप्त (४) मिहिरगुल (५) अबुल फ़ज़ल (६) अहमदशाह अबदाली (७) नन्दकुमार (८) क्लाइव

इन पर सङ्क्षिप्त नोट लिखिये।

—:o:—

इतिहास २

(परीक्षक—बाबू पुरुषोत्तमदास टण्डन एम. ए.)

समय ३ घण्टे

[पहिले प्रश्न का उत्तर देना आवश्यक है। उसके लिये १६ अंक हैं। शेष प्रश्नों में से किन्हीं सात प्रश्नों का उत्तर देना चाहिए, प्रत्येक में १२ अंक हैं।]

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

१. अङ्गलदेश (इङ्गलैण्ड) के इतिहास में क्रम क्रम से प्रजामत ने जिस प्रकार बल पकड़ा और अपने लिये सामयिक शासकों से स्वत्व निश्चित कराये उसका संक्षिप्त विवरण मुख्य घटनाओं और कारणों सहित लिखिए।

२. जिन कारणों से तृतीय विलियम को अङ्गल देश का राज्य मिला उनका विवरण लिखिए।

३. प्राचीन यूनान देश का भूगोल सम्बन्धी कुछ हाल लिखिए। प्राचीन काल में उस देश में एकता के भाव के प्रचार में विरोधी कारण क्या थे और सहायक कारण क्या थे ?

४. "मनुष्यों के परस्पर मेल जोल से रहने में उन्नति, एकता की वृद्धि, तथा जातिभेद वा देशभेद वाले भावों में कमी को स्थूलतः 'सभ्यता' कहते हैं"। यदि इतनी ही परिभाषा पूर्ण और ठीक मान ली जाय तो बताइये कि भारतवर्ष में सभ्यता के बढ़ने अथवा घटने का क्या क्रम रहा है।

५. रोमन सम्राट् कंसटएटैन (Constantine) का कुछ हाल लिखिए।

६. "माध्यमिक काल में युरोपीय सभ्यता के गुरु मुसलमान ही थे"। इसकी व्याख्या कीजिए।

७. युरोपीय इतिहास में किस समय को "परिवर्त्तन काल" कहा है और क्यों ?

८. विस्टफ़ालिया (Westphalia) की सन्धि का जर्मन और ब्रिटन देशों पर क्या परिणाम हुआ ?

९. फ्रेञ्च सम्राट तृतीय नैपोलियन का कुछ हाल लिखिए। जर्मनी के साथ फ्रांस का जो युद्ध संवत् १९२७–२८ में हुआ उसके लिये वह कहां तक उत्तरदाता था ?

१०. निम्न लिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए।
(क) धर्मपरीक्षा (ख) बल-साम्य (ग) यीशुविद (घ) समष्टि-वाद।

११. इतिहास किन सामग्रियों से निर्माण किया जाता है ?

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

१२. "इस समय [अर्थात् प्राचीन हिन्दू लोगों के समय] तुमुल युद्ध बड़ी राज्य क्रान्ति आदि जो इतिहास की सामग्री हैं उनका अभाव होने के कारण इतिहास लिख रखने की प्रथा यहाँ प्रचलित नहीं हो सकी होगी।" इस वाक्य पर अपनी स्वतन्त्र टिप्पणी लिखिए।

—:o:—

गणित

(परीक्षक—पं० कमलाकर द्विवेदी, एम. ए.)

समय ३ घण्टे

(पूर्णाङ्क १००)

१. सिद्ध कीजिए –अ × –ब = +अ. ब. और अ × ब = ब × अ, अ और ब का चाहे जो धनात्मक मान हो। ५

२. (अ) क^{४} + ६४ के खण्ड कीजिये।

(ब) अ + ब$\sqrt{-१}$ का वर्गमूल निकालिये।

३. एक इञ्जिन बिना गाड़ी के २४ मील एक घण्टे में जा सकता है और यदि उसमें कुछ गाड़ियाँ लगा दी जायँ तो उसकी गति कम हो जाती है। इस कमी की मात्रा का चलन गाड़ियों की संख्या के वर्गमूल पर निर्भर है अर्थात् इस कमी की मात्रा और गाड़ियों की संख्या के वर्गमूल की निष्पत्ति कोई स्थिर संख्या होती है। चार गाड़ियों के साथ इञ्जिन की गति २० मील प्रति घण्टे की होती है। यह बतलाइये कि वह इञ्जिन अधिक से अधिक कितनी गाड़ियों को खींच सकता है। १०

४. निम्नलिखित पदों का वर्गमूल निकालिये

(अ) २४$\sqrt{-१}$ –७ ४

(ब) २४ $\sqrt{(२ + \sqrt{३})}$ ४

५. किसी त्रिभुज में एक सम त्रिकोण बनाइये जिसके शिरःकोण त्रिभुज की भुजाओं में हों। ८

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

६. एक ऐसा वृत्त खींचिये जो दो निर्दिष्ट सरल रेखा को स्पर्श करै। ८

७. (अ) किसी त्रिभुज में एक वर्ग बनाइये। ८

(ब) किसी त्रिभुज का आधार दिया हुआ है और उसका शिरःकोण भी ज्ञात है तो उसके अन्तर्गत वृत्त के केन्द्र का क्या मार्ग होगा? ८

८. (अ) चक्रीय माप किसको कहते हैं? २

यदि य किसी कोण का चक्रीय माप है तो सिद्ध कीजिये स्प य > य > ज्या य। ३

(ब) सिद्ध कीजिये

$$\frac{\text{ज्या}^3 \text{य} - \text{को ज्या}^3 \text{य}}{2 + \text{ज्या } 2 \text{ य}} = \frac{1}{\sqrt{2}} \text{ ज्या} \left(\text{य} - \frac{\pi}{4}\right)$$ ५

और

$$\frac{\text{ज्या}\frac{5\pi}{12}}{\text{ज्या}\frac{\pi}{12}} - \frac{\text{को ज्या}\frac{5\pi}{12}}{\text{को ज्या}\frac{\pi}{12}} = 2\sqrt{3}$$ ५

९. किसी त्रिभुज अ ब स में सिद्ध कीजिये

$$\text{ज्या अ. ज्या ब. ज्या स} = \frac{\triangle}{2\text{र}}$$

जिसमें △ त्रिभुज का क्षेत्रफल है और र त्रिभुज के बहिर्गत वृत्त का व्यासार्द्ध है। १०

१०. एक बुर्ज और उस पर एक गुम्बज़ समतल भूमि में एक बिन्दु पर जिसकी दूरी बुर्ज से अ है तुल्य कोण बनाते हैं। यदि च बुर्ज की उँचाई हो तो सिद्ध कीजिये कि गुम्बज़ की उँचाई $\text{च}.\frac{\text{अ}^2 + \text{च}^2}{\text{अ}^2 - \text{च}^2}$ के तुल्य होगी।

—:०:—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दर्शन

(परीक्षक—प्रो० दीवानचन्दजी एम. ए.)

समय ३ घण्टे

१. प्रकृति, पुरुष और परमात्मा के स्वरूप और उनके परस्पर सम्बन्ध की बाबत श्वेताश्वतर उपनिषद् क्या शिक्षा देता है ? १०
२. इसी उपनिषद् के अनुसार ध्यान और समाधि का स्वरूप और फल लिखिये । १०
३. गीता में परमात्मा के स्वरूप की बाबत क्या बताया गया है ? १०
४. कृष्ण के उपदेश का सारांश क्या है ? १०
५. तर्कशास्त्र के लक्षण और विषय पर लिखिये ।
   इस शास्त्र के अंग कौन कौन से हैं ? १०
६. न्याय के नियम क्या हैं ?
   किसी न्याय के वाक्यों और उनके अंगों के नाम लिखिये । १०
७. आचार के सम्बन्ध में सुक़रात ने क्या शिक्षा दी है ? उसके शिष्यों ने उसे कैसे समझा ? १५
८. डेकार्ट ने जीवात्मा, ईश्वर और संसार को कैसे सिद्ध किया है ? १५
९. ह्यूम के सिद्धान्त का सार लिखिये । १०

—:०:—

विज्ञान

(परीक्षक—पं० नन्दकुमार तिवारी, बी. एस. सी. और पं० लक्ष्मीनारायण नागर बी. ए., एल. एल. बी.)

समय ३ घण्टे

द्रष्टव्य—विज्ञान में (१) वनस्पति, (२) रसायन, (३) भौतिक इन तीनों विभागों के प्रश्न नीचे अलग अलग दिये जाते हैं। प्रत्येक विभाग से अधिक से अधिक तीन ही प्रश्नों के उत्तर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

देने होंगे। परन्तु सब मिला कर आठ प्रश्नों से अधिक न किये जायँ। अङ्क सबके बराबर हैं। वनस्पति विभाग के प्रश्नों के उत्तर एक कापी में और रसायन तथा भौतिक विभाग के उत्तर दूसरी कापी में लिखने होंगे। चित्रित और सुस्पष्ट उत्तरों के लिए अच्छे अंक दिये जायँगे। पूर्णाङ्क १००।

वनस्पति विभाग

१—जीवित और अजीवित पदार्थों में क्या अन्तर है? इनको पूर्ण रूप से उदाहरण सहित लिखिये, वृक्षों को इनमें से किस श्रेणी में रक्खेंगे और क्यों?

२—बीज क्या है और उसका क्या उद्देश्य है? किसी बीज का जिसका आपने परीक्षण किया हो विवरण लिखिये और साथ ही साथ यह बतलाइये कि एकपत्रक और द्विपत्रक बीजों में क्या भेद है?

या

किसी द्विपत्रक बीज के भागों का पूरा पूरा बयान लिखिये और उद्भेद के समय से बीजांकुर पौदा बन जाने तक जो जो परिवर्तन इन भागों में होते हैं बतलाइये।

३—तना किसको कहते हैं? वायव्य और भौमिक तनों में क्या अन्तर है? प्रत्येक का उदाहरण दीजिये।

४—जड़ से पेड़ों को जो लाभ पहुंचते हैं लिखिये, जड़ और तने में क्या भेद है? अगर एक जड़ और भौमिक तना दिया जाय तो उनका ठीक ठीक ज्ञान आप कैसे करेंगे?

या

किसी प्रामाणिक परिपूर्ण पत्ती के भागों के नाम और उनमें से हर एक का थोड़ा थोड़ा वर्णन लिखिये। साधारण और संयुक्त पत्ती में कौन सा मुख्य भेद है?

५—किसी पुष्प का वर्णन कीजिए और उसके भागों का पूरा पूरा हाल लिखिए।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

६—सेचन किसको कहते हैं ? आत्मसेचन और परसेचन में क्या भेद है ? इनमें से जो कम लाभकारी है उसको रोकने के लिए प्रकृति कौन कौन से उपाय करती है ? इनका पूरा हाल लिखिये।

रसायन विभाग

७—(क) ३२ तोले पारे को ६२ तोले गंधक के साथ तेज़ आँच देते हैं। यदि ऐसा प्रबन्ध किया जाय कि मिश्रण का कोई अंश इस प्रक्रिया में नष्ट न हो, तो कितना गंधक वा पारा बिना यौगिक बने बच जायगा ?

(ख) दोनों के संयोग से जो पदार्थ बनेगा उसका साङ्केतिक चिह्न, नाम और गुण लिखिये, तथा प्रक्रिया का समीकरण लिखकर उसे समझाइये।

८—गंधक को आँच देने से उसमें कितनी कितनी आँच पर क्या क्या परिवर्त्तन दीखते हैं, विस्तार से लिखिये। गंधक के कितने प्राकृतिक रूपान्तर होते हैं ?

९—गंधक का तेज़ाब कैसे बनाया जाता है ? सङ्क्षिप्त वर्णन, समीकरणों के साथ लिखिये।

१०—हवाई जहाज़ के एक गुबारे में ३५° श और ७४१ मि. मि. वायु भार पर भरने के लिए ५,००० लीटर उज्जन चाहिए। जस्ते का पारमाणविक गुरुत्व ६५ हो तो कितने ग्राम जस्ता लगेगा ?

११—व्यापार के लिए विरंजन चूर्ण कैसे बनता है ? यदि हम थोड़ा सा बनाना चाहें तो क्या क्या उपकरण चाहियें ? समीकरण लिखिये और यह बतलाइये कि हरिण बनाने का आज कल सब से सुलभ और लाभकारी उपाय क्या समझा जाता है।

भौतिक विभाग

१२—बिजली उत्पादन-दृष्टि से कितने तरह की होती है और किस किस रीति से उत्पन्न की जाती है। सब के एक एक उदाहरण दीजिए। क्या चुम्बक से उससे कोई सम्बन्ध है; यदि हो तो स्पष्ट समझाइये।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

१३—एक चाँदी के पदक पर सोना इस प्रकार चढ़ाना है कि एक ही ओर स्वर्ण-वेष्ठित हो और दूसरी ओर चाँदी ज्यों की त्यों झलके। किन वैद्युत उपायों से यह क्रिया सम्भव होगी। विस्तार से उपकरणों और क्रियाओं का वर्णन कीजिए। समीकरण भी दीजिये।

१४—तार द्वारा समाचार भेजना किन सिद्धान्तों पर निर्भर है। सङ्क्षेप से वर्णन कीजिए। क्या टेलिफ़ोन से उससे कोई समानता है। टेलिफ़ोन के सिद्धान्त क्या हैं?

१५—बिजली कैसी कैसी दशाओं में ताप में वा प्रकाश में बदल जाती है? उन दशाओं का वर्णन कीजिए और उदाहरण दीजिए। क्या ताप को भी बिजली में बदल सकते हैं?

—:o:—

धर्मशास्त्र

(परीक्षक—पं० श्रीकृष्ण जोशी)

समय ३ घण्टे

१—नीचे के शब्दों का मनुस्मृति में क्या अर्थ लिखा है?:—
'ब्रह्मर्षिदेश', 'मध्यदेश', 'व्रात्य', 'आचार्य्य', 'उपाध्याय', 'दैव विवाह', 'आर्ष विवाह', 'परिवेत्ता', 'पञ्च महायज्ञ', 'पङ्क्ति पावन'। २०

२—प्रणव, व्याहृति, गायत्री, प्राणायाम और सन्ध्यावन्दन के विषय में मनुस्मृति में क्या लिखा है? १०

३—विवाह किस कुल की और कैसी कन्या से करना लिखा है और किन कुलों की और कैसी कन्याओं का निषेध किया है? १०

४—राष्ट्ररक्षा का विधान और रक्षकों की जीविका के विषय में क्या नियम लिखे हैं? १०

५—शत्रु के राज्य पर चढ़ाई और लड़ाई किस विधि और किस नीति से करना लिखा है? १५

६—शान्ति पर्व में ऐल-काश्यप और कुबेर मुचकुंद के सम्वादों

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

में राजा और पुरोहित के विषय में जो लिखा है उसका सारांश क्या है ? १०

७—शील का लक्षण और उसकी प्राप्ति के उपाय के विषय में राजा युधिष्ठिर के प्रश्न के उत्तर में भीष्म पितामह ने धृत-राष्ट्र-दुर्योधन का सम्वाद और उसके अन्तर्गत ब्राह्मण-वेषधारी इन्द्र और प्रह्लाद की जो कथा कही वे क्या हैं और उस कथा का सारभूत शील विषयक प्रश्न का उत्तर क्या है ? १५

८—भीष्म पितामह ने राजा युधिष्ठिर को गौतमी, व्याध, सर्प-मृत्यु, और काल का जो इतिहास सुनाया वह सङ्क्षेप में क्या है और किस अवसर पर किस प्रयोजन से सुनाया ? १०

—:o:—

अर्थशास्त्र

(परीक्षक—अध्यापक बालकृष्ण एम० ए०)

समय ३ घण्टे

१—समष्टिवाद के भिन्न स्वरूप, प्रत्येक के दोष और सामाजिक उन्नति में प्रत्येक का कार्य्य समझा दो । १५

२—(क) उन आर्थिक शक्तियों या प्रवृत्तियों का वर्णन करो जिनसे एंजल महाशय सैन्य बल को व्यर्थ ही सिद्ध करते हैं । ८

(ख) बहुत से लोगों का कहना है कि एंजल की फिलासोफ़ी को आज कल की योरुपीन युद्ध ने अशुद्ध कर दिखाया है । इस कथन की टीका कीजिए । ७

३—राष्ट्र को एक व्यक्ति से उपमा किन कारणों से देनी चाहिए और किन कारणों से नहीं ? एंजल की सम्मति दीजिए । १०

४—(क) मिश्रित पूंजीवाली मण्डलियों की कठिनाइयाँ, लाभ और भारतवर्ष में उनकी उन्नति की मात्रा दिखाइये । १०

(ख) बड़ी मात्रा की उत्पत्ति भारत में होनी चाहिये या छोटी की ? १०

५—क्या राज को उत्पत्ति का साधन कहना चाहिये ? हाँ और ना के कारण लिखिये । ८

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

६—(क) विदेशी व्यापार के हानि लाभ लिखिये। आज कल की भारतीय दशा से उदाहरण भी दीजिए। ७

(ख) क्रमागत ह्रास नियम का प्रयोग भूमि और व्यवसाय में सिद्ध कीजिए। १०

७—युक्त प्रान्त अमेरिका और भारत की आर्थिक सम्पत्ति में भेद किन कारणों से है ? १५

—:०:—

ज्योतिष

(परीक्षक—ज्योतिषभूषण पं० इन्द्रनारायण द्विवेदी)

समय तीन घण्टे

स्वच्छ एवं सुवाच्य लेख के लिये १० अङ्क

(१) सूर्यसिद्धान्तानुसार, उसका मूल रचयिता कौन है और उस का संसार में प्रचार किसके द्वारा हुआ ? ५

(२) सूर्यसिद्धान्त में फलित की कहीं चर्चा है या नहीं, यदि है तो किस प्रङ्ग से ? १०

(३) सूर्यसिद्धान्त में सात (सूर्यादि) वारों का अस्तित्व पाया जाता है या नहीं ? ५

(४) सूर्यसिद्धान्तानुसार सूर्य पृथ्वी की परिक्रमा करता है कि पृथ्वी सूर्य की ? १०

(५) सूर्यसिद्धान्तानुसार पञ्चाङ्ग की रचना चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से की जाती है कि मेषसङ्क्राति से ? १०

(६) पञ्चाङ्ग किन पाँच वस्तुओं को कहते हैं और उनके बनाने की रीति क्या है ? १५

(७) सूर्यसिद्धान्त की ग्रहगणना में उनकी सङ्ख्या ७ है या ९ ? २

(८) सूर्यसिद्धान्त में अनुष्टुप्छन्द के श्लोकों के अतिरिक्त कोई दूसरा छन्द भी है यदि है, तो उसकी सङ्ख्या क्या है ? ३

(९) क्रान्तिमण्डल और राशिचक्र की परिभाषा क्या है ? ५

(१०) मण्डलाकार सूर्य ग्रहण क्यों होता है और उसकी प्रशंसा क्या है ? [illegible]

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(११) यदि दो मील का एक कोश मानें तो सूर्यसिद्धान्तीय भूव्यास और आधुनिक विषुवत् सम्बन्धी भूव्यास में कितने कोशों का अन्तर आता है ? १०

(१२) देशान्तर जानने के लिये सूर्यसिद्धान्तानुसार और यूरोपीय विद्वानों के मत से भूमध्यरेखा के स्थान कौन हैं ? दोनों में कितने अंश का अन्तर है ? १०

—:o:—

वैद्यक

(परीक्षक—पं० जगन्नाथप्रसाद शुक्ल वैद्यपञ्चानन)

समय ३ घण्टे

सब प्रश्नों के अङ्क समान हैं। पूर्णाङ्क—१००

१—निरोगी मनुष्य की पाचनक्रिया का वर्णन करें और यह भी बतलावें कि पाचनक्रिया में अन्तर पड़ने के मुख्य कौन कौन से कारण हैं।

२—ब्रह्मचर्य का प्रभाव और उसके गुणों का वर्णन करें तथा व्यायाम का हमारे शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है, यह भी अलग अलग बतावें।

३—रस कितने हैं, क्या ऋतु भेद से रसों का विचार कर हमें अपने आहार के पदार्थों में परिवर्तन करना आवश्यक है ? यदि है तो अलग अलग ऋतु और रसभेद के अनुसार वर्णन कर बतलावें।

४—मनुष्य को निद्रा की आवश्यकता क्यों है, अच्छी निद्रा न आने के क्या कारण हैं, जिन्हें अच्छी निद्रा न आती हो उन्हें क्या उपाय करना चाहिए ?

५—हंसोदक, सत्तू, भैंस का दूध, शहद, नींबू और सैंधवनमक के सङ्क्षिप्त गुण बतलावें।

६—विष खाने वाले मनुष्य की पहचान क्या है, किसी द्रव आहार द्रव्य में विष मिलाया गया है इसे आप कैसे जानेंगे ? यदि कोई मनुष्य विष मिला पदार्थ खा गया हो तो किसी चतुर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

वैद्य अथवा डाक्टर के आने के पहले आप उसकी प्रारम्भिक चिकित्सा कैसे करगे ?

७—यदि सेवासमिति के कुछ सदस्यों को रास्ते में तीन ऐसे पीड़ित मनुष्य मिलें जिनमें एक पानी में डूबा हुआ बेहोश निकाला गया हो, दूसरा पेड़ से गिर पड़ा हो और उसकी खोपड़ी में घाव हो गया हो और तीसरे को साँप ने काट लिया हो, विशेषता यह कि आसपास पाँच मील तक कोई प्रवीण वैद्य अथवा डाक्टर न हो तो उन सदस्यों को ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिये ?

८—रोगी की सेवा और देख रेख रखनेवाले परिचारक अथवा परिचारिका में कौन कौन से गुण होने चाहियें और उससे वैद्य को किन किन विषयों में सहायता मिल सकती है ? यह भी बतलावें कि रोगी के खान पान वस्त्र परिच्छेद और रहने की जगह के सम्बन्ध में परिचारिक के क्या कर्तव्य हैं ?

—:०:—

संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद

(परीक्षक—पं० चन्द्रमौलि शुक्ल एम. ए.)

समय ३ घण्टे

निम्न लिखित गद्य पद्य का अनुवाद सरल हिन्दी में कीजिये ।

(अङ्क—१००)

आसीदयोध्यायां पुरि भूरिवसुर्नाम वणिक् । तस्य प्रचुरवसुर्नाम पुत्र बभूव । स च पितर्य्युपरते लब्धपितृविभवः पितृपरिजनवृद्धान् पृच्छति स्म । रे वृद्धाः कथयत मम पिता केनोपायेन धनमेतावद-र्जिवान् । वृद्धा ऊचुः । वणिज्यया केवलम् । तथाहि—

वृद्धोपदेशतो ज्ञानं प्रतिष्ठा राजसेवया ।
यशः पुण्यं च दानेन द्रविणं तु वणिज्यया ॥

प्रचुरवसुरुवाच । कीदृशी सा वणिज्या । वृद्धा ऊचुः । साधो, पिता तव गौड़े क्रीतं वस्तु गज्जने विक्रीय गज्जने क्रीतं गौड़े विक्रीय यदा यत्र सुलभं तदा तत्र तत् क्रीणाति महर्घं विक्रीणीते । तथाहि—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

देशाद्देशान्तरं नीतं कालात् कालान्तरं तथा ।
वस्तुमूल्यविभेदेन वणिजो लाभमादिशेत् ॥
पतिभक्ता न या नारी व्यवसायी न यः पुमान् ।
तावुभावपि लीयेते वृष्टिपाषाणखंडवत् ॥

ततो भवानपि व्यवसायं कर्त्तुमर्हति । पुरुषो व्यवसायं विना लक्षेश्वरोऽपि लक्ष्म्या परिहीयते । ततः स वणिक्पुत्रश्चिन्तयामास । यत् कोटिसंख्यं मम वित्तं विद्यते तन्मध्ये लक्षक्रीतं वस्तु देशाद्देशान्तरं नीतं दशगुणं भविता । भाव्यमानायां धनवृद्धौ का चिन्ता । दशभिरेव लक्षैः पुनः कोटिमुत्पादयिष्यामि । संप्रति तु दशलक्षपरिशिष्टधनव्ययं कुर्वन् यौवनोचितं सुखमनुभवामि । यतः—

अर्था भवंति गच्छन्ति लभ्यन्ते च पुनः पुनः ।
पुनः कदापि नायाति गतं तु नवयौवनम् ॥

परिजनास्तं तुष्टुवुः । साधु वणिक्पुत्र साधु । पिता तव कृपण आसीत् धनोपार्जनायासमात्रपात्रं बभूव । धनं तु त्वया भोक्तव्यम् । ततस्तेषां वचनेन जातरभसः स मूढः सर्वस्वव्ययमंगीचकार । यतः—

धनं यस्य व्यथा तस्य व्यय व्यसनकर्मणि ।
भोक्तॄणां पुनरन्येषां कुतः पीडा धनव्यये ॥

अपि च ।

आसादयंति खादंति यावत्स्वामिधनं नराः ।
तावदेव स्तुवंत्येनं क्षीणवित्तं त्यजंति च ॥

इत्युदर्कमपरामृशन्नेव स युवा स्रक्चंदनवनितातांम्बूलादीनामुपयोगेन सर्वं धनमुत्सन्नमकरोत् । परिशिष्टे दशलक्षेऽपि पूर्वेणैव परामर्षेण लक्षमेकं धृत्वा नव लक्षाणि वियोजयामास । पश्चाद्दशममपि लक्षं चखाद । तथाहि—

क्षीयते निःस्रवे कूपे जनोद्धृतजले जलम् ।
निरुपाये तथा गेहे क्षीणं भवति वैभवम् ॥

ततः क्षीणे सर्वधने वणिक्पुत्रः सर्वोपायासमर्थोऽवसादमाससाद । श्लोकः—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

वित्तं विना बुद्धिविवेकहीनः पूर्वानुगत्या बहुलव्ययश्च।
लक्षेश्वरो निर्धनतामुपेतः कमप्युपायं लमते न कर्त्तुम्॥
इति मूढकथा।

—:o:—

अङ्गरेज़ीसे हिन्दी में अनुवाद

(परीक्षक—पं० मोहन लाल मिश्र)

समय ३ घण्टे

हिन्दी में अनुवाद कीजिये :—

Use and assert your own reason: reflect, examine and analyze everything, in order to form a sound and mature judgment: let no *ipse dixit* impose upon your understanding, mislead your actions or dictate your conversation. Be early, what if you are not, you will, when too late, wish you had been. Consult your reason betimes; I do not say that it will always prove an unerring guide, for human reason is not infallible; but it will prove the least erring guide that you can follow. Books and conversation may assist it, but adopt neither blindly nor implicitly, try both by that best rule which God has given to direct us—reason. Of all the troubles, do not decline as many people do, that of thinking. The herd of mankind can hardly be said to think; their notions are almost all adoptive: and, in general, I believe it is better that it should be so; as such common prejudices contribute more to order and quiet than their own separate reasonings would do, uncultivated and unimproved as they are. ४०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

In general, however, the penal law must content itself with keeping men from doing positive harm, and must leave to public opinion, and to the teachers of morality and religion the office of furnishing men with motives for doing positive good. It is evident that to attempt to punish men by law for not rendering to others all the services which it is their duty to render to others, would be preposterous. We must grant impunity to the vast majority of these omissions which a benevolent morality would pronounce reprehensible, and must content ourselves with punishing such omissions only when they are distinguished from the rest by some circumstances which mark them out as peculiarly fit objects of penal legislation. ३०

It is not ignoble to feel that the fuller life which a sad experience has brought us is worth our own personal share of pain; surely it is not possible to feel otherwise, any more than it would be possible for a man with cataract to regret the painful process by which his dim blurred sight of men as trees walking had been exchanged for clear outline and effulgent day. The growth of higher feeling within us is like the growth of faculty, bringing with it a sense of added strength: we can no more wish to return to a narrower sympathy, than a painter or a musician can wish to return to his cruder manner, or a philosopher to his less complete formula. ३०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उत्तमा परीक्षा सं० १९७३

हिन्दी साहित्य

साहित्य १

(परीक्षक—बाबू श्यामसुन्दर दास बी० ए०)

समय ३ घण्टे

१—नीचे लिखे छन्दों का अन्वय और अर्थ स्पष्ट लिखो और यह भी बताओ कि वे किस वर्णन में किस अवसर पर किस के द्वारा कहे गये हैं—

(क) चढ़त नदी जिम मेह, नेह नवला जुव्वनागम।
सिद्ध छाह दिन चढ़त, सुगुरु सिष्षक विद्या क्रम।
सस्त्र ओप ज्यौं भरनि, लच्छि व्यापारह वढ्ढत।
बढ़त भट्ट गज वंस, वेलि द्रुम सीसह चढ्ढत।
जिम सरद रयनि सुद पष्ष तिथि, वढ़त कला
ससि तस गमत।
चहुआन सूर सोमेस सुअ, इम सुदसा दिन दिन जमत॥ १२

(ख) लोहानो आजान, बाँह लम्बी पस्सारै।
लम्बी बाँह पसारि, तेग लम्बी उब्भारै।
उब्भारै विस्भार, बीर वाहै वढ्ढाली।
अढ्ढाली अरि वढ्ढि, कंध सोहै सुढ्ढाली।
सुढ्ढाल कंध विव खंड हुअ, विधि ओपम कवि चंद कहि।
आवृत्त धत्त आजान भुअ, मनु कजल कोट की
विज्ज लहि॥ १०

(ग) जिहि पुर गवन न होइ, ताहि कोइ पंथ न बुझ्झै।
जिहाँ दिष्ट नह भिदै, तहाँ कैसैं करि सुझ्झै।
जो श्रुवनन नह सुनी, कहौ कैसी परि कहियै।
जाके देह न होइ, ताहि कैसै कै गहियै।
इह कथ असम अद्भूत अति, हठ निग्रह सुत जिन करै।
सुनत ही श्रवन दुख उप्पजै, सिद्ध न कोइ कारज सिरै॥ ८

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(घ) मुक्ताहार विहार सार सुबुधा, अब्धा बुधा गोपिनी।
सेतं चौर सरीर नीर गहिरा, गौरी गिरा जोगिनी।
बीना पानि सुबानि जानि दधिजा, हंसा रसा आसिनी।
लंबोजा चिहुरार भार जघना, विघ्ना घना नासिनी॥ १०

(ङ) रची सुखधाम सभा नृप राम,
लसैं भट पंकति दक्खिन वाम।
रजैं कवि पंडित सम्मुख सर्व,
तजैं गुरु काव्य जिन्है लखि गर्व।
खसैं हरि आसन उप्पर भूप,
ढरैं व्यजनावलि सीस स्वरूप।
ढुरैं सिर चौर दुइघाँ अवघात,
मनों सिव सेखर गङ्ग प्रपात॥ ८

२—(क) ऊपर के पाँचों छन्दों में जहाँ जहाँ अलङ्कारों का प्रयोग हुआ हो उनका स्पष्टीकरण करो और उनके नाम बताओ। १५

(ख) ऊपर के छन्दों में आए हुए निम्न लिखित शब्दों की पूरी व्युत्पत्ति लिखोः— १०

जुवनागम, सुद, सुभ्र, पस्सारै
उझ्झारै, विव, सेत, इह, जिन, वड्ढि।

(ग) छन्द (ग) में "हठ निग्रह सुत जिन करै" से किस हठ का तात्पर्य है। वह हठ किसने किससे किया। ३

(घ) छन्द (ख) की छन्दोशास्त्र के अनुसार परीक्षा करो और उसका गण तथा मात्रा विभाग स्पष्ट लिखो। ७

३—चन्द कवि का सङ्क्षिप्त वृत्तान्त लिखो और पृथ्वीराज रासो की भाषा का वर्णन लिख कर उसके गुण या दोषों का अपनी बुद्धि के अनुसार उल्लेख करो। ७

४—पृथ्वीराज रासो के निम्न लिखित दोहों की व्याख्या करो और यह बतलाओ कि इनके द्वारा कहाँ तक और क्या सहायता इस ग्रन्थ की प्रामाणिकता को पहुँचती है। १०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

एकादस सैं पंचदह, क्रिम साक अनन्द।
तिहि रिपुजय पुर दहन को, भय प्रिथिराज नरिन्द ॥
एकादस सैं पंचदह, विक्रम जिमि ध्रम सुत्त।
त्रितिय साक प्रथिराज को, लिष्यो विप्र गुन गुप्त ॥

—:o:—

साहित्य २

(परीक्षक—बाबू रामदास गौड़, एम० ए०)

समय ३ घण्टे

सूचना—केवल १०० अङ्क के प्रश्न करने आवश्यक हैं।

१—(क) तमने काका जीवं के दुवा की आरामं चत्रो। जीन के रीजं में रोकड़ रुपीआ ५०००) तुमरे श्रौ। हाती गोड़े का षरचा सीवाश्र आवेंगे षजानं से। इनं को कोई माफ करेंगे जीनको नरक के अधंकारी होवेंगे! सई दुवे हुकम के हडमंत राश्र। ८

(ख) "तब हुरम कह्या उसका नाम तो मैं जानती हूँ। उसका ये सुभाव है। सो ताता षाणा तो षाता नहीं है और उकड़ू बैठता नहीं है। इस बात का मयाना ये है। जो पतिसाहि सलामति रसाले का लोग सारे ही यहाँ जिमावो। वै सकस आपै नजरि आवैगा। तब पतिसाहि रसाले का लोग सब ही कौ जिमावणे की तयारी कराई। अर पाणी ढोलिया। अर सकल कौ ताता पुलाव पुरसाया सो सारा ही जीम्या। पातसाह हुरम दोउ गोषडे के बीच बैठे देखते हैं।"

(ग) इतने में नारायणदास के घरते पाँच हजार रुपैयान की थैली आई, सो द्वारपालन ने मौहर छापि करिके नारायणदास के पास पठाई। विन ने पाँचौ थैली उन दोऊ भाईन कौ सोंपि दीनी और दंडौत कीनी और कह्यो जो अब तुम बेगि पधारौ और श्री आचार्य्य जी महा प्रभून कौं मेरी दंडौत करियौ। दोऊ भाई विदा होयकै

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चले। इतने में पात्साह बोल्यो जो पाँचौ थैली नारायण वारी लावौ।

चश्रो, रीजं, उक्कडू, ताता मयाना, ढोलिया, पुलाव, गोषड़े, विनने, जो, धारी, इन शब्दों की व्याख्या करते हुए लिखिए कि इनमें कौन कौन प्रान्तीय और कौन व्यापक हैं और उनके प्रकृत रूप क्या हैं। ६

(क), (ख) और (ग) में परस्पर तुलना करके विभक्तियों के विशेष भेद दिखलाइये और बोली के रूप पर विचार करके इन वाक्यों के लिखने वालों के प्रान्त का अनुमान कीजिए और अपनी धारणा के कारण लिखिए। ८

२—(क) "सुगल तुम जाय नारिन को आश्वासन करि भुज भूपन के कर वासविकी पारलौकिकी क्रिया कराय के आवौ। डील धराधर तुमहू जाउ जब कृत्य करि चुकैं तव सुगल को राज तिलक करि भुजभूषन कों युवराज करि लिवाये लिये आइवो।"

(ख) "रोते रोते उसकी आखें सूज गई होंगी और तत्ती स्वास लेते लेते होठों का रंग फीका पड़ गया होगा, खुले बालों में हाथ पै रक्खा हुआ उसका मुख ऐसा छबि छीन दीखता होगा जैसे घटा में मलीन चन्द्रमा।"

(ग) "वह पहले तो यह झूठ सुनते ही भैचक सा रह गया लेकिन फिर जो दिल में उसके जोश आया तो चाहा कि उस लड़की पर हल्ला करे और जब अर्दली के सिपाहियों ने उसे रोका तो जेब से छुरी निकाल कर अपनी ही छाती में मारी।"

(घ) "तिस बिरियां हाथ बढ़ाये थे तो हाथ पसारे खड़ी रह गई ऐसे कि जैसे घन से मान कर दामिन बिछुर रही हो कै चन्द्र से चन्द्रिका रूप पीछे रह गई कहो और गोरे तन की जोति छूटि छिति पर छाय यों छबि दे

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रही थी कि मानो सुन्दर कंचन की भूमि पै खड़ी है नयनों से जल की धार बह रही है और सुवास के बस जे मुख पास भँवर आय आय बैठे थे उन्हें भी उड़ाय न सकती थी।"

(च) "जैसे मनुष्यों में देवता ब्राह्मण है चांडाल दैत्य है उनकी ज्ञाति में अन्तर नहीं है। मनुष्य दोनों हैं। ब्राह्मण का लोग चरणोदक लेते हैं और चांडाल का स्पर्श होता है तो सचैल स्नान करना होता है। हेतु आचरण का वह आरोपित है वास्तव्य नहीं है। और जो यह कहो कि संस्कार करके ब्राह्मण और चांडाल है तो व्यास जी नारायण के अवतार हैं धीमरी के पेट से जन्मे हैं। नारद जी दासी सुत। बाल्मीक जी पूर्व चांडाल हैं। इसी भाँत कर बहुत संत हैं। यह लोग नारायण के समेष्ठी क्योंकर हुए। संसार वर्ण-संकर है। ब्राह्मण चांडाल की निर्णय तो बनाय के होती है। तो इससे जाना गया संस्कार का भी प्रमाण नहीं। आरोपित उपाधि है। क्रिया उत्तम हुई तो सौ वर्ष में चांडाल से ब्राह्मण होय और जो क्रिया भ्रष्ट होय तो वह तुरत ही ब्राह्मण से चांडाल होता है। यद्यपि ऐसे विचार से हमें लोग नास्तिक कहेंगे इस बात का डर नहीं। जो बात सत्य है उसे कहना चाहिए कोई बुरा माने कि भला माने।"

(–) (ख) (ग) (घ) (च) में जिन शब्दों वा वाक्यों के नीचे आड़ी लकीर खीची है उनकी पूरी व्याख्या करते हुए जहाँ सम्भव हो वहाँ आधुनिक गद्य में उनके रूप दिखाइये। १३

(=) (क) अंश किस बोली में लिखा गया है। क्या इसमें और किसी प्रान्त के प्रयोग आ गये हैं। यदि हों तो प्रमाण के साथ लिखिये। ४

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(ङ) (ख) (ग) (घ) (च) की आलोचना करते हुए यथा सम्भव इनके लेखन-काल का अनुमान कीजिए और अपने अनुमान के कारण भी दीजिए। ८

३—व्रजभाषा, बुंदेलखंडी और अवधी बोलियों के उदाहरण पुराने कवियों के गद्य अथवा पद्य से ही दीजिए और हो सके तो आज कल की बोली के गद्य उदाहरण देते हुए तीनों बोलियों में व्याकरण की दृष्टि से अन्तर दिखलाइये। १७

४—वर्त्तमान काल में हिन्दी की कविता की भाषा खड़ी बोली होनी चाहिए अथवा सूर तुलसी आदि प्रसिद्ध महा कवियों से मिलती जुलती बोली में। इस विषय पर विवेचनापूर्ण विचार प्रकट कीजिए। १४

५—पूत तुम्हार कहावन जोगू। अहउँ न मह फिरि करउ न सोगू॥
अपने घर मजूर जो देखिअ। ता महँ एक सरिस मोहिँ लेखिअ॥

यह किस बोली में है? जिन प्रान्तीय बोलियों का आप को अच्छा अभ्यास हो उनका नाम लिखिए और उनमें से हर एक में ऊपर की चौपाई वाले वाक्य का गद्य में अनुवाद लिखिए और उनमें व्याकरण की दृष्टि से अन्तर दिखलाइये। ७

६—आपके मत में खड़ी बोली का घनिष्ट सम्बन्ध किस प्राकृत से है। अपने मत की पुष्टि में खड़ी बोली के आदिम रूप और उसके क्रमशः अभ्युदय पर एक छोटा सा निबन्ध लिखिए। २५

७—गत सवा सौ वर्षों के भीतर हिन्दी के गद्य लेखकों में आप के मत से, कौन सब से उत्तम गद्य लेखक हुआ है। अपने मत की पुष्टि में हो सके तो प्रमाण दीजिए। [वर्त्तमान गद्य लेखकों पर विचार करना इस प्रश्न के अन्तर्गत नहीं है।] १८

—:o:—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

साहित्य ३

(परीक्षक—श्री० हरि रामचन्द्र द्विवेकर, एम० ए०)

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क—१००

(१) 'हिन्दी' शब्द का अर्थ क्या? 'हिन्दी भाषा' किस प्राचीन भाषा से निकली है तथा इसके भिन्न भिन्न प्रान्तानुसार कितने भेद हैं? दो चार भेद सोदाहरण दिखला कर उनमें साधारणता क्या है यह लिखो।

(२) 'खड़ी हिन्दी' किसे कहते हैं? इसका अन्य प्रांतिक भाषाओं से क्या सम्बन्ध है? इसका प्रचार कब से हुआ तथा भविष्यत्काल में इसकी क्या स्थिति होगी यह विस्तारपूर्वक लिखो।

(३) अक्षरों की उत्पत्ति कैसे हुई? जिस समय कि अक्षर ज्ञात न थे लोग अपने विचार दूरस्थ मनुष्य पर कैसे प्रकट करते होंगे? क्या वर्तमान देवनागरी लिपि में भी कुछ परिवर्तन होने का सम्भव है? यदि नहीं तो क्यों और है तो क्या?

(४) 'अक्षरों के स्वरूप से लेख का काल निश्चित किया जा सकता है।' किसी अक्षर के प्राचीन स्वरूप से आज तक के सब स्वरूप यथाकाल निर्दिष्ट कर पूर्वोक्त कथन का विवरण करो।

(५) प्राचीन तथा अर्वाचीन अङ्कों की लेखन पद्धति में क्या भेद है? वर्तमान पद्धति कब से चली तथा आज भी दूसरी कौन सी अङ्क-पद्धति प्रचलित है। यह लिख कर '७' इस अङ्क के सब स्वरूप दो॥

—:o:—

साहित्य ४

(परीक्षक—बाबू श्याम सुन्दर दास, बी. ए.)

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

निम्न लिखित विषयों से किसी एक विषय पर एक निबन्ध

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

लिखो जो उत्तर पुस्तक के कम से कम १५ और अधिक से अधिक ३० पृष्ठ में आवे।

(१) जातीय उत्थान में साहित्य का स्थान और इस सम्बन्ध में हिन्दी की स्थिति।

(२) हिन्दी साहित्य में पद्यात्मक काव्य की बहुलता के कारण और उसका जातीय जीवन पर प्रभाव।

(३) हिन्दी भाषा के व्याकरण के मौलिक सिद्धांत क्या होने चाहिएं। संस्कृत और प्राकृत व्याकरणों से इसमें कहां तक सहायता ली जा सकती है। भाषा के विकास-सिद्धांत को ध्यान में रख कर अपने विचारों का स्पष्टीकरण करो।

—:०:—

साहित्य ५

(परीक्षक—प्रोफ़ेसर रामदास गौड़, एम. ए.)

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

प्राकृत प्रकाश

१—वररुचि के अनुसार कितनी भाषाएँ प्राकृत के अन्तर्गत हैं? हिन्दी भाषा का उनमें किन किन स सम्बन्ध है? शब्द और धातु के रूपों का उदाहरण देकर अपने कथन की पुष्टि कीजिए।

२—"यह मुद्रिका मातु मैं आनी, दीन राम तुम कहँ सहिदानी।"

"मैं" "आनी" "दीन्ह" सहिदानी" इनके प्रकृत रूप लिख कर यह दिखलाइये कि प्रकृति से किस प्रकार परिवर्त्तन होते होते वर्त्तमान रूप बन गये। यथा सम्भव अपने उत्तर की पुष्टि में सूत्रों का प्रमाण भी दीजिए।

३—'त्रयोदश' शब्द के किन किन सूत्रों के अनुसार क्या क्या रूपान्तर हो कर उसका वर्त्तमान रूप "तेरह" बन गया है?

४—"घोल" शब्द का प्रकृत रूप क्या है? घोल शब्द के हिन्दी में क्या क्या अर्थ हैं और प्रकृति से उनका कहाँ तक सम्बन्ध है। इस

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तरह के अन्य शब्दों के उदाहरण देते हुए, सम्भव हो तो, यह भी दिखलाइये कि यौगिक और रूढ़ि अर्थ में कैसी परिस्थिति में कैसे कैसे अन्तर पड़ गये हैं ?

५—"जीहा", "दाढ़", "धीआ", "पुट्ठी", "पिआ", "पिअरो" इन शब्दों के अर्थ लिखते हुए इनकी व्युत्पत्ति की व्याख्या कीजिए और सम्भव हो तो सूत्रों का प्रमाण भी दीजिए।

प्राकृत पैङ्गलम्

(क) जहा भूत बेताल णच्चन्त गावंत खाए कबंधा,
सिआ फार फेक्कार हक्का रवन्ता, फुले कण्ण रंधा,
कआटुट्ट फुट्टेइ मंथा कवंधा णचंता हसंता,
तहा वीर हम्मीर संगाम मज्झे तुलंता जुअंता।

(ख) ढोल्ला मारिअ ढिल्लि महँ मुच्छि अमेच्छि सरीर।
पुर जज्जल्ला मंतिबर चलिअ वीर हम्मीर॥
चलिअ बीर हम्मीर पाअभर मेइणि कंपइ,
दिग मग णह अंधार धूलि सूरह रह झंपई।
दिग मग णह अंधार आणु खुरसाणक ओल्ला,
दरमरि दमसि बिपक्ख मारअ ढिल्लि मह ढोल्ला॥

(ग) माई रूए हेओ
हिण्णो जिण्णो अबुड्ढओ देओ।
संभुं कामंती सा
गोरी गहिलत्तणं कुणइ॥

६—उपर्युक्त पद्यों का अन्वय कीजिए और सरल हिन्दी में भाषान्तर कीजिए।

७—इन पद्यों के नाम, लक्षण, यति आदि लिखिए। यदि प्रचलित हिन्दी पद्यों के इन रूपों की तुलना में पिंगल के पद्यों में कोई विशेषता देख पड़े तो उसकी भी टीका कीजिए।

८—ढिल्लि, मेच्छ, जज्जल्ला, हम्मीर, खुरसाणक और ओल्ला शब्दों की व्याख्या कीजिए और हो सके तो ऐतिहासिक दृष्टि से इन पद्यों के निम्मीता के समय पर अपना विचार प्रकट कीजिए।

—:o:—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

साहित्य ६

(परीक्षक—पं० गिरिधर लाल नागर, बी० एस-सी०)

समय ३ घण्टे

गुजराती भाषा

१—(अ.) बुद्धि प्रमाणे माननी नुं, करुं छुं वरणन;
ज्यम सागर मां थी चांच जलनी, भरे पक्षीजन.
दमयंती नो चोटलो, देखी अति सोहाग;
अभिमान मूकी लज्जा आणी, पाताल पेठो नाग.
सृष्टि करता ब्रह्मा जी ए, भर्युं तेज नुं पात्र;
ते तेज नुं प्रजापतिए घड्यूं, दमयंती नुं गात्र.
तेमां थी कांई शेष वाध्युं, घडतां खेरो पडियो;
ब्रह्मा ए एकठुं करीने, तेनो चन्द्रमा घडियो.
दमयंती ना अधर देखी, पेट वेध्युं प्रवाली;
ए कामनी नो कंठ सांभलि, कोकिला थई काली.
रसना वाणो सांभली, सरस्वती ने आव्यो वैराग;
कुंवारी पोते रही; संसार कीधो त्याग.
दंत देखी दाडम फाटयुं, कपोत संताडे महोने;
ते नाद करतो फरे वनमां, दुःख कहुं हुं कोने.

(i) उपर ना पदो मां आवेली उपमाओ ने सारी पेठे समझावता एओ नो अर्थ लखो.

(ii) राजा नल ना वखाण करतां कविए ऊपर नी उपमांओ नथी वापरी. बीजी केई उपमाओ नो प्रयोग कीधेलो छे, अने एवी भिन्नता शा माटे.

(ब.) भूप में दीठी गर्ववेलडी, सखी वे मध्य उभी अलबेलडी;
कदली स्थम्भ जुगल साहेलडी, वच्चे वैदर्भी कनक नी वेलडी.
वेल जाणे हेम नी, अवेव फूले फूली;
चकित चित्त थयुं माहरुं, ने गयो दूतत्व भूली.
साम सामा रह्या शोभें, व्योम भोम बे सोम.
इन्दु मां बिन्दु विराजे, जाणे उडगण भोम.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उभे अमिनिधि कीरण प्रगटयां, कला थई प्रकाश;
ज्योते ज्योत थी स्थंभ प्रगटयो, शुं एथी थंभ्यो आकाश.
कामनी नो परिमल बेहेके, कला शोभे लक्ष;
शके धराधर वास लेवा, चढ़यो चन्दन वृक्ष.
कुरंग मीननी चपलता, शुं खंजन जाणे पडियां;
नेत्र अणिअग्रे श्रवण विंध्या, सोय थई नीमड़ियां.

(i) ऊपर ना पदो मां कोण अलंकार छै ते पोताना उत्तर ने समर्थन करतां लखो.

(ii) ऊपर ना पदो नो अर्थ सारी पेठे लखो.

२—(अ.) "माटे इंद्रियो जेम आपणी मित्र तेम आपणी शत्रु छै ते एक नदी ना प्रवाह जेवी छै; ज्यां सुधी ते धीमे चाले छै त्यां सुधी सघला ने फायदो करे छै, पण ज्यारे ते जुस्सा थी वहे छै त्यारे तेना सपाटा मां जे आवे तेने घसड़ी जाय छै. ते एक वाघ जेवी छै. ज्यां सुधी तेने पांजरा मां गोंधी राखे त्यां सुधी कांई चिन्ता नही, पण तेने पांजरु तोडतां वार लागती नथी. तेने जीतवी ए घणुं कठण काम छे, अने घणाज थोड़ा माणस थी ते बनी शके छै, माटे तेओ ने फाववाज न देवी ए डहापण छे, एटला कारणो थी सन्यासी, योगी, वगेरे पोतानी इंद्रियो ऊपर भरोसो राखता नथी."

उपर लख्या नूं अर्थ दृष्टान्त सहित लखो.

(ब.) "घणां खरां तो काल नी मोटी रेल मां घसडाई गयां; अने ते ओ हताज नहीं एम लागे छै; पण थोडां एक तो दरिया मांना खड़क नी पेठे मजबुत उभा छै; अने ते ओ उपर थी काल रुपी रेल जोर थी चाली गई तो पण ते ओ ना पाया हजी रहेला छे; अने अनन्त काल पर्य्यन्त ते ओ अचल रेहेशे. ए पाया रही गया ते शुं ? ते ओ ना नाम; तेओ नी आबरु."

एमा थी शी शिखामण लेवा नी छै ते, पोताना उत्तर ने दृष्टांतो थी समर्थन करता, लखो.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

३—नीचे ना पदो जे जे स्थले वापरवा मां आव्या छे तेते स्थल नूं वर्णन करतां एम नो अर्थ लखो.

(अ.) कोण नेत्र लुहे, राय रुए, एवे शब्द सांभल्यो गाढ़ो;
लोह प्रेम जल, मूकाव राय नल, बलताने बाहेर काढ़ो.
साम्भली वाणी, जाणी राणी, रोई रोई बेठो स्वर;
हरखे भरायो, स्वरे धायो, वीरसेन कुंवर.
पाडे बराडा, बले हवाडा, तरफड़े मोटो व्याल;
कहे दया सिन्धु. दीनबन्धु, काढ़ नल भूपाल.

ए वाणी जेनी छे तेनी पूरी कथा भी लखो.

(ब.) भारे वचन कह्या तें ब्राह्मण, निसर्यो मेहेणां देवारे;
वस्तु ने विपत तो वोहोरनीओ, करते हशे पर घेर सेवारे.
वोहोर्युं ते कांई रत्न जाणी ने, काच थई निवड़ीयुंरे;
तत्व रहित माटे तज्युं छे, नथी छूटी पडीयुंरे.
तेह मित्र ने तजियें जेनुं, मलवुं मन विना ठालुंरे;
ते स्त्री ने परहरियें जेनुं, पियुं करतां बेट वहालुंरे.
*गूढ़ वचन कही घोडारमा, बाहुक जईने बेठोरे;
सुदेव तो सांसांमां पडयो, प्राण विचार मां पेठोरे.

* ए वचन मा "गूढ़ता" शी हती ते भी लखो.

(स.) "अरे ! जीव ने शरीर नी कबर मां दफ़न करी ने फरवूं."

(ह.) अने महारण मां थाक तथा तरस थी कष्टा तो मुसाफर मृगजल जोईने पाणी नी आशा राखी चाल्योज जाय छे, तेम करण राजाए आगल उपर सारा नी उमेद राखी संसार रूपी प्रवास मां शांत मन थी चालवा नो निश्चय कीधो."

४—प्रश्न ३—(ह) नो वाक्य विन्यास लखो.

५—नीचे लखेला गुजराती शब्दों नो अर्थ लखो अने उदाहरण तरीके हरएक ने माटे एक एक गुजराती वाक्य बनावी लखोः—
तद्दन; कंटालीजवुं; करोठुं; बेहेड़ां; कचरा बाल; वांसे; कालावाला; तसदी; बेबाकला; खंडणी.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

६—राजा करण केवो हतो एनो एक सरस चित्र तेनी कथा ऊपर थी टुंका मां लखी बतावो.

अथवा

राजा नल् नी हंस थी मैत्री केम थई अने तेओ मां पूर्व जन्म नो शो सम्बन्ध हतो ते अथ इति लखो.

—:o:—

इतिहास

राजनीति

(परीक्षक—प्रोफ़ेसर ताराचन्द, एम० ए०)

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

केवल ५ प्रश्न करने आवश्यक हैं।

१—स्वाम्य (sovereignty) की व्याख्या कीजिये। बतलाइये कि क्यों प्रजा राज्य (state) की आज्ञा पालन करती है। इस विषय में जा विविध सिद्धान्त आपको मालूम हों उनकी पर्य्यालोचना कीजिए।

२—किन सिद्धान्तों के अनुसार राजतत्त्वों को श्रेणियों में विभक्त करते हैं ? पेश्वाई राज तथा मुग़ल साम्राज्य को आप किन श्रेणियों में रखेंगे और क्यों ?

३—स्वाधीनता (liberty) शब्द किन किन अर्थों में प्रयोग में आता है। राजनीति की दृष्टि से इसका सब से अच्छा अर्थ क्या है। भारतवर्ष में मुसलमानों के समय में और आधुनिक समय में इस अर्थ के अनुसार स्वाधीनता की मात्रा में कितना अन्तर है। क्या यह आवश्यक है कि जहाँ एकाधिपत्य हो (despotism) वहाँ स्वाधीनता न हो ?

४—राज्यों (state) के विकास (evolution) का वर्णन कीजिए।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

५—पैतृक समाज (patriarchal society) की सविस्तार व्याख्या कीजिये।

६—व्यवस्था (legislation) का राज्य (state) से क्या सम्बन्ध है? इस सम्बन्ध का इतिहास संक्षेप रीति से लिखिये। भारतवर्ष में क्यों हिन्दू तथा मुसलमानी राज्य में व्यवस्थापन की कमी थी?

७—राज्य (state) के कौन कौन से उपकरण (functions) होते हैं? ग्रेट ब्रिटेन के राज्य में किस प्रकार इन उपकरणों का विधान होता है?

८—राज्यों के संहतन (federation of states) के क्या क्या रूप हैं और उनमें क्या भेद हैं। जर्मन साम्राज्य की शासन-पद्धति का वर्णन लिखिये। बताइये कि इस साम्राज्य की गणना किस रूप की संहति (federation) में हो सकती है।

९—समाज तंत्र (socialism) की व्याख्या कीजिये। इसके विविध रूप लिखिये। और समाज तंत्र के सिद्धान्तों को भली भाँति समझाइये।

१०—आधुनिक यूरोपीय महायुद्ध का समाज तंत्र के भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा। युक्तियों से अपने सिद्धान्त का समर्थन कीजिए।

११—हाब्ज़ (Hobbes), लाक तथा रूसो (rousseau) के स्वाम्य (sovereignty) तथा नैसर्गिक स्थिति (national state) सम्बन्धी मतों के भेद तथा सादृश्य दिखलाईये।

—:o:—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

इङ्गलैंड की पार्लमेंट का इतिहास

(परीक्षक—प्रोफ़ेसर श्री प्रकाश, एम० ए०)

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

कुल छः प्रश्नों का उत्तर दीजिये। प्रथम प्रश्न और बाक़ी प्रश्नों के प्रत्येक विभाग से कम से कम एक प्रश्न का उत्तर आवश्यक है।

१—निम्न लिखित वाक्यों में से तीन पर टिप्पणी लिखिये—

(क) न्यायाधीश अथवा अन्य योग्य अधिकारी के आज्ञा बिना कोई भी किसी प्रकार से दण्डभागी न होगा।

—अधिकार प्रार्थनापत्र १६२८ (petition of rights)

(ख) तुम लोगों का मुझ पर अभियोग चलाने का कोई अधिकार नहीं है। तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर हम नहीं देंगे।

—पार्लमेंट से स्थापित न्यायालय के सम्मुख प्रथम चार्ल्स के वचन १६४६.

(ग) रोमन कैथोलिक धर्म के अनुयायी आंगलदेश के राज्य-सिंहासन पर नहीं बैठ सकते।

—अधिकारों का मसविदा १६८९ (bill of rights)

(घ) कोई राज्य कर्मचारी कामन्स सभा (house of commons) का सभासद नहीं हो सकता।

—आक्ट आफ सेट्लमेंट १७०१ (act of settlement)

(ङ) आपके प्रतिनिधि जो कामन्स सभा (house of commons) में जाते हैं उनका कर्तव्य है कि आप की सम्मति का विरोध करते हुवे भी अपनी बुद्धि के अनुसार कार्य करें,

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

और यदि ये ऐसा न करें तो वे आप की यथार्थ सेवा नहीं करते।

—ब्रिस्टल नगर के प्रतिनिधि चुनने वालों के सम्मुख एडमन्ड बर्क का व्याख्यान।

प्रथम विभाग

(इसमें से कम से कम एक प्रश्न का उत्तर आवश्यक है)

२—आंगल देश में नार्मन लोगों के आने से क्या क्या राजनैतिक परिवर्तन हुवे, उनका सारांश लिखिये।

३—माग्ना कार्टा १२१५ (magna charta) क्या वस्तु है। किस राजनैतिक दशा में राजा जोन (John) इस पर "हस्ताक्षर" करने के लिए बाध्य हुवा और इसका ऐतिहासिक महत्त्व क्या है।

४—प्रथम एडवर्ड के आदर्श पार्लमेंट १२९५ (model parliament) की विशेषता क्या थी। इसमें और साइमन डी मंटफर्ट (Simon de Montfort) के आदर्श पार्लमेंट १२६५ में क्या अन्तर था। किन किन कारणों से राजा ने इसे निमन्त्रित किया था।

५—आंगलदेश की शासन प्रणाली पर रोज़ेज़ के युद्ध (wars of the roses) १४५५–१४८५ का क्या प्रभाव पड़ा।

द्वितीय विभाग

(इसमें से कम से कम एक प्रश्न का उत्तर आवश्यक है)

६—रेफ़र्मेशन पार्लमेंट १५२९, १५३६ (reformation parliament) की विशेषता बतलाइये। पार्लमेंट के इतिहास में इसे क्या स्थान मिलना चाहिये।

७—आंगलदेश में धर्मसुधार (reformation) का संक्षिप्त इतिहास लिखिये और इसका प्रभाव राज्य प्रणाली पर क्या पड़ा उसका उल्लेख कीजिये।

८—किन किन अधिकारों के लिए १७वीं शताब्दी में राजा वा पार्ल-

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मेंट में विरोध हुवा, मुख्य मुख्य घटनायें क्या हुवीं और अन्त में इसका परिणाम क्या हुवा।

तृतीय विभाग

(इसमें से कम से कम एक प्रश्न का उत्तर आवश्यक है)

९—प्रधान सचिव (prime minister) के पद की स्थापना किस प्रकार हुवी। प्रधान सचिव (prime minister) मन्त्री मण्डल (cabinet), और पार्लमेंट में आपस का क्या सम्बन्ध है इसे भली भांति लिखिये।

१०—आंगलदेश में शासन (executive), व्यवस्थापन (legislative) और न्यायानुशासन (judicial) की शक्तियों का आपस में क्या सम्बन्ध है और इस सम्बन्ध से किस प्रकार की स्वतन्त्रता की रक्षा होती है।

११—इस समय लार्ड्ज़ सभा (house of lords) और कामन्स सभा (house of commons) के क्या क्या अधिकार हैं और इनमें से कौन प्रबल है और कैसे उसके स्वत्वों की रक्षा होती है।

१२—आंगल शासन प्रणाली की विशेषतायें लिखिये और अन्य देशों की शासन प्रणालियों से इसकी तुलना कीजिये।

—:o:—

भारतवर्ष का प्राचीन इतिहास

(परीक्षक—श्री० नरेन्द्रदेव, एम० ए०)

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

नोट:—केवल ६ प्रश्न परीक्षार्थियों को करना होगा। इनमें वे प्रश्न जिनके आगे + चिह्न है सम्मिलित रहेंगे। (३) तथा (४) से एक एक प्रश्न परीक्षार्थियों को अवश्य करना होगा।

(१)

+१-(क) भारतवर्ष का मानचित्र खींचिये और उसमें उन

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

स्थानों को दिखाइये जहाँ अशोक महाराज के लेख पाए गए हैं। ८

(ख) इन लेखों की भाषा तथा लिपि के सम्बन्ध में एक छोटा सा नोट लिखिये। २

२—(अ) अशोक के "धम्म" की पूर्ण रीति से व्याख्या कीजिये। ६

(क) अशोक महाराज के धार्मिक मत के सम्बन्ध में अपने विचार प्रकट कीजिये और उनकी पुष्टि में प्रमाण दीजिये। २

३—"देवानं पिय पियदसि" के लेख किन कारणों से अशोक महाराज के कहे जाते हैं?

इसका कोई सुदृढ़ प्रमाण भी हाल में मिला है? यदि है तो उसको लिखिये। ८

(२)

४—चाणक्य के अर्थशास्त्र से भारतीय शासन-पद्धति तथा सामाजिक और आर्थिक दशा का जो चित्र मिलता है उस पर एक छोटा सा निबन्ध लिखिये। ८

+५-समुद्र गुप्त के राजत्वकाल का इतिहास लिखिये। इस समय के इतिहास के साधन भी बताइये। ८

+६-तक्षशिला, पाटलिपुत्र, सांची, मिहरौली का लौह स्तूप, रुद्रदामन् का गिरनार लेख, खारवेल महाराज का (हाथी-गुंफा) लेख, पहलव, लिच्छवि, विक्रम संवत् और अजन्ता के चित्रः—

इन पर छोटे छोटे नोट लिखिये। ८

७—राजपूतों के प्रभाव के सम्बन्ध में पाश्चात्य विद्वानों का क्या मत है? इस मत के समर्थन में क्या क्या प्रमाण दिये जाते हैं? आप अपना विचार भी युक्ति पूर्वक प्रकट कीजिये। ८

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(३)

८—ईसा से पूर्व ६ ठी शताब्दी में उत्तर भारत की आर्थिक दशा क्या थी ? ८

६—(१) ब्राह्मी लिपि के प्रभव के सम्बन्ध में भिन्न भिन्न विद्वानों का क्या मत है ? आपको कौन सा मत ग्राह्य है और क्यों ? ७

(२) प्राचीन काल में भारतवर्ष में लिखने की क्या सामग्री थी ? १

(४)

१०-बौद्ध संघ की जो 'संगीति' कनिष्क महाराज के समय में हुई थी उसका संक्षेप में वृत्तान्त लिखिये। कनिष्क का राजत्वकाल क्या है और बौद्ध धर्म से उनका क्या सम्बन्ध है ? ८

११-भारतवर्ष में बौद्धधर्म के ह्रास के कारण क्या हैं ? ८

१२-त्रिपिटक, पाली, धम्मपद, जातक, अट्ठंगिकमग्ग, त्रिरत्न, महायान, हीनयान, और बोधिसत्व

इनका संक्षिप्त विवरण दीजिये।

—:o:—

यूरोपीय इतिहास-वर्त्तमान काल

(परीक्षक—प्रोफ़ेसर ताराचन्द, एम० ए०)

समय ३ घण्टे

केवल ५ प्रश्न करने चाहियें। पूर्णाङ्क १००

१—यूरोपीय पुनरुज्जीवन (renaissance) की व्याख्या कीजिये और बतलाइये कि इसके मुख्य कारण क्या थे।

२—धर्म संशोधन (reformation) के पहले जर्मनी की आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक तथा समाजिक दशा क्या थी ?

बतलाइये धर्म संशोधन की क्यों प्रबल आवश्यकता थी ?

३—रोमन कैथलिक विपक्ष संशोधन (counter reformation) के साधनों का वर्णन कीजिये और उसकी सफलता के कारणों को समझाइये।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

४—तीस वर्षीय युद्ध (thirty years war) का यूरोप के विकास पर क्या प्रभाव पड़ा ? युद्ध के कारणों तथा उसकी गति का वर्णन संक्षेप रूप से कीजिये।

५—रूस के उत्थान का संक्षिप्त इतिहास लिखिये। पीटर ने जिन रीतियों से रूस की यूरोपीय सभ्यता सिखाने का प्रयत्न किया उनकी व्याख्या कीजिये और बताइये कहाँ तक रूस पर इन यत्नों का प्रभाव पड़ा।

६—सप्तवर्षीय युद्ध (seven years war) का पृथ्वी के इतिहास में क्या महत्व है ? और यूरोप के इतिहास में क्या ? युद्ध के परिणाम का संक्षिप्त वर्णन लिखिये।

७—महाविप्लव (revolution) के पहले फ्रांस की क्या दशा थी। फ्रांस की इस दशा से क्या यह ज्ञात होता था कि महाविप्लव होने वाला है ? उन शक्तियों का वर्णन कीजिये जो महाविप्लव को उत्पन्न करने में सहायक हुईं।

८—राष्ट्रीय समिति (national convention) का संक्षिप्त इतिहास लिखिये। समिति के महत्व पर अपने विचार प्रकट कीजिये।

९—नैपोलियन का जीवन चरित साम्राज्य के स्थापन होने तक का लिखिये। महाविप्लव के १५ ही वर्ष पीछे एकाधिपत्य (autocratic rule) के पुनरुत्थान के कारणों पर विचार प्रकट कीजिये।

१०—नैपोलीयनीय युद्ध वास्तव में एंगल फ्रांसीय संघर्ष का अन्तिम दृश्य है। इस वाक्य की टिप्पणी कीजिये और उन कारणों को बताइये जिनसे फ्रांस की पराजय हुई।

११—जर्मनी में ऐक्य स्थापन का संक्षिप्त इतिहास लिखिये। वर्त्तमान जर्मन साम्राज्य के राजकीय सङ्गठन (constitution) का वर्णन कीजिये।

१२—प्रजातंत्र के संस्थापन के लिए जो आन्दोलन यूरोप में उन्नीसवीं शताब्दी में हुआ है उसका संक्षिप्त इतिहास लिखिये।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

१३—यूरोपीय राष्ट्रों के उपनिवेशों के फैलने से जो राजकीय प्रश्न उत्पन्न हुए हैं उनको भली भाँति समझाइये। वर्त्तमान युद्ध से पहिले यूरोपीय राष्ट्रों के उपनिवेश कहाँ कहाँ थे?

१४—१५ वीं शताब्दी के साहित्य सम्बन्धी पुनरुज्जीवन (revival of letters) और १६ वीं शताब्दी के वैज्ञानिक खोज की तुलना कीजिये। विज्ञान के महत्व पर विचार प्रकट कीजिये।

—:o:—

भारतवर्ष का अर्वाचीन इतिहास

(परीक्षक—पं० हरिमङ्गल मिश्र, एम. ए.)

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

(प्रत्येक प्रश्न के साम्हने उसके पूर्णाङ्क लिखे हैं)

(१) खीष्टीय १५ वीं शताब्दी में पुर्तगाल के निवासियों का भारत से जो सम्बन्ध रहा हो संक्षेप से वर्णन कीजिये। इस विषय में हिन्दी भाषा की सब से अच्छी पुस्तक का नाम लिखिये।

(२) औरङ्गज़ेब की मृत्यु के पीछे मुग़ल राज्य के अधःपात और अङ्गरेज़ी ईष्ट इण्डिया कम्पनी की क्रमशः उन्नति का वर्णन संक्षेप रीति से लिखिये।

(३) माधवराव सिन्धिया की बुद्धिमत्ता और पराक्रम के वर्णन समेत उसके सिद्धान्तों को दिखलाइये।

(४) लार्ड क्लाइव और गवर्नर डूप्ले के कृत्यों का वर्णन लिखके उनकी योग्यताओं में भेद निकाल के क्लाइव की सफलता के कारणों की सूची बनाइये।

(५) "अङ्गरेज़ों को विवश होके भारतवर्ष विजय करना पड़ा" उक्त सिद्धान्त के अनुसार उनकी भारत के साथ सच्ची सहानुभूति और हितैषिता सिद्ध कीजिये।

(६) सिद्ध कीजिये कि अङ्गरेज़ों ने भारत को मुसलमानों से नहीं किन्तु हिन्दुओं ही से विजय किया।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(७) चेतसिंह और अवध की बेगमों के बारे में हेस्टिङ्ग्ज़ की कार्यवाहियों पर अपनी युक्ति पूर्ण सम्मति लिखिये।

(८) 'ब्रिटिश साम्राज्य' के समान शासन पूर्व में भारतवासियों ने देखा सुना नहीं था। उक्त वाक्य को सत्य सिद्ध कीजिये और प्राचीन रामराज्य से इसकी तुलना कीजिये।

(९) भारतवर्ष के तीन सच्चे हितैषियों का नाम लिख के उनकी संक्षिप्त जीवनी और कार्यवाहियाँ वर्णन कीजिये।

(१०) लार्ड डलहौसी का सिद्धान्त था कि शासक प्रजा की भलाई के लिए हैं। वे अपने सिद्धान्त को पूर्ण करने में कहाँ तक सफल हुए?

—:०:—

निबन्ध

(परीक्षक—प्रोफ़ेसर ताराचन्द, एम० ए०)

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिये। निबन्ध चाहे बड़ा न हो किन्तु विचार गम्भीर तथा भाषा सुन्दर हो।

१—राज्य (state) के विकास में भूगोलिक (geographical) शक्तियों का प्रभाव।

२—संसार के संहतन (federation of the world) की संभाव्यता।

३—यूरोप में प्रजा तंत्र का भविष्य।

४—भारतवर्ष में राष्ट्रीयता की बाधक तथा पोषक शक्तियाँ और राष्ट्रीयता का भविष्य।

५—आधुनिक भारतवर्ष में समाज-तांत्रिक (socia listic) संस्थाओं का वर्णन।

—:०:—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हिन्दी साहित्य

बङ्गला

(परीक्षक—श्री० पं० माधवराम झा)

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क—१००

(१) नीचे लिखे हुए पद्यों का सरल हिन्दी में अनुवाद कीजिये—

(अ) जगत पारावारेर तीरे
छेलेरा करे मेला
अन्त हीन गगनतल
माथार पर अचञ्चल
फेनिल उई सुनील जल
नाचिछे सारा बेला
उठिछे तटे की कोलाहल
छेलेरा करे मेला

(क) नाम रेखेछि बाबला रानी
एक रत्ति मेये।
हासि खुसि चांदेर आलो
मुखटि आछे छेये।
फुटे फुटे तार दांत क' खानि
पुटे पुटे तार ठोंट।
मुखेर मध्ये कथा गुलि सब
उलोट पालोट।

(ख) कौटा खुलि रक्षोवधु यत्ने दिल फोंटा
सीमन्ते सिन्दूर बिंदु शोभिल ललाटे
गोधूलि ललाटे आहा! तारा रत्न यथा!
दिया फौटा, पदधूलि लइल सरमा! ३३

(२) बङ्गला भाषा में छन्द कितने प्रकार के होते हैं उनके नाम और भेद लिखिये। १५

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(३) नीचे लिखे हुए गद्य का हिन्दी में अनुवाद कीजिये—

भवानी ठाकुरेर अभिसन्धि याहाइ हउक ताहार एक खानि शाणित अस्त्रेर प्रयोजन छिल। ताइ प्रफुल्ल के पांच बत्सर धरिया शान दिया तीक्ष्णधार अस्त्र करिया लइया छिलेन। तबे भवानी ठाकुरेर एकटा बड भूल हइया छिल—प्रफुल्ल एकादशीर दिन जोर करिया माछ खाइत, एकथाटा आर एकटू तलाइया बुझिले भाल हइत। १२

(४) तीसरे प्रश्न में प्रफुल्ल के मछली खाने से और कहानी से क्या सम्बन्ध है ? भवानी ठाकुर ने क्या भूल की लिखिये। १०

(५) "राजत्व स्त्रीजातिर धर्म नय। कठिन धर्म एइ संसार धर्म, इहार अपेक्षा कोन योगइ कठिन नय।"

बङ्किम बाबू ने स्त्रियों के लिये योग से भी कठिन धर्म क्या बतलाया है आप उनके मत से कहां तक सहमत हैं लिखिये। १५

(६) नीचे लिखे वाक्यों का बङ्गला में अनुवाद कीजिये—

रघु के वंश में राजा हरिश्चन्द्र बड़ा धर्मात्मा था। एक बार जब वशिष्ठ जी ने विश्वामित्र से इसके दान और सत्य की प्रशंसा की तब उन्होंने उससे सम्पूर्ण राज्य का संकल्प मांगा। हरिश्चन्द्र ने बिना किसी हिचक के अपना सर्वस्व दान दे दिया। १५

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन प्रयाग ।

प्रश्नपत्र

ज्ञानान्न मुक्तिः
पुस्तक सं०...............
आगत सं०...............
तिथि ....

प्रथमा और मध्यमा

१९७४

प्रकाशक

परीक्षा-समिति

साहित्य-भवन, प्रयाग.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पं० सुदर्शनाचार्य्य बी. ए. के प्रबन्ध से प्रयाग के सुदर्शन प्रेस में
छपी और प्रयागस्थ साहित्य-सम्मेलन-कार्य्यालय से प्रकाशित हुई।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्रथमा परीक्षा १९७४

साहित्य १

[परीक्षक—डा० भगवानदीन]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

१. अयोध्या काण्ड के आधार पर इन्द्रादि देवताओं के स्वभाव और आचरण वर्णन कीजिये और अपने कथन के प्रमाण में कुछ वाक्य भी उद्धृत कीजिये। १५

२. नीचे लिखे हुए पद्यों में से किसी चार के अर्थ लिखिए और यह बताइए कि वे किस प्रसङ्ग में आए हैं। २०

(क) सभा सकुचवस भरत निहारी।
रामबंधु धरि धीरज भारी॥
कुसमय देखि सनेह सँभारा।
बढ़त बिंध्य जिमि घटज निवारा॥
शोक कनक लोचन मति छोनी।
हरी बिमल गुन गन जग जोनी॥
भरत बिबेक बराह बिसाला।
अनायास उघरी तेहि काला॥

(ख) बारिधि के कुंभभव घन बन दावानल,
तरुन तिमिर हू के किरन समाज हौ।
कंस के कन्हैया कामधेनु हू के कंटकाल,
कैटभ के कालिका बिहंगम के बाज हौ।
भूषन भनत जग जालिम के सचीपति,
पन्नग के कुल के प्रबल पच्छिराज हौ।
रावन के राम कार्तवीज के परसुराम,
दिल्लीपति दिग्गज के सेर सिवराज हौ॥

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(ग) चपला की चमक चहूंघा सो लगाई चिता,
चिनगी चिलक पटबीजना चलायो है।
हेती बगमाल स्याम बादर सु भूमि कारी,
बीरबधू लह बुंद भुव लपटायो है।
हरीचंद नीर धार आंसू सी परत जहां,
दादुर को सोर रोर दुखिन मचायो है।
दाहन बियोग दुखियान को मरेहू यह,
देखो पापी पावस मसान बनि आयो है।

(घ) शर-रूप रसना को पसारे रिपु-रुधिर पीती हुई।
उत्कृष्ट भीषण शब्द करती जान मनचीती हुई।
अर्जुन कराग्रोत्साहिता प्रत्यक्ष कृत्यामूर्ति सी।
करने लगी गाण्डीव-मौर्वी प्रलय काण्ड-स्फूर्ति सी॥

(ङ) पराधीन ह्वै कौन चहै जीबो जग माहीं।
को पहरै दासत्व श्रृङ्खला पग माहीं।
इक दिन की दासता अहै शत कोटि नरक सम।
पल भर को स्वाधीनपनो स्वर्गहु ते उत्तम।

३. सत्य हरिश्चन्द्र-नाटक का जो दृश्य आप को सब से अच्छा जँचा हो उस का वर्णन लिखिये। ७

४. नीचे लिखे वाक्यों के अलंकारों के नाम बतलाइये और प्रत्येक की परिभाषा लिखिये:— १५

(क) नासपाती खातीं ते बनासपाती खाती हैं।
(ख) केरा के से पात बिहराने फन सेस के।
(ग) रघुनंद आनँदकंद कौशलचंद दशरथ नंदनं।
(घ) लसत मंजु मुनि मंडली मध्य सीय रघुचंद।
ज्ञान सभा जनु तनु धरे भक्ति सच्चिदानंद।
(ङ) जगत को जैतवार जीत्यो अवरंगजेब,
न्यारी रीति भूतल निहारी सिवराज की।

५. दोहा, हरिगीतिका, घनाक्षरी, रोला और छप्पय के लक्षण लिख कर उदाहरण में ऐसे छंद लिखिये जो इस प्रश्नपत्र के न हों। १५

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

६. निम्न लिखित शब्दों के अर्थ लिखिए—
कपालक्रिया, शिष्टाचार, ब्रह्मदंड, अंतःपुर, मुस्तैदी, अग्निसमाज, शर्वरीनाथ, अनट, संजोउ, सीकर, लिप्सा, कलरव, धनंजय, व्याज, उल्का, वृकोदर। ८

७. नीचे लिखे हुए मुहावरों के अर्थ लिखिये और अपने बनाये हुए वाक्यों में उन का शुद्ध प्रयोग दिखलाइए—
हाथ डालना, आँख चोराना, मुँह लगाना, चित्त से बाहर, ख़बर लेना, ग़ोता खाना, खेत रहना, बकुला मारे पखना हाथ। १२

८. नाटक, अंक, गर्भांक, नेपथ्य, इन शब्दों की परिभाषा इस प्रकार लिखिए जिस से इन का ठीक तात्पर्य समझ में आजाय। ८

साहित्य २

[परीक्षक—पं० कृष्णशंकर तिवारी, बी. ए.]

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

१. चंडू को सौ अजान के बीच एक सुजान कहा गया है। बतलाइए कि इस सुजान के व्यवहार का प्रभाव किन किन पर कैसा पड़ा है। साथ ही यह भी संक्षेप से लिखिये कि इस उपन्यास के कौन कौन से पात्र चंडू के सहकारी और सहायक थे और इन्होंने क्या क्या कार्य किये ? १५

२. नीचे लिखे वाक्यों का आशय सरल भाषा में समझाइये—

(क) असती जारिणी के कटाक्ष के समान सौदामिनी अभ्र पटल में चमक चमक कर छिपती हुई मानों इस बात को प्रकट करती है कि चरित्र में दाग़ लग जाना ऐसी ही बुरी बात है कि मुँह छिपाना पड़ता है। ५

(ख) दिन में सूर्य का, रात में चन्द्रमा का दर्शन किसी किसी दिन घड़ी दो, घड़ी के लिए वैसे ही घुणाक्षर-न्याय सा हो जाता है कि जैसे अन्यायी राजा के राज्य में न्याय और इन्साफ़ कभी कभी बिना जाने अकस्मात् हो जाता है। ५

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(ग) यह कल का पुतला जो अपने उस खिलाड़ी की सुध रक्खे तो खटाई में क्यों पड़े और कड़वा कसैला क्यों हो। ३

(घ) यदि जप, तप, संयम, व्रत, कर ध्यावेगा तो इससे मुँह-माँगा फल पायेगा॥ ५

३. (क) धर्म-प्रवृत्ति, बुद्धि-प्रवृत्ति और आनुषंगिक प्रवृत्ति किस को कहते हैं। ७

(ख) मन को स्वच्छन्द बना देने से किस प्रकार की हानि सम्भव है और यदि किसी विषय में चिरकाल से संलग्न होने के कारण मन उकता जाय तो उस को पुनः उसी विषय में किस प्रकार संलग्न कर सकते हैं। ८

४. शकुन्तला—(व्याजस्तुति की भाँति) हाँ सत्य है, तुम राजा लोग ही तो सब बात के प्रमाण होते हो और तुम ही यथार्थ धर्म और लोक रीति जानते हो, स्त्री दुखिया कैसी ही लाजवती और सुलक्षणी हो, तो भी धर्म नहीं जानती है, न सच बोलना जानती है। अच्छी घड़ी में मनभावते को ढूंढ़ने आई और अच्छे मुहूर्त में पुरुवंशी राजा से ब्याह हुआ। तेरे मीठे बचनों ने मेरे विश्वास को जीत लिया था परन्तु हृदय में छिपा हुआ वह अस्त्र निकला जिस से मेरे कलेजे को घाव लगा।

(क) व्याजस्तुति किसे कहते हैं? ३

(ख) "अच्छी घड़ी में मन भावते को ढूंढ़ने आई और अच्छे मुहूर्त्त में पुरुवंशी राजा से व्याह हुआ" इस वाक्य में कौन सा अलङ्कार है। उस अलङ्कार का लक्षण भी लिखिए। ४

(ग) व्याजस्तुति, यथार्थ, सुलक्षणी, पुरुवंशी, धर्मप्रवृत्ति, प्रबल, बुद्धिप्रवृत्ति, निरर्थक, इन पदों में जो समास हैं उनके नाम लिखिये। ४

(घ) जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है उनके कारक बताइये। ४

(ङ) वाक्य, वाच्य, भूतकाल, सर्वनाम और अव्यय के लक्षण और भेद लिखिये। ५

५. निम्न लिखित वाक्यों का स्पष्ट अर्थ लिखियेः—

(क) ये लोग रेउड़ी के लिए मसजिद ढहाने वाले हैं॥ १॥

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सेतमेत की टाँय टाय कर रहा है ॥२॥ खल उघरें तत्काल ॥३॥ बात की करामात ॥४॥ आज चकोर को दिन में चकाचौंधी कैसी ॥५॥ पूत सपूते तो धन क्या, पूत कपूते तो धन क्या ॥६॥ ६

(ख) अरुणोदय की तरुणाई से पूर्व दिशा मानो टेसू के रंग का वस्त्र पहने हुए दिननाथ सूर्य की अगवानी के लिए उद्यत सी हो अपनी सौत पश्चिम दिशा को ईर्षा से कलुषित कर रही है।

यहाँ पर पश्चिम दिशा को सौत क्यों कहा और ईर्षा से उसे कलुषित करने से क्या तात्पर्य है? ४

(ग) कवन धर्म आचार, जग जीवन मम बंधु प्रिय।
करि जस लह्यो अपार, जों न दिये जलजात धुज।

यह किसने किसके प्रति कहा है और इस वाक्य से वक्ता का क्या आशय है। ३

(घ) नीचे लिखे शब्दों का उपयोग अपने वनाये वाक्यों में कीजिए:—मट्ट मारे, रामरमौअल, तरहदारी, प्रतिनायक, स्थानभ्रष्ट, धारापात, दुहाई, छेड़छाड़। ४

६. समाचार पत्रों से भाषा की उन्नति किस प्रकार हो सकती है? ६

७. (क) निम्न-लिखित गद्य का सारांश अपनी भाषा में लिखिए—
प्रकृति का सदा से यह नियम चला आया है कि किसी देश की भाषा सदा एक रूप में नहीं रहती। प्रत्येक देश की भाषा के सम्बन्ध में इस नियम का उदाहरण मिल सकता है—बहुधा देखा जाता है कि देश के अभ्युत्थान के साथ साथ भाषा भी उन्नति के शिखर पर चढ़ती जाती है; पीछे देश के अधःपतन होने पर जब उसकी पहिली उन्नति के कोई चिन्ह नहीं रह जाते, तब केवल भाषा ही वहां की प्राचीन उन्नति की पूरी साखी भरती है। ६

(१) "उन्नति के" इस शब्द का कारक बताइये। किस शब्द से इसका सम्बन्ध है? २

(२) वाक्य में "भरती है" का कर्ता और कर्म बताइए। १

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

साहित्य ३

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

[परीक्षक—पं० रामचन्द्र शुक्ल]

नीचे लिखे विषयों में से किसी एक विषय पर विस्तृत प्रवन्ध लिखिए जो कम से कम १०० पंक्तियों का हो।

१. भारत वर्ष में धन का दुरुपयोग

२. किसी वन की शोभा

३. हिंदू या मुसलमान कुटुम्ब में स्त्रियों की वर्तमान अवस्था और उसके कारण।

४. सदाचार क्या है और मनुष्य को सदाचारी होने की क्या आवश्यकता है?

इतिहास

[परीक्षक—पण्डित हरिमङ्गल मिश्र, एम. ए.]

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

१. कौन कौन से दो प्रसिद्ध चीनी यात्री कब और क्यों भारत में आये? उन्होंने भारत के विषय में क्या लिखा है संक्षेप रीति से बतलाइये। १५

२. मौर्य वंश कब कैसे और कहां पर प्रतिष्ठित हुआ? चन्द्रगुप्त वा अशोक का संक्षेप वर्णन कीजिये। १५

३. भारतवर्ष के मुसलमान राजाओं में आप किस को सब से अच्छा समझते हैं और क्यों? १०

४. मरहठे कौन हैं? इनकी उन्नति का संक्षिप्त वर्णन लिखिये। १५

५. सिक्खों और अंग्रेज़ों में प्रथम युद्ध क्यों हुआ? उसका वर्णन तथा परिणाम लिखिये। १०

६. लार्ड रिपन के कार्यों का वर्णन कीजिये। १०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

७. भारतवर्ष को ब्रिटिश सम्राज्य द्वारा कौन कौन से लाभ प्राप्त हुए हैं संक्षेप में लिखिये। १०

८. लार्ड डेलहौज़ी के समय कहाँ तक भारत में ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार था। मानचित्र खींच के दिखलाइये। १५

भूगोल

[परीक्षक—श्री० नन्दराम, बी. ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[केवल ८ प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्णाङ्क मिल जायंगे। सब प्रश्नों में बराबर अङ्क हैं]

१. चन्द्रग्रहण और सूर्यग्रहण में क्या भेद है? दोनों एक ही तिथि में एक साथ क्यों नहीं दिखलाई पड़ते। सूर्य का मण्डलाकार ग्रहण कैसा होता है और इसका क्या कारण है। एक नियत काल का अन्तर देकर क्रम पूर्वक ग्रहण क्यों नहीं लगा करते?

२. (क) ओस, पाला और कुहरा में क्या अन्तर है।

(ख) मेघ कितने प्रकार के होते हैं? वर्षा कैसे होती है।

३. "हिमालयादि किसी समय समुद्री तल में ग़ोते खा रहे थे" इसका क्या प्रमाण है। पहाड़ों की बनावट का कुछ हाल संक्षेप से लिखिये और यह भी बताइये कि उससे और पृथ्वी की प्राचीनता से क्या सम्बन्ध है?

४. (क) एशिया के किस भाग में बसरा और बग़दाद हैं? आप वहां का कुछ हाल जानते हों तो लिखिये।

(ख) अफ़ग़ानियों की कितनी जातियां हैं। सब का नाम लीजिये। "अफ़ग़ानिस्तान की मैत्री भारतवर्ष के लिए अति उत्तम है।" क्यों?

५. "भारत सरकार" किसे कहते हैं? आप जो जानते हों विस्तार से लिखिये।

६. इस देश में रेल का प्रधान लाइनें कितनी और कौन कौन हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दूसरे देशों से इस देश का सम्बन्ध किस प्रकार है। विशेष हाल लिखिये।

७. पंजाब, बङ्गाल और राजपुताने में देशी रियासतों के नाम दीजिये। देशी राज्य कितने प्रकार के होते हैं। भारतवर्ष का कौन सा भाग देशी राज्यों के अन्तर्गत है। अनुमान से क्षेत्रफल बताइये। उनमें क्या विशेषता हैं?

८. बतलाइये ये क्या और कहाँ हैं:—कोटा, बड़ोदा, बालासोर, शिकारपुर, गिलगिट, गोलकुंडा, चित्तौर, चितराल, महानदी और अरावली।

९. (क) नदियों से कौन सा उपकार वा अपकार होता है।
(ख) बङ्गाल में पंजाब से क्यों अधिक वृष्टि होती है।

१०. भारतवर्ष का मानचित्र बनाकर उसमें निम्न लिखित स्थान दिखलाइये।
कराची, बनारस, पेशावर, गोदावरी, सांभर, नागपुर, रानीगंज, अरावलि और अजमेर।

११. इन देशों की उपज क्या हैं (१) आसाम (२) उत्तरी बर्मा (३) सिन्ध।

१२. दिन रात तथा ऋतु परिवर्तन होने के क्या कारण हैं? केपकालौनी में सब से बड़ा दिन कब होता है?

१३. एक मनुष्य दिल्ली में ओटावा से आया और उसका मित्र सिंगापुर से साथ हो गया। एक कहता है आज रविवार है, दूसरा शनिवार—बतलाइये कौन ठीक है?

प्रारम्भिक विज्ञान और स्वास्थ्य-रक्षा

[परीक्षक—श्री० महावीरप्रसाद, बी. एस-सी., एल. टी., विशारद]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

१. आपेक्षिक घनत्व का क्या तात्पर्य्य है? किसी द्रव का आ० घ० जान कर उसकी शुद्धता कैसे जानी जा सकती है? उदाहरण देकर समझाइये। किसी ऐसे सरल यंत्र का

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

वर्णन कीजिए जिससे द्रव का आ० घ० बिना किसी कांटे और बांट के मालूम हो सके। १५

२. शोरे में कोयले की बुकनी मिल गयी है। इस मिश्रण से शोरा अलग करके रवे बनाए जायं तो क्या क्या काम करने पड़ेंगे? ब्योरेवार वर्णन कीजिए और जहाँ कहीं चित्रों की आवश्यकता हो चित्र भी दीजिए। १५

३. एक सीसे के टुकड़े की तोल २ तोला है, पानी में तोलने से इसकी तोल १.८२ तोले हुई। यदि यही टुकड़ा तेल में तोला जाय तो क्या ठहरेगा? तेल का आ० घ० ०.६ है। १०

४. काँच की कुप्पी में पानी भर कर उसका मुँह डाट से कस कर बंद कर दिया जाय और पेंदे में आँच लगायी जाय तो कौन सी घटना होने की सम्भावना होगी और क्यों? उदाहरण देकर समझाइए। १०

५. जाड़े में छुरी का फल ठंडा मालूम होता है परन्तु बेंट न ठंडा न गरम। यह क्यों? क्या तापक्रम में कुछ भेद नहीं है? १०

६. लम्प की चिमनी से प्रयोग करके यह कैसे सिद्ध कीजिएगा कि किसी वस्तु के जलने में हवा की आवश्यकता पड़ती है और इसके आने जाने के लिए कम से कम दो मार्ग होने चाहिएँ? जो लोग कोठरी की हवा शुद्ध करना चाहते हैं उनको इस प्रयोग से क्या शिक्षा मिलती है? १६

७. २५°श वाले १०० तोले पानी में १००°श वाली पानी की भाफ कितनी छोड़ी जाय कि पानी का तापक्रम ७५°श हो जाय? १२

८. नीचे लिखे विषयों में से किसी एक पर कम से कम ३० पंक्तियों का एक निबन्ध लिखिए—

(१) हैज़ा फैलने के कारण और उनसे बचने के उपाय।

(२) शीतला से बचने के उपाय।

(३) हवा के बिगड़ने के कारण। १२

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गणित

[परीक्षक—श्री० हीरालाल खन्ना, एम. एस-सी.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

१. (१) सरल कीजिए—

$$\frac{५\frac{५}{८}}{६\frac{३}{७}} \text{ का } \frac{६\frac{७}{११}}{९\frac{१}{८}} \div \frac{\text{७ रु० ८ आने}}{\text{१२ रु० ८ आने}} \text{ का } \frac{१}{३}\left(२\frac{३}{११}+\frac{१३}{२२}\right)$$ १०

(२) चार दशमलव के स्थान तक वर्गमूल निकालिए—

$१-(\cdot०६७८)^{२}$ ८

२. एक बनिया ४ रु० प्रतिमन के भाव का २० मन गेहूं, ३ रु० ८ आने प्रतिमन के भाव के कुछ गेहूं में मिला कर मिले हुए गेहूं को ३ रु० १२ आने प्रतिमन के भाव से बेचता है तो उसे १० रु० का लाभ होता है। बतलाइए प्रतिशत उसको क्या लाभ हुआ ? १५

३. एक व्यापारी अपने माल पर दो प्रकार के दाम लगाता है, एक नगद देकर लेने वालों के लिए और दूसरा ६ महीने के उधार पर लेने वालों के लिए। उधार के दाम में $१२\frac{१}{२}$ प्रतिशत प्रतिवर्ष ब्याज का मिला हुआ है। यदि किसी वस्तु का उधार दाम २६ रु० ९ आ० हो तो उस वस्तु का नगद दाम क्या होगा ? १०

४. उदाहरण देकर समझाइए कि यदि किसी भिन्न के अंश और हर को उसी संख्या से गुणा कर दें तो भिन्न के मान में कोई अन्तर नहीं पड़ेगा। ५

५. एक वर्गाकार आंगन का प्रत्येक किनारा ३५ फुट है; दस इंच लम्बी, ५ इंच चौड़ी और ४ इंच मोटी ईंटों से आंगन को पक्का कराने में कम से कम कितना खर्च पड़ेगा। जब

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ईंटों का भाव ८ रु० हज़ार हो और प्रति १०० ईंटों के बैठाने में आठ आने और ख़र्च पड़े ? १२

६. लकड़ी के ३ लट्ठे १० गज़ २ फुट ६ इंच, ८ गज़ २ फुट, और ६ गज़ १ फुट ६ इंच लम्बे हैं; कितनी लम्बी धन्नियां काटी जायं कि प्रत्येक की लम्बाई समान हो और किसी लट्ठे में से कोई छोटा या बड़ा टुकड़ा न बचे ? ऐसी कितनी धन्नियां निकल सकती हैं ? १०

७. एक लड़के ने अपने पैसों का ·८ एक मनुष्य को दिया, शेष के ·०६ से उसने आम ख़रीदे । अब उसके पास केवल चार आने रह गये तो पहले कितने पैसे थे ? ८

८. क और ख एक काम को ८ दिन में कर सकते हैं। ख अकेला ही ४ दिन तक काम करके छोड़ दे तो शेष काम को समाप्त करने के लिए क को कितने दिन काम करना पड़ेगा ? १०

९. एक ख़रगोश एक शिकारी कुत्ते से ३० गज़ आगे है। ख़रगोश जितनी देर में चार छलांगे भरता है कुत्ता केवल तीन ही छलांग भर पाता है, यद्यपि कुत्ता एक छलांग में $२\frac{१}{२}$ गज़ जाता है और ख़रगोश $१\frac{१}{२}$ गज़ । यदि कुत्ता ख़रगोश को पकड़ना चाहे तो पकड़ सकता है या नहीं और पकड़ सकता है तो कितनी दूरी पर ? १२

मुनीमी १

[परीक्षक—श्री० गौरीशङ्कर प्रसाद, बी. ए., एल-एल. बी.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००—सब प्रश्नों में बराबर अंक हैं

१. साधारण महाजनी कारबार करने के लिए कम से कम कौन कौन सी बहियें रखनी आवश्यक हैं—उनमें से किस बही से क्या काम लिया जाता है, स्पष्ट रीति से लिखिये।

२. नीचे लिखे हुए व्यापारों में कौन कौन सी बहियें प्रायः काम में लायी जाती हैं, अलग अलग उनके नाम तथा उपयोग लिखिये।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(क) सर्राफ़ी अर्थात् हुंडियों का लेन देन इत्यादि।

(ख) अनाज की आढ़त।

(ग) कपड़े की थोक बिक्री की दूकान जिसमें देसावर से माल आता जाता है।

(घ) चीनी और केराने की बड़ी दूकान।

(ङ) छोटी परचून की दूकान।

३. लेखा बही या खतिऔनी किसे कहते हैं? काम काज में इस बही के द्वारा क्या सुविधा होती है और इस प्रकार की बही न रखने से क्या कठिनाइयां हो सकती हैं?

४. अंग्रेज़ी चाल के बंकों में कौन कौन रजिस्टर हुआ करते हैं? उनका अलग अलग नाम तथा उनके काम का पूरा हाल लिखिये।

जेनरल लेजर और परसनल लेजर किनको कहते हैं—इसमें क्या अन्तर है?

५. आपने रामप्रसाद श्यामप्रसाद की लिखी लक्ष्मीप्रसाद राधाप्रसाद कलकत्ता ऊपर तथा गयाप्रसाद गोवर्धनदास के रखे ५०००) की हुंडी मिती वैशाख बदी १ से दिन ६१ पीछे की मिती जेठ सुदी १ को दर २) बट्टे में मेघराज हरविलास से ख़रीदा, और उसे उसी दिन अपने कलकत्ते के अढ़तिये सरगप्रसाद सीतलप्रसाद के नाम भेज दिया।

(क) अपनी बही में इस व्यवहार का जमा ख़र्च महाजनी रीति से आप कैसे करेंगे? उत्तर की पुस्तक में बही की रीति से पूरा पूरा जमा ख़र्च कीजिये।

(ख) आपका अढ़तिया उस हुंडी को पाकर बेचा करेगा, उसका पूरा ब्योरा लिखिये।

६. कहह की रोकड़ बची हुई आपके पास १४१७।=)। है। आपने गंगाप्रसाद की आढ़त से ११५ कनस्टर घी जिसमें ।५६॥=) फ़ी कनस्टर माल है दर ४६।=) मन के भाव ख़रीदा और उनको १०००) दाम मध्ये दिया। रामखिलावन हलवाई के हाथ आपने ९५ कनस्टर घी दर ४७।=) मन के भाव बेचा, जिसमें से उसने

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

४००) आपको दिया—भगवानदास हलवाई से पिछले बक़ाये का ४७६।=)।।। असल और २७।=) व्याज का मिला—१५) आपने अपने मुनीब को तनख़ाह मध्ये दिया—५।≡) घर के ख़र्च में लगा—रामसरन व्योपारी ने आपको १५० बोरे गोदाम में बतौर अढ़तिये के रख लिया और व्योपारी को १२००) माल पेटे दिया और बिल्टी छोड़ाने में ६७=)।। ख़र्च पड़ा।

ऊपर लिखे व्यवहारों को वही की रीति से अपनी उत्तर पुस्तक में लिखिये और बिध मिला डालिये।

७. साल के अन्त में अथवा जब चाहें अपनी स्थिति या कार-बार की अवस्था स्पष्ट रूप से जानने के लिए आप क्या क्या करेंगे, उसे विशेष रीति से लिखिये।

मुनीबी २

[परीक्षक—श्री० गौरीशङ्कर प्रसाद, बी. ए., एल-एल. बी.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००—प्रत्येक प्रश्न में बराबर अङ्क हैं।

१. युद्धऋण साधारण ५) सैकड़े व्याजवाला दर ६५) सैकड़े भाव में और मामूली गवर्नमेंट प्रामेसरी नोट ३।।। सैकड़े व्याज का दर ६६) सैकड़े भाव में मिलता है और इन दोनों में ही व्याज की रक़म पर –) प्रति रुपया इनकम टिकस देना पड़ता है। ५।।) सैकड़े का वार बांड (war bond) बराबर में मिलता है और इसकी आमदनी पर टिकस माफ़ है। आपके पास दस हज़ार रुपया है तो आप किस प्रकार के काग़ज़ में रुपया लगावेंगे और हर प्रकार से क्या क्या वार्षिक नफ़ा होगा।

२. ।–) प्रति गज़ के भाव से ४० गज़ मलमल आपने मोल लिया और आध गज़ वर्ग के (मुरब्बा) बराबर बराबर के रूमाल फाड़ कर फ़ी रूमाल)।। उसके किनारों की सिलाई का दिया और दो दो आना फ़ी रूमाल बेंच डाला तो आपको कुल क्या लाभ हुआ?

३. जमा ख़र्ची और कटुवा व्याज फैलाने की रीतियों को उदाहरण के साथ समझाइये-

५०१) सावन बदी ५	१२००) असाढ़ सु० २
४००) सावन सु० ८	१३००) सावन सु० ३

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

११०० भादो बदी १०	२५००) भादो ब० ५
३१००) भादो सु० ७	७००) भादो सु० १४
१६००) कुवार बदी १३	१५००) कुवार सु० १
५००) कातिक बदी ११	२७००) कातिक ब० ८

ऊपर लिखे सरख़त का महाजनी रीति से कातिक सु० १५ तक का ब्याज फैलाकर महीना आंक रखिये और ॥) सैकड़े के हिसाब से ब्याज लगाइये।

४. १५७६५३ गोजई दर ।५२। के भाव ख़रीदा उसे साफ़ कराने में ।) मन ख़र्च पड़ा और ६००५ गेहूं दर ५६ का ५००५ जौ दर ।५३ का ७५५ सरसों दर ८५ का और ७५५ तीसी दर ५८॥ सेर वो २०५ बेझरा दर ।५५ का बेंच डाला। बाक़ी मिट्टी कूड़ा निकला तो इस व्योपार में आपको कितने सैकड़े का नफ़ा हुआ।

५. नीचे लिखे पत्रों पर कितने का और कैसा स्टाम्प लगेगा और लिखने की तिथि से कितनी मियाद के भीतर उनके बाबत नालिश अदालत में दाख़िल होनी चाहिये।

(क) १०००) की हुंडी कातिक बदी १५ सम्वत् १९७२ से दिन ६१ पीछे की।

(ख) २०००) की पहुंचे दाम की हुंडी।

(ग) १५) का हैंड नोट।

(घ) १६) की रसीद।

(ङ) १०००) का रेहननामा भोकबंधक जिसमें ५ बरस की मियाद बाद रुपया देने की प्रतिज्ञा तथा नालिश करने का अधिकार दिया हुआ है।

(च) १५००) का रेहननामा दिष्टबंधक।

६. आपका रुपया किसी के यहाँ घी के दाम का बाक़ी है तो साधारणतः आपको कितनी अवधि के भीतर नालिश करनी चाहिये।

उस अवधि को बढ़ाने के लिए आपका असामी क्या क्या और कब कब कर दे तो आपकी मियाद बची रहे।

७. दिये लेख की नागरी अक्षरों में प्रतिलिपि कीजिये।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

आरायज़नवीसी व कारिन्दगरी १

[परीक्षक—पं० महेशदत्त शुक्ल, बी. ए., एल-एल. बी.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००—सब प्रश्नों में बराबर अंक हैं।

[नोट—प्रश्नों का उत्तर लिखने में इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिये कि जहाँ तक संभव हो अर्बी और फ़ारसी के क्लिष्ट शब्द न प्रयोग किये जायं।]

१. एक वकालतनामा लिखिए।

२. राम प्रसाद ने लाला कालिन्दी प्रसाद से १००) रु० ऋण मि० पौष कृष्ण ६ सं० १९७३ को २) मासिक प्रति सैकड़ा ब्याज पर लिया और ६ महीने के बाद ऋण ब्याज सहित देने की प्रतिज्ञा की। उपर्युक्त समय पर ऋण चुकता नहीं किया गया। लाला कालिन्दी प्रसाद व्यौहार लाना (नालिश करना) चाहते हैं, अर्ज़ी-दावा लिखिए।

३. (अ) इन्सालवेण्ट (दिवालिया) होने के निवेदन पत्र में किन किन बातों की आवश्यकता है।

(इ) मुफ़लिसी में नालिश करने के लिए निवेदन पत्र लिखिए।

४. निम्न लिखित शब्दों की परिभाषा लिखिए।

ख़सरा, जमाबन्दी, स्याहा, तमस्सुक, ज़मानत-नामा, भोग-बन्धक, गवाह और फ़ैसला।

५. निम्न लिखित शब्दों के हिन्दी पर्यायवाची शब्द लिखिए।

मुद्दई, मज़कूर, इस्तग़ासा, मुक़द्दमा, फ़रार होना, मुतवफ़्फ़ा, मुतवफ्फ़ी।

६. एक भूमि का विक्रयपत्र (बैनामा) लिखिए।

आरायज़नवीसी व कारिन्दगरी २

[परीक्षक—श्री० कुंवर हरप्रसाद सिंह वकील हाई कोर्ट]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

१. निम्न लिखित दस्तावेज़ों पर किस हिसाब से स्टाम्प लगेगा। १२

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(क) विक्रयपत्र (बयनामा)।

(ख) दत्तकपत्र (तबनियत नामा) अर्थात् ऐसा पत्र जिसके द्वारा गोद ली जाती है।

(ग) दृष्ट-बन्धक पत्र (रहननामा बिला क़ब्ज़ा)।

२. जब ब सड़क पर करनलगंज से कटरा जा रहा था अ ने पिछले बैर के कारण ब को ३ बेंत मारे और ब से कहा कि तू चोर है और तूने सैकड़ों को धोखे दिये हैं। उस समय जब अ ने यह वाक्य कहे सड़क पर सैकड़ों मनुष्य चल रहे थे। ब एक प्रतिष्ठित पुरुष प्रयाग नगर का है। ब का विचार अ पर अदालत फ़ौजदारी में दावा दायर करने का है। आप उसकी ओर से दोषारोपण पत्र (इस्तिग़ासा) लिख दीजिये परन्तु उस में जहां तक हो सके जुर्म और किस दफ़ा और किस क़ानून के अनुकूल जुर्म हो लिखिए। २०

३. निम्न लिखित प्रार्थनापत्रों पर कितनी कोर्ट फ़ीस लगनी चाहिये। १२

(क) दोषारोपण पत्र (इस्तग़ासा)।

(ख) (दीवानी) में प्रतिलिपि (नक़ल) के लिए निवेदन पत्र।

(ग) (फ़ौजदारी) में प्रतिलिपि (नक़ल) के लिए निवेदन पत्र।

४. १०००) के प्रोनोट (इन्दुलतलब रुक्का) पर और ५) के प्रोनोट पर कितने का टिकट लगाना चाहिये और किस क़िस्म का? ८

५. कारिन्दे को कितने काग़ज़ात रखने चाहियें जिस में हिसाब वसूल तहसील का ठीक रहे और पटवारी भी धोखा न दे सके। ६

६. वर्षा ऋतु में जो फ़सल बोई जाती है उसे क्या कहते हैं और उसमें कौन कौन से अन्न होते हैं? ५

७. अ ज़मींदार है ब काश्तकार ग़ैर दख़ीलकार है, ब को अ बेदख़ल करना चाहता है, ब की मुद्दत काश्त ५ साल है। कृपया बेदख़ली की नालिश तय्यार कर दीजिये। १४

८. दिये हुए उर्दू लेख को नागराक्षरों में लिखिए। २०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मध्यमा परीक्षा १९७४

साहित्य १

[परीक्षक—पं० सत्यनारायण कविरत्न]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

१. हे हरि कस न हरहु भ्रम भारी। १५
यद्यपि मृषा सत्य भासै जब लगि नहिं कृपा तुम्हारी॥
अर्थ अविद्यमान जानिय संसृति नहिं जाइ गुसाईं।
बिनु बांधे निज हठ सठ परबस पस्यो कीर की नाईं॥
सपने व्याधि विविध बाधा भई मृत्यु उपस्थित आई।
वैद्य अनेक उपाय करहिं जागे बिनु पीर न जाई॥
श्रुति गुरु साधु समृति सम्मत यह दृश्य सदा दुखकारी।
तेहि बिनु तजे भजे बिनु रघुपति विपति सकै को टारी॥
बहु उपाय संसार तरन कहँ विमल गिरा श्रुति गावै।
तुलसिदास "मैं" "मोर" गये बिनु जिय सुख कबहुँ न पावै॥

(क) उक्त पद का भावार्थ स्पष्ट लिखिये।

(ख) गोस्वामी तुलसीदास का "भारी भ्रम" से क्या वही अभिप्राय है जो आजकल समझा जाता है? उसके दूर करने को जो जो उपाय उन्होंने बताये हैं वे आत्म अभ्युदय में कहाँ तक सहायक हो सकते हैं, इसपर आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये।

२. गढ़ तस बांक जैस तोर काया। पुरुष देखि ओही की छाया॥ १५
पाई नाहिं जूझ हठ कीन्हे। जें पावा तें आपुहिं चीन्हे॥
नौ पंवरी ते गढ़ मझियारा। औ तहं फिरहिं पांच कुतवारा॥
दशों द्वार गुप्त एक नाके। अगम चढ़ाव बाट सुठ बांके॥
भेदी जाय कोई वह घांटी। जौ लहि भेद चढ़ै होय चांटी॥

(क) उक्त पद्य में किस गढ़ का वर्णन किसके द्वारा किया

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गया है और किस अवसर पर किससे किया गया है। इस पद्य में दी हुई उपमा को भली भाँति दरसाइए।

(ख) मलिक मुहम्मद जायसी के धार्मिक विचार एवं उनकी अन्य मतावलम्बियों के साथ सहानुभूति के विषय में अपनी सम्मति लिखिये।

३. मूली-भूता प्रणय विविधा-बुद्धि की वृत्तियां हैं। १२
हो जाती हैं समधिकृत जो व्यक्ति के सद्गुणों से।
ये होते हैं नित-नव, तथा दिव्यता-धाम स्थायी।
पाई जाती प्रणय-पथ में स्थायिता है इसी से ॥ १ ॥

जो होता है निरत तप में मुक्ति की कामना से।
आत्मार्थी है, न कह सकते आत्मत्यागी उसे हैं।
जी से प्यारा जगत-हित औ' लोक-सेवा जिसे है।
प्यारी सच्चा अवनितल में आत्मत्यागी वही है ॥ २ ॥

(क) उक्त पद्यों का भावार्थ सरल भाषा में लिखिये। इनमें किस छन्द का प्रयोग किया गया है? उसका लक्षण बताइए।

(ख) लोक-सेवा से क्या तात्पर्य है। कवि की यह नीति आपको कहांतक स्वीकृत है। इसपर विवेचनात्मक स्व-सम्मति दीजिए।

४. अगिन की लपटैं इमि हैं नहीं, विरह की झर ज्यों विषमै कहीं। १५
बिरह सों युवती अति ही डरैं, मृतक लै हँसि पावक में जरैं॥१॥

दिगपालन के सब अंश मिलें, बहु भूपति देव स्वरूप सुहायो।
तिहि कों मिलि हौं करि ब्याह उछाह भयो यह वासव को मन भायो।
कहि चाटु उचाटु करैं कत तैं छिति शैल सतीनको कानै चलायो॥
न सकौं बरिहौं डरिहौं न तऊ नल कों बरिहौं यह मैं ठहरायो ॥२॥

(क) उक्त पद्यांश कहां से उद्धृत किये गये हैं? इनका सरल भावार्थ लिखिये।

(ख) पिछले सवैया में कौन नायिका है? उसका लक्षण दीजिये।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(ग) नायिका भेद किसे कहते हैं ? उसे साहित्य से निकाल देने से क्या हानि अथवा लाभ होने की सम्भावना है ? कारण स्पष्ट लिखिये ।

५. दच्छिन नायक एक तुही भुवि भामिनि को अनुकूल ह्वै भावै । १३
दीनदयाल न तो सो दुनी पर म्लेच्छके दीनहिं मारि मिटावै ।
श्री शिवराज भनै कवि भूषण तेरे सरूप को कोउ न पावै ।
सूर सुबंस में सूर सिरोमनि है करि तू कुलचन्द कहावै ॥

(क) उपर्युक्त सवैया में रेखाङ्कित शब्दों की टीका कीजिये । इस पद्य में जो अलङ्कार हों उनका लक्षण उदाहरण सहित दीजिये ।

(ख) भूषण की कविता किस विशेष गुण के कारण आजकल आदरणीय समझी जाती है । अपने समय में भूषण की उद्देश्य.पूर्ति कविता द्वारा कहां तक हुई ?

६. पद्मावत की भाषा से जायसी का समय निश्चित कीजिये । इस कवि की रचना-शैली का किस सीमा तक अनुकरण तथा अनुसरण किया गया । यथासम्भव उदाहरण सहित उत्तर दीजिये । १०

७. विविध तरंगाकुल यमुना यद्यपि आती थी । २०
उमड़ा कर निज हृदय वेदना प्रगटाती थी ।
मनों सोच जल में डूबी बहती जाती थी ।
कभी भँवर भ्रम में पड़ तट से टकराती थी ।
बस जान आर्य-गौरव गया सुधि बुधि तजि बन सोगिनी ।
रज तन लपेट रमने लगी मानों कोई योगिनी ॥ १ ॥

सुख दुख में नित एक हृदय को प्रिय विराम थल ।
सब विधि सों अनुकूल बिसद लच्छन मय अविचल ।
जासु सरसता सकै न हरि कबहूँ जरठाई ।
ज्यों ज्यों बाढ़त सघन सघन सुन्दर सुखदाई ।
जो अवसर पै संकोच तजि परिणत दृढ़ अनुराग सत ।
जग दुर्लभ सज्जन प्रेम अस बड़भागी कोऊ लहत ॥ २ ॥

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(क) उक्त छन्दों का अनुवाद सरल स्वच्छन्द भाषा में कीजिये।

(ख) रेखाङ्कित शब्दों की पद-व्याख्या कीजिये।

(ग) द्वितीय छन्द का वाक्य विश्लेषण कीजिये।

साहित्य २

[परीक्षक—पं० श्यामबिहारी मिश्र, एम. ए.]

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

१. निम्न-लिखित अवतरणों को भली भाँति समझाइए—

(क) ऊधौ तहाँई चलो लै हमैं जहँ कूबरी कान्ह बसैं इक ठौरी।
देखिए दास अघाय अघाय तिहारे प्रसाद मनोहर जोरी॥
कूबरी सों कछु पाइए मंत्र लगाइए कान्ह सों प्रेम की डोरी।
कूबर भक्ति बढ़ाइए बन्दि चढ़ाइए चन्दन बन्दन रोरी॥

ऊपर की सवैया में दो मुख्य शब्दालंकार बताइए। इस में कौन सा रस है? उसके चारों अंगों (स्थायी, विभाव, अनुभाव, व्यभिचारी) का एक एक उदाहरण इसी सवैया से दीजिए तथा ध्वनि और व्यंग्य का भी एक एक उदाहरण दीजिए और सब बातों को समझाइए। २५

(ख) प्राकृतों में अपभ्रंश नाम से जिस प्राकृत का परिचय प्राकृत भाषा के सुपंडित वैयाकरण मात्र ने दिया है उसके गर्भ में ही बीज रूप से पंजाबी भाषा और हमारी वर्तमान हिन्दी का अस्तित्व आप सहज में देख सकते हैं। ६

इस पर अपनी अनुमति लिखिए।

(ग) सकल कुसुम रस पान करि मधुप रसिक सिरताज।
जो मधु त्यागत ताहि लै होत सबै जग काज॥

इस दोहे से राक्षस मंत्री ने क्या ध्वनि निकाली? ५

२. शाकटायन के सिद्धांत, "सब नाम धातुज हैं" का द्वितीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन के सभापति ने कैसे समर्थन किया है? ६

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

३. राक्षस मंत्री की चार भूलों की कारणों सहित विवेचना कीजिए। १०

४. सम्पत्ति के उपभोग विषयिनी तीन मुख्य शिक्षाओं की व्याख्या कीजिए। ८

५. सौंदर्य्योपासक का उसकी साली पर आशक्त होने के विषय में अपना विचार कारण सहित लिखिए। ७

६. नाटक का नायक कैसा होना चाहिए? नाटक के गुण दोषों पर नायक निर्वाचन का क्या प्रभाव पड़ता है? ६

७. वासवदत्ता की कथा संक्षेप से लिखिए। ५

८ (क) निम्न-लिखित क्रियाओं से सकर्मक और प्रेरणार्थक क्रियाएँ बनाइए:—जागना, डूबना, पीना। ६

(ख) कृदन्त और तद्धित का भेद समझाइए और दोनों के दो दो उदाहरण दीजिए। ८

९. निम्न-लिखित पद में मुख्य अर्थालङ्कार समझा कर लिखिए—

कमला क्यों थिर ह्वै सकै जासु चंचला नाम? ८

साहित्य ३

[परीक्षक–राय साहब पं० रघुवर प्रसाद द्विवेदी, बी. ए.]

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

निम्न-लिखित विषयों में से किसी एक पर लेख लिखिये—

१. हिन्दुओं के प्रधान त्यौहार और उनके मनाने की विधि।

२. राष्ट्र-भाषा की आवश्यकता और उसके लिए हिन्दी की उपयुक्तता।

३. श्री रामचरितमानस धर्म्म-नीति-शिक्षा का भंडार है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

साहित्य ४

[परीक्षक—पण्डित शुकदेवविहारी मिश्र, बी. ए.]

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

१. हिन्दी के प्राचीन अंकक्रम में नौ अंकों के अतिरिक्त शून्य का काम कैसे निकाला जाता था? हिन्दी लिपि का नाम देवनागरी किस कारण से पड़ा? प्राचीन अंकों और अक्षरों के रूपों में समय समय पर जो परिवर्त्तन हुए हैं उसके मुख्य कारण क्या हैं? १०

२. पहली, पांचवीं और दशवीं शताब्दियों में हिन्दी में पांच (५) का अंक कैसे लिखा जाता था? ५

३. भारतेन्दु जी ने नाटक के काव्यमिश्र, शुद्धकौतुक और भ्रष्ट नामक तीन भेद लिखे हैं। इन तीनों के लक्षण लिखिये। नाटक और प्रहसन में भेद बतलाइये। ७

४. "संस्कृत के प्रधान नाटकों का जब निर्माण हुआ था तब यवनिका आदि का प्रबन्ध था"। इसके मुख्य प्रमाण लिखिये। ७

५. मिश्र-बन्धुविनोद में हिन्दी साहित्य के आठ समय विभागों के नाम और संवत् लिखिये तथा यह बतलाइये कि प्रत्येक काल में हिन्दी भाषा तथा साहित्य की मोटे प्रकार से क्या दशा रही? अज्ञातकाल उत्तर से छोड़ दीजिये। २०

६. हिन्दी का पहला गद्य लेखक कौन था? प्रौढ़ माध्यमिक काल में हिन्दी भाषा तथा साहित्य की क्या दशा थी? १५

७. सेनापति ने रचना कब की थी? उनकी काव्यशैली पर टिप्पणी लिखिए। १०

८. लल्लूजी लाल और सदल मिश्र की हिन्दी में क्या भेद था? ६

९. ठाकुर शिव सिंह सेंगर के सरोज एवं अन्य रचनाओं की कुछ समालोचना गर्भित कथन कीजिये। १०

१०. हिन्दी नाटकों का सूक्ष्म इतिहास लिखिए। १०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

इतिहास १

[परीक्षक—श्री० नरेन्द्र देव, एम. ए., एल-एल. बी.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[प्रश्न १ और ६ अनिवार्य्य हैं। ८ प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ३ से कोई एक प्रश्न करना आवश्यक है। स्पष्टता के लिए ४ अंक नियत हैं।]

१

१.* अशोक महाराज का संक्षिप्त इतिहास लिखिये। १५

२. बुद्धदेव का जीवन चरित संक्षेप में लिखिये और उनके मुख्य मुख्य सिद्धान्तों का उल्लेख कीजिये। ११

३. चीनी यात्री फ़ाहियान के भारत भ्रमण का संक्षिप्त विवरण लिखिये। ११

४. आधुनिक सभ्यता से तुलना करते हुए अपनी प्राचीन सभ्यता के संबन्ध में आपने क्या मन्तव्य स्थिर किया है? ११

५. एलोरा गुफा, भरहुत, विक्रमादित्य, धम्मपद, कनिष्क, कालिदास, सांची, विहार, गिरनार और आर्यावर्त्त पर छोटे छोटे नोट लिखिये। ११

२

६.* अकबर के समय मुग़ल साम्राज्य का कितना विस्तार था? भारतवर्ष का मानचित्र खींच कर दिखलाइये। १५

७. अकबर की तुलना औरंगज़ेब के साथ कीजिये। दोनों की नीति में क्या भेद था? ११

८. अंग्रेज़ और फ़रासीसियों के परस्पर युद्ध का कारण लिखिये और यह भी बतलाइये कि अन्त में अंग्रेज़ किस प्रकार विजयी हुए। ११

९. अंग्रेज़ों का सिक्खों के साथ जो अन्तिम युद्ध हुआ उसका संक्षिप्त विवरण और फल लिखिये। ११

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

१०. लार्ड डलहौसी की ज़ब्ती की नीति क्या थी और वह कहां तक सफल रही ? ११

३

११. चाणक्य के अर्थ शास्त्र के आधार पर भारतीय शासन पद्धति का संक्षिप्त विवरण लिखिये। ११

१२. शिवाजी महाराज के शासन-व्यवस्था के संबन्ध में एक छोटा निबन्ध लिखिये। ११

१३. शासन और विचार विभागों को पृथक् रखने से क्या लाभ है ? ११

१४. बड़े लाट की व्यवस्थापक सभा का संगठन किस प्रकार होता है ? सदस्यों के अधिकार क्या हैं और भारतवासियों के नेता इसमें योग देकर कहां तक देश का उपकार करने में समथ हो सकते हैं ? ११

इतिहास २

[परीक्षक--श्री० ताराचन्द, एम. ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[केवल ६ प्रश्नों के उत्तर लिखने चाहियें। प्रत्येक प्रश्न में बराबर अङ्क हैं।]

१. युरोप के इतिहास के अध्ययन से जो लाभ आपको हुए हैं उनको वर्णन कीजिये।

२. भारत वर्ष का इतिहास किस सामग्री से निर्माण किया जा सकता है ? पुराणों की कथाओं से इसमें कहां तक सहायता मिलती है ?

३. "इतिहास के चिरानुभूत नियम के अनुसार प्रत्येक देश, प्रत्येक राज्य, प्रत्येक जाति का अभ्युत्थान, उन्नति, शिखरारोहण तथा पतन अनिवार्य है"। व्याख्या कीजिए।

४. रोम साम्राज्य के अधःपतन के कारण क्या थे ? इसमें टिउटन जातियों ने क्या भाग लिया ?

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

५. माध्यमिक काल में पोपों के इतिहास के महत्व बतलाइये।

६. सामयिक युरोप में राजनीति तथा समाज सम्बन्धी जो विचार फैल रहे हैं उन पर टिप्पणी लिखिये।

७. हेनरी द्वितीय के राज्य काल का वर्णन कीजिये और जो प्रभाव उसके कार्यों का इङ्गलैंड पर पड़ा उस पर दृष्टि डालिये।

८. जेम्ज़ प्रथम तथा चार्ल्स प्रथम के समय में राजा तथा प्रजा में जिन कारणों से विवाद हुआ उनको समझाइये।

९. चौदहवीं शताब्दी में फ्रांस की क्या दशा थी? वहां के राज-शासन को किस बड़ी आपत्ति का साम्हना था और क्यों कर वह इस आपत्ति से निर्मुक्त हुआ?

१०. फ्रांस के महान विप्लव के कारण लिखिये और इस विप्लव-से जो लाभ युरोप को पहुंचे हैं उनकी व्याख्या कीजिए।

११. सोलहवीं शताब्दी के प्रारंभ में जर्मनी की राजनैतिक सामाजिक तथा धार्मिक दशा क्या थी?

१२. वर्त्तमान युरोपीय महा संग्राम के कारण वर्णन कीजिए।

गणित

[परीक्षक—श्री० ब्रजराज, बी. एस-सी., एल-एल. बी.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[केवल ८ प्रश्नों के उत्तर लिखने चाहिएं। प्रत्येक प्रश्न में बराबर अङ्क हैं।]

१. (१) यदि क + ख + ग = १८०°, तो सिद्ध कीजिए कि ज्या क + ज्या ख + ज्या ग = ४ कोज्या $\frac{क}{२}$. कोज्या $\frac{ख}{२}$. कोज्या $\frac{ग}{२}$।

(२) ज्या २२$\frac{१}{२}$° किस के तुल्य है?

२. किसी त्रिभुज की दो भुजाएं ८५ और ७५ गज़ हैं और

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

इनके बीच का कोण ७५ है। शेष अवयव निकालिए, यह दिया है कि

घ १६० = २·२०४१२, घास्प ५२°३०′ = १०·११५०२,

घा स्प ४°४०′ = ८·९१०९

३. दो बांस क ख और च छ किसी नदी के तीर पर इस प्रकार से गड़े हैं कि क च = क ख। च छ इतना ऊंचा है कि क के ठीक सामने दूसरे तीर पर यदि एक स्थान अ लें तो यहां से क ख और च छ के सामने के कोण तुल्य होंगे। सिद्ध कीजिए कि नदी का पाट

$$= \frac{\text{क ख}}{\sqrt{\text{च छ}^2 - \text{क ख}^2}}$$

४. सिद्ध कीजिए कि

(१) छेरे^{2} अ (१ + छेरे २ अ) = २छेरे २अ।

(२) को छेरे अ = कोस्प अ + √३. तो अ के जितने मान हो सकते हैं सब बतलाइये।

५. सिद्ध कीजिए—किसी वृत्त की स्पर्श रेखा और उस चापकर्ण से जो स्पर्श विन्दू से खींचा गया हो जो कोण बनते हैं वे यथा क्रम से वृत्त के एकान्तर चापक्षेत्र के कोणों के समान होते हैं।

६. (१) सिद्ध कीजिए कि किसी त्रिभुज के तीनों कोण मिलकर दो समकोण के समान होते हैं।

(२) सिद्ध कीजिए कि किसी त्रिभुज के तीनों मध्यगत अनुषंगी होते हैं।

७. यदि दो त्रिभुज एक दूसरे के समकौणिक हों तो उनकी संगत भुजाएं भी आनुपातिक होंगी।

८. जिन तीन संख्याओं के अन्तरों का अन्तर १ और जिन का योग १६ और वर्गों का योग ११० होता है, वे तीनों संख्या क्या हैं?

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

९. य और र किस के तुल्य हैं।

(१) $य^2 + र^2 = २०७१$
$य^2 र + य र^2 = १५९६$

(२) $\frac{१}{य-१} + \frac{१}{य-२} + \frac{१}{य-३} = ०$

१०. वर्ग मूल निकालिए:—

(१) $१-२य\sqrt{१-य^2}$

(२) $२२+१०\sqrt{-३}$

दर्शन

[परीक्षक—पाण्डेय जगन्नाथप्रसाद, एम. ए., एल-एल. बी., काव्यतीर्थ, दर्शनकेसरी]

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

[पांच प्रश्नों के सन्तोषप्रद उत्तर देने से पूर्णाङ्क मिलेंगे]

१. कालः स्वभावो नियतिर्यदृच्छा
भूतानि योनिः पुरुष इति चिन्त्यम्।
संयोग एषां न त्वात्मभावा-
दात्माप्यनीशः सुखदुःखहेतोः॥

उक्त भाव की विशद व्याख्या कीजिए और पाश्चात्य दर्शनों में इसकी जितनी उपपत्तियाँ आपको मिली हों उनका वर्णन करते हुए अपना मत सयुक्ति सिद्ध कीजिए।

२. द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया समानं वृक्षं परिषस्वजाते। तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्वत्त्यनश्नन्नन्योऽभिचाकशीति॥

ऊपर दिये हुए सिद्धान्त का युक्ति सहित वर्णन करके जीवात्मा और परमात्मा के भेद को स्पष्ट कीजिए। इस सम्बन्ध में हेगेल के सिद्धान्त का भी विशद वर्णन कीजिए।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

३. अफ़्लातूँ प्रदर्शित शिक्षा प्रणाली का वर्णन कीजिए और उसके दार्शनिक सिद्धान्तों की सयुक्तिक परीक्षा सहित उसके विख्यातनामा शिष्य का मत सिद्ध कीजिए।

४. महादार्शनिक कान्त के शुद्ध ज्ञान-परीक्षा का सुबोध उपपादन कीजिए। ह्यूम तथा कान्त प्रदर्शित कार्य-कारण-भाव-सम्बन्धी विचार तारतम्य का भी विशद वर्णन कीजिए।

५. संशयवाद में डे कार्टके प्रतिपाद्य "मैं सोचता हूं इसलिए मैं हूँ" की क्या आवश्यकता है? स्पष्ट रीति से इस आचार्य के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए और इसके दर्शन पर जो दो मुख्य संदेह हैं उनके मैलेब्रांश-प्रदत्त समाधान की आलोचना कीजिए।

६. विकासवाद अथवा कार्य-कारण भाव पर भिन्न भिन्न अनुकूल तथा प्रतिकूल सिद्धान्तों के अवतरण सहित एक प्रबन्ध लिखिये।

७. अफ़्लातूँ और अरस्तु के जीवनचरित तथा दर्शन पर परस्पर तुलनात्मक प्रबन्ध लिखिए।

विज्ञान

[परीक्षक—श्री० गोपालस्वरूप भार्गव, एम. एस-सी.]

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

[प्रत्येक विभाग से एक एक प्रश्न करना आवश्यक है। ७ प्रश्नों के करने से पूर्णाङ्क प्राप्त हो सकते हैं]

१

१. एक कमरे में पांच लम्प रखे हैं, यदि उसमें कोई मनुष्य प्रवेश करे, तो उसकी कितनी छाया पड़ेंगी?

एक दीवार से कुछ दूरी पर एक लम्प रखा है। यदि कोई मनुष्य लम्प से दीवार की ओर जाय, तो उसकी छाया में जो दीवार पर पड़ती है क्या परिवर्तन होंगे?

२. यदि सूर्य के प्रकाश की कोई किरण किसी त्रिपार्श्व (तिपहल) में होकर निकले, तो उसमें क्या परिवर्तन हो जायगा। सविस्तार लिखिये।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

३. "जो वस्तुएँ शब्द करती हैं वह कांपती रहती हैं" क्या उपरोक्त कथन सत्य है ? इसके प्रमाण में कुछ प्रयोगों का वर्णन कीजिए।

४. बादल की गरज और बिजली की चमक में क्या सम्बन्ध है ? गरज सुनाई देने के पहले बिजली की चमक क्यों दिखाई देती है ? किसी कुएँ में पत्थर डाला जाला जाय तो पत्थर पानी में डूबता पहले दिखाई देगा या उसके डूबने का शब्द पहले सुनाई देगा ? यदि कुंआ ११२० फुट गहरा हो, तो बतलाइये कि पत्थर के डूबने का शब्द, डूबने के कितनी देर पीछे सुनाई देगा ?

२

५. लोहे के एक टुकड़े का विशिष्ट गुरुत्व निकालने की विधि सविस्तार लिखिये। विशिष्ट गुरुत्व और आपेक्षिक घनत्व में क्या सम्बन्ध है ?

६. गर्मी में काले वस्त्र पहनने में क्या हानि है ? किसी काले पीपे में पानी गरम करके धूप में रखे, तो छाया में रखे जाने की अपेक्षा वह क्यों देर में ठण्डा होगा ? कम्बल में लपेट कर या बुरादे में गाड़ कर बरफ़ क्यों रखी जाती है।

७. लम्पों में चिमनी लगाने से क्या लाभ है ? यदि चिमनी छोटी बड़ी कर दी जाय तो क्या होगा ?

८. विद्युत् धारा के गुण लिखिये और इनमें से किसी के द्वारा विद्युत् धारा नापने की विधि वर्णन कीजिये।

९. बिजली की रोशनी के लिए बिजली की धारा किस भांति उत्पन्न की जाती है ?

१०. बिजली कितने प्रकार की होती है और किस भांति उत्पन्न की जा सकती है ? प्रत्येक प्रकार की बिजली के गुण लिखिये।

३

११. विद्युत् घट (बैट्री) किसे कहते हैं ? किसी प्रकार के विद्युत् घट का वर्णन कीजिये और बतलाइये कि उससे पानी का विश्लेषण किस प्रकार किया जा सकता है ?

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

१२. अभिद्रवजन किस भांति बनाते हैं ? यदि ५ ग्राम जस्ता गंधक के तेज़ाब में गला दें तो २३०° श और ७२५ मिलीमीटर के दबाव पर कितनी घन शतांशमीटर गैस निकलेगी ?

१३. गंधकाम्ल किस भांति बनाया जाता है ?

१४. विरञ्जक चूर्ण (रंग उड़ाने वाला) किस भांति तैयार करते हैं और उसका प्रयोग कैसे होता है ?

१५. समुद्र के जल से हरिन कैसे निकाली जाती है ? हरिन के मुख्य गुणों का वर्णन कीजिये।

१६. (१) यदि वायुमण्डल में नत्रजन न होती तो क्या होता ?

(२) यदि सृष्टि के आदि में सौडियम हरिन से मिल कर यौगिक न बनाता, तो संसार की क्या दशा होती ?

(३) नत्रजन किस भांति मनुष्य का सब से भयानक शत्रु और अनुग्राहक मित्र है ?

(४) संसार में ओषजन का भाण्डार ज्यों का त्यों बनाये रखने के लिए प्रकृति ने क्या प्रबन्ध किया है ?

४

१७. जड़ और तने में क्या भेद होता है ?

जड़ कै प्रकार की होती हैं ? जड़ों का क्या उपयोग है ?

जड़ें पृथ्वी में किस ओर जाया करती हैं ?

क्या कोई पौदे ऐसे भी होते हैं जिनकी जड़ें पृथ्वी में न घुसें और आकाश की ओर बढ़ें ?

१८. पूर्ण पत्ती किसे कहते हैं ? पत्तियों के नाड़ी-क्रम और आकृति के विषय में कुछ लिखिये।

१९. क्या पौदे बिना बोए भी उग सकते हैं ? प्रकृति ने बीजों के प्रवास के क्या साधन रचे हैं ?

२०. पूर्ण और अपूर्ण फूल कैसे होते हैं ? अपरिमित पुष्प कै प्रकार के होते हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

२१. पौदे क्या और कैसे खाते हैं? पौदों की शरीर रचना के सम्बन्ध में कुछ लिखिये।

धर्मशास्त्र

[परीक्षक—पं० श्रीकृष्ण ज्योशी]

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

[पहिले ६ प्रश्नों के उत्तर मनुस्मृति के अनुसार होने चाहियें]

१. मनुष्यों, पितरों, देवतों और ब्रह्मा के अहोरात्र अर्थात् दिन रात का और मन्वन्तर के क्या क्या परिणाम हैं। १५

२. जातकर्मादि संस्कारों के नाम, उनका समय और विधि क्या क्या हैं और उपनयन काल की भिन्न भिन्न द्विज वर्णों के लिए क्या व्यवस्था है। १५

३. ब्रह्मचारी के लिए कौन कौन पदार्थ और कौन कौन कर्म वर्जित हैं। ८

४. गृहस्थ ब्राह्मण की जीविका के विषय में मुख्य विधि और निषेध क्या क्या हैं। १२

५. अपुत्र के धन के अधिकारी कौन कौन होते हैं; जब कुल में कोई अधिकारी न रहे तो धन किसको मिलना चाहिये। १०

६. सत्वादि तीन गुणों के स्वरूप, लक्षण, भिन्न भिन्न प्रकार के फल और मुख्य गतियों के विषय में क्या लिखा है। १५

७. वृक्ष, लता इत्यादिकों में श्रवण दर्शनादि शक्ति होने के प्रमाण शान्ति पर्व में क्या लिखे हैं और यह प्रस्ताव किस प्रसंग में है। इस विषय में मनुस्मृति में क्या लिखा है। ५

८. अनुशासन पर्व में दैव और पुरुषकार के विषय में ब्रह्मा और वसिष्ठ मुनि के संवाद का क्या आशय है और उसके समर्थन में मुख्य प्रमाण और दृष्टान्त क्या क्या दिये गये हैं। २०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अर्थ-शास्त्र

[परीक्षक—श्री० संगमलाल, एम. ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[निम्न लिखित १० प्रश्नों में से ७ प्रश्न करने से पूर्ण अंक मिल जायंगे। प्रत्येक प्रश्न में अंक बराबर हैं।]

१. किसी वस्तु को अधिक परिमाण और कम परिमाण में उत्पन्न करने में क्या लाभ और हानि हैं ?

२. मिश्रित पूंजी वाली कम्पनी के लाभ और उसकी कठिनाइयां क्या हैं ? इस की सफलता के लिए किन बातों की आवश्यकता है ?

३. श्रम विभाजन के फल, लाभ और हानियों का वर्णन कीजिए।

४. सहकारी बंकों से क्या लाभ है ? उन को सफलता पूर्वक चलाने के लिए किन बातों पर ध्यान रखना चाहिये।

भारतवर्ष में ऐसे बंकों की आवश्यकता है कि नहीं। यदि है, तो क्यों ?

५. भारतवर्ष में काम करने वालों की उत्पादन शक्ति कैसे बढ़ सकती है ?

६. भारतवर्ष की कृषि की उन्नति के लिए गवर्नमेंट को क्या क्या उपाय करने चाहियें ?

७. सुवर्ण और रजत में क्या गुण हैं जिन के कारण इन के सिक्के बनाये जाते हैं और दूसरी चीज़ों के नहीं।

८. एडम स्मिथ के कर लगाने के चार नियमों का सविस्तार उल्लेख कीजिए।

९. पूंजी किसे कहते हैं ? इस की वृद्धि और संग्रह कैसे हो सकते हैं ?

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

१०. मज़दूरी किसे कहते हैं ?

"आबादी के बढ़ने और मज़दूरी के निर्ख से बहुत बड़ा सम्बन्ध है" इस वाक्य को सिद्ध कीजिये।

ज्योतिष

[परीक्षक—पं० इन्द्रनारायण द्विवेदी]

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

१. सूर्यसिद्धान्त के विषयों की यथाक्रम संक्षिप्त सूची लिखिये। १०

२. सूर्य सिद्धान्त के अनुसार बनाई हुई भूपरिधि और वास्तविक भूपरिधि में क्या अन्तर है और सूर्य सिद्धान्तीय भूपरिध बनाने की रीति में स्थूलता क्या है ? १०

३. सौरमास संख्या ५१८४००,०० अधिमास संख्या १५९३३३६, चान्द्रदिन संख्या १६०३००००८० और सौर दिन संख्या १५७७९१७८२८ है अतएव चान्द्रमास संख्या और क्षयतिथि-संख्या का मान क्या होगा ? ६

४. अहर्गण बनाने की ठीक ठीक रीति लिखिए। १२

५. पलभा, अक्षांश, शङ्कु, द्युज्या, चरपल, विक्षेप, मन्दोच्च, शीघ्रोच्च, पञ्चतारा, और अक्षज्या की परिभाषा लिखिए। १५

६. त्रिज्या की कला और चन्द्रादि ग्रहों की परमविक्षेप-कलाओं की संख्या लिखिए। १०

७. ६० घड़ी का दिन और ६० ही घड़ी रात पृथ्वी के कितने अक्षांश पर और कब होती हैं और उसका क्या कारण है। ७

८. ग्रहों के दिनमान बनाने की रीति लिखिए और यह भी बतलाइये कि दिन और रात का मान सदैव समान किस स्थान पर रहता है ? १०

९. ज्योतिष-शास्त्र के अनुसार बृहस्पति का पूरा पूरा वर्णन लिखिए। १०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

१०. रात और दिन क्यों छोटे बड़े होते हैं और ऋतुओं के परिवर्तन का क्या कारण है ? ५

११. लघुग्रह, प्रधानग्रह और अवान्तरग्रह इन तीनों की परिभाषा लिखिए। ३

१२. वारुणी और वरुण ग्रह का ज्ञान कब हुआ था। २

वैद्यक

[परीक्षक—पं० जगन्नाथप्रसाद शुक्ल आयुर्वेदपञ्चानन]

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

१. जलवायु परिवर्तन, तैल मर्दन, स्नान और षटरस भोजन का क्या सम्बन्ध है ? १०

२. मनुष्यों में भिन्न २ प्रकृति होने का क्या कारण है ? एक ही प्रकार के जलवायु और स्वास्थ्य परिचर्या में रहने पर भी भिन्न भिन्न लोगों के स्वास्थ्य में भिन्नत्व क्यों दिखाई पड़ता है ? १०

३. (क) आखों में अंजन अथवा सुर्मा क्यों लगाना चाहिये ? ५

(ख) किस प्रकार के मनुष्यों के लिए व्यायाम निषिद्ध है ५

४. ऋतु परिवर्तन क्यों होता है, वर्षाऋतु में मनुष्यों को अपना आहार-विहार और व्यवहार कैसा रखना चाहिये ? १०

५. रसों की उत्पत्ति किस प्रकार होती है, कौन रस शरीर में कैसा कार्य करता है ?

६. पञ्च तत्वों की पृथक पृथक पहचान क्या है, और वह शरीर के लिए कहाँ तक उपयोगी हैं ? १०

७. (क) यदि कोई मनुष्य शिर के बल ऊंचे से गिरा हो तो उसकी संभाल कैसी करनी चाहिये ? ५

(ख) भीड़ से दबे, कुचले और घबड़ाये हुए मनुष्य की सहायता किस प्रकार कीजियेगा ? ५

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

८. आपको यदि कोई ऐसा रोगी मिले जिसे किसी कारण से बहुत आघात लगा हो और उसके कई स्थानों से ऐसा रक्त निकल रहा हो जो उसके जीवन के लिए हानिकारी हो तो निपुण चिकित्सक के आने के पहिले ही आप उस रक्त को किस प्रकार बन्द करेंगे ? १०

९. रोगी की सुश्रूषा की व्यवस्था के लिए जाते ही किसी सुश्रूषा कारी को किन किन बातों पर दृष्टि डालनी चाहिये और उनकी पूर्त्ति के लिए कैसा प्रबन्ध करना उचित है ? १०

१०. दुधपिये बच्चे की सँभाल करने में सुश्रूषा-कारिणी को किन मुख्य बातो का ध्यान रखना चाहिये ? १०

संस्कृत से अनुवाद

[परीक्षक—साहित्याचार्य्य पं० चन्द्रशेखर शास्त्री]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

नीचे लिखे गद्य पद्य का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

आसीत् पुरा कस्मिन्नपि नगरे वीरसिंहो नाम राजा। स यशसा गुणेन कान्त्या धैर्येण विभवेन पराक्रमेण च सुरेन्द्रप्रतिमः प्रजाभिरनुगृह्यत। कदाचित्स महीपालो यदृच्छया किमपि गहनं वनमाससाद। परिजनहीन एकाकी महीप आत्मानं सङ्कटपतितं मन्यमानः परं खेदमाकलयाञ्चकार। तदैव केनापि पठ्यमानं श्लोकमेकं शुश्राव।

वीरोऽसि कृतविद्योऽसि कुलीनोऽसि महामते।
आत्मानं सङ्कटे मग्नं भावयन् किन्न लज्जसे॥

कुतश्चिदागतामिमां वाणीं श्रुत्वा चकितो राजा त्वरितमेव सात्त्विकेन बलेन पुनर्नवीकृत इव समुतस्थौ। उत्थाय च पश्चिमायां दिशि कानिचित्पदानि गत्वा काममपि वृद्धां कस्यापि तरोश्छायायां विषण्णवदनां स्थितामपश्यत्। राजा तत्समीपं गत्वा सादरं पप्रच्छ,

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मातः, का भवती अत्र विजने कथं निवासः स्वीकृतो भवत्याः, आज्ञां कामयते जनोऽयम्।

वृद्धा राजानं सुचिरं निरीक्ष्य कोष्णं निःश्वस्य प्रोवाच। आकृत्या राजेव वत्सो विज्ञायते, अथवा कृतं सन्देहेन। मां कर्मशक्ति वदन्ति विज्ञाः। साम्प्रतं कर्मपराङ्मुखाः संवृत्ताः श्रीमन्त इत्यरण्यवासाय मतिमकरवम्। राजा–भवती कर्मशक्तिः। पुरा भवत्या एवानुगृहीता राजान आत्मनो यशसा भूमण्डलं धवलयितुमशकन्। पुण्येनाद्य भवती दृष्टा। अद्य भवत्या उपदेशेनात्मानं पवित्री कर्तुमीहते जनोऽयम्।

राज्ञः प्रार्थनां श्रुत्वा क्षणं किञ्चिदिव ध्यात्वा प्रोवाच—

राज-शक्तिः प्रजा-शक्तिरिति शक्तिद्वयं नृप।
योगे सुखं वियोगे हि दुःखं लोकस्य जायते।

यो महीपः प्रजानाथमात्मानं कर्तुमीहते।
आराधनीया निखिलाः प्रजास्तेन प्रयत्नतः॥

ज्ञानं शिरः कर्म हस्तौ पण्डितैरिति बोध्यते।
तयोः संयोगकर्ता हि राजा प्रोक्तः सनातनः॥

एवं विधानुपदेशान् श्रुत्वा राजा तस्याः पादयोर्निपपात। बद्धाञ्जलिश्च सगद्गदमुवाच।

मातः, अद्य धन्योऽयञ्जनो भवत्या प्रसादेन सञ्जातः, भवदुपदेशानुसारेणैवेतः परं कर्म कर्तुं प्रवृत्तो भविष्यामि। एकोऽयमनुरोधः श्रीमत्या मदीयो मानयितव्यः। श्रीमत्या अरण्यवासः परिहर्तव्यः। नगरमिदानीं सनाथीक्रियतां भवत्याः।

सा प्रोवाच—

जनेषु कर्म प्रसितेषु वत्स
विभावयान्तं मम दुःखसिन्धोः
तदा समुज्झित्य वनं प्रियं तत्
वासाय मे स्यान्नगरं त्वदीयम्।

प्रसन्नो राजा स्वराजधानीं परावर्तत।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अंगरेज़ी से अनुवाद

[परीक्षक—पं० चन्द्रमौलि सुकुल, एम. ए., एल. टी.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

निम्नलिखित का अनुवाद शुद्ध मुहावरेदार हिन्दी में कीजिये—

Babar did not see Samarkand again for many years. He had matched his strength against Shaibani Khan, and the latter had shown himself the stronger. The young prince (Babar)—he was king of nothing now—did not give in on that account; he sought more than once to cross swords with his powerful adversary; but he made no fresh attempt upon his capital for a long while. For the present he retired among the shepherds on the hills near Uratipa, waiting upon events. He had the happy faculty of being interested wherever he was, and now he found much amusement in talking to the Persian Sarts in the mountain village, and watching their sheep and herds of mares, as he took long rambles barefooted among the pastures. He lodged with the headman of the village, a veteran of seventy or eighty, whose mother was still alive at the age of a hundred and eleven. She had children, grandchildren, great-grandchildren, and great-great-grandchildren to the number of ninety-six in the district round about, and she delighted the prince with her reminiscences of old days. One of her people had actually served in Timur's army when he invaded Hindustan: 'She remembered it well, and often told us stories about it,' says Babar. Perhaps the old woman's tales fired her listener's imagination, and led him to dream of that Indian empire which was one day to be at his feet.

At present nothing lay at his feet but humble peasants and their flocks. He was so poor that he viewed with alarm the arrival of his grandmother, 'with the family and heavy baggage,

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

and a few lean hungry followers,' escaped from Samarkand. His pride had fallen so low that he was persuaded by a politic counseller to send a present to his more fortunate brother Jahangir; he sent him an ermine cap and a heavy sword. The presents were carried by those of his followers who, having nothing but mischief to do in the village, were allowed to return to their homes. He made a raid himself in the winter. His enemy was ravaging the country about the river Sir, and Babar could not resist the temptation of having a thrust at him. He led his few troopers to the place, but found nothing of the inimical tribe but their tracks. The river was another temptation, for Babar was a magnificent swimmer, as he afterwards proved in India.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्रश्नपत्र

प्रथमा, मध्यमा और उत्तमा

१९७५

प्रकाशक

हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन, प्रयाग।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar.

साहित्य भवन, प्रयाग.

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पं० सुदर्शनाचार्य्य बी. ए. के प्रबन्धसे प्रयागके सुदर्शन प्रेसमें छपी श्रौर प्रयागस्थ साहित्य-सम्मेलन-कार्यालयसे प्रकाशित हुई ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्रथमा परीक्षा १९७५

साहित्य १

[परीक्षक—पं० रामनरेश त्रिपाठी]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

१. नीचे लिखे पद्यों का अर्थ लिखिये।

(क) जिस राज्य के हित शत्रुओं से युद्ध है यह हो रहा।
उस राज्य को अब इस भुवन में कौन भोगेगा अहा!॥

इस पद्य में ऐसा कौन शब्द है जिससे शिथिलता प्रकट होती है।

(ख) इस के अनन्तर मुदित माधव कम्बुरव करने लगे।
प्रण के विषय में पाँडवों का सोच सा हरने लगे॥
प्रिय पाञ्चजन्य करस्थ हो मुख लग्न यों शोभित हुआ।
कलहंस मानो कंजवन में आ गया लोभित हुआ॥

इस पद्य में कौन अलंकार है? "कंज" के साथ "वन" शब्द देने का क्या अभिप्राय है?

(ग) जिस ओर सेना थी गजों की पर्वतों के सम अड़ी।
उस ओर ही रथ ले गये हरि शीघ्रता करके बड़ी॥
तब पार्थ बाणों से मत्तगज यों पतन पाने लगे।
घन रविकरों से बिद्ध मानो भूमि पर आने लगे॥

इस में कौन कौन से अलंकार हैं? लक्षण सहित लिखिये।

(घ) नास्तिक मनुज भी विपद में करते विनय भगवान से।
देते दुहाई धर्म की त्यों आज तुम भी ज्ञान से॥
लज्जा नहीं आती तुम्हें उपदेश देते धर्म का।
आती हँसी तुम पापियों से नाम सुन सत्कर्म का॥

यह किसने किस से कहा? इसके पहले की कथा संक्षेप से लिखिये। यह कौन छन्द है? लक्षण सहित बतलाइए।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

२. महाराणा प्रताप को प्राण त्याग के समय किस बात का अधिक कष्ट था और वह कैसे दूर हुआ ?

३. नीचे लिखी चौपाइयों का अर्थ लिखिये—

कपट कुचाल सींव सुरराजू, पर अकाज प्रिय आपन काजू ॥
काक समान पाकरिपु रीती, छली मलीन कबहुँ न प्रतीती ।
राग रोष इरिषा मद मोहू, जनि सपनेहुँ इनके बस होहू ॥
सकल प्रकार बिकार बिहाई, मन क्रम बचन करेहु सेवकाई ।
तुम्ह कहँ बन सब भाँति सुपासू, सँग पितु मातु राम सिय जासू ॥
जेहि न राम बन लहहिं कलेसू, सुत सोइ करेहु इहइ उपदेसू ।

अंत वाली चार चौपाइयाँ किसने, किससे किस अवसर पर कही हैं ।

४. नीचे लिखी चौपाइयों में कौन कौन से अलंकार हैं—

१—व्याकुल राउ सिथिल सब गाता, करिनि कलपतरु मनहुँ निपाता
२—दुइ कि होइ इक समय भुआला, हँसब ठठाइ फुलाउब गाला ।
३—चारु चरन नख लेखति धरनी, नूंपुर मुखर मधुर कबि बरनी ।
मनहुँ प्रेम बस बिनती करहीं, हमहिं सीय पद जनि परिहरहीं ॥

५. अयोध्या-काण्ड में भरत का चरित्र जितना वर्णित है वह लिखिये और यह भी लिखिये कि भरत में कौन कौन से सद्गुण थे, प्रत्येक का उदाहरण दीजिए ।

६. नीचे लिखे छंद का अर्थ लिखिये ।

कूरम कमल कमधुज है कदम फूल
गौर है गुलाब राना केतकी बिराज है ।
पाँड़री पँवार जूही सोहत है चंदावत
सरस बुंदेला सो चमेली साजबाज है ।
भूषन भनत मुचकुन्द बड़गूजर है
बघेले बसंत सब कुसुम समाज है ।
लेइ रस एतेन को बैठि न सकत अहै
अलि नवरंगजेब चंपा सिवराज है ॥

इसमें कौन सा अलंकार है ? "चंपा सिवराज है" कह कर कवि ने क्या विशेषता प्रकट की ? "राना केतकी बिराज है" में

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

क्या कवि का कोई विशेष आंतरिक भाव झलकता है ? और वह क्या ? ऊपर के छंद का नाम और लक्षण लिखिये।

७. सर्व साधारण लोग गद्य से पद्य को अधिक पसंद क्यों करते हैं ?

८. पद्य रचना के लिए खड़ी बोली से ब्रज भाषा में कौन कौन सी विशेषताएँ हैं ?

९. दोहा, चौपाई, कवित्त, छप्पय, सवैया के लक्षण लिखिए और ऐसे उदाहरण देकर जो इस प्रश्नपत्र में न आए हों स्पष्ट कीजिए।

साहित्य २

[परीक्षक—पं० कृष्णशंकर तिवारी, बी. ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

१. नर की अरु नलनीर की, गति एकै कर जोय।
जेतो नीचो ह्वै चले, तेतो ऊँचो होय।

ऊपर लिखे हुए दोहे का आशय बताइये और दृष्टान्त में सेठ हीराचन्द्र के सद्गुणों का वर्णन कीजिये। १०

२. न केवल विद्या ही के कारण इनकी सब कोई प्रशंसा करते थे, किन्तु अनेक असाधारण लोकोत्तर गुणों से भी शान्ति और क्षमा के यह आधार थे।

(क) यह वाक्य किस विद्वान के लिए कहा गया है और विद्या के अतिरिक्त उनके कौन से असाधारण गुण थे। ८

(ख) ऊपर के वाक्य में "इनकी" और "गुणों से" इन शब्दों के कारक बताइये और यह भी लिखिये कि प्रत्येक पद में वह कारक किस अर्थ में आया है। ३

(ग) उपरोक्त वाक्य की पूर्ति इस प्रकार होती है, "शान्ति और क्षमा के यह आधार थे" यहाँ कर्ता और क्रिया के वचन भिन्न भिन्न क्यों रक्खे गये हैं। २

३. नीचे लिखे वाक्यों का आशय सरल भाषा में समझाइये—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(क) शनैः शनैः उदयाचल के बालमन्दार के फूलों का गुच्छा सा, अथवा पूर्व दिगङ्गना के लिलार का रोली का लाल बेंदा सा, या उसी के कान का कुण्डल सा, या आसमान गुम्वज़ पर सोने का कलश सा, अथवा देवाङ्गनाओं के मस्तक का सीसफूल सा, अथवा चराचर विश्वमात्र को निगल जाने वाले काल महासर्प का अंडा सा, कमल के वन को प्रफुल्लित करता हुआ, चक्रवाक के विरहाग्नि को बुझाता हुआ, जंगम जगत मात्र के नेत्र को प्रकाश पहुँचाता हुआ, श्रोत्रिय धर्मशील ब्राह्मणों को सन्ध्या और अग्निहोत्र आदि कर्म मेँ प्रवृत्त करता हुआ सूर्य का मण्डल पूर्व दिशा में सुशोभित होने लगा। ८

(ख) एक तो अत्यन्त दण्डायमान दिन उसमें ललाटन्तप चण्डांशु के प्रचण्ड आतप के ताप से सन्तप्त शीतलच्छाया का सहारा किये हुए यह जंगम जगत भी स्थिर भाव धारण कर मौन अवस्था से दुःखदायी ग्रीष्म के उच्चाटन का मानो मन्त्र सा जप रहा है। ६

(ग) देवता दैत्य एक ही हैं, निस्सन्देह, स्वभाव करके वे दैत्य कहलाये, वे देवता कहलाये। इसमें अपनी ही खोट है कि अहंकार करके और अपने पराक्रम के गर्व से नारायण आश्रित नहीं हैं, स्वाधीन हैं। और देवता आर्तवन्त हैं, कष्ट पाय कर नारायण की शरण जाते हैं। श्री महाराज को अपने बाने की लाज से उनकी सहाय करनी होती है। ६

(घ) न्यायपरता यद्यपि सब वृत्तियों को समान रखने वाली है, परन्तु इसकी अधिकता से भी मनुष्य के स्वभाव में मिलन-सारी नहीं रहती, क्षमा नहीं रहती। ५

४ (क) प्रश्न ३ "ख" के वाक्य में "जप रहा है" इस क्रिया का कर्ता और कर्म बताइये, और इस वाक्य में कौन सा अलंकार है ? उस अलंकार का लक्षण लिखिये। ५

(ख) शीतलच्छाया, तेजोमय, निस्तार, प्राङ्मुख— इनके प्रत्येक शब्द की सन्धि का नियम लिखिये। ४

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(ग) चतुर्भुज, अन्नजल, चन्द्रमुख, निर्भय, कालचक्र, लुप्तलोचन, स्वार्थचित्त, इन पदों में जो समास हैं, उनके नाम लिखिये। ७

५ (क) कहा जा सकता है कि हिन्दी नहीं थी, बाबू हरिश्चन्द्र ने उसे पैदा किया। यदि होती, तो राजा शिवप्रसाद नागरी अक्षरों के बड़े प्रेमी होकर उर्दू में क्यों उलझे रहते।

राजा शिवप्रसाद का हिन्दी के विषय में क्या मत था और यदि यह माना जाय कि उक्त महोदय हिन्दी के सेवक और नागरी अक्षरों के प्रचार के पक्ष में थे, तो यह किस प्रकार सिद्ध होगा कि "हिन्दी नहीं थी, बाबू हरिश्चन्द्र ने उसे पैदा किया।" १०

(ख) कहाँ कहाँ के चौपट चरन इकट्ठे भये हन, अस मन होत है कि इन हरामखोरन का आपन बस चलत तो कालापानी पठै देतेन।

इसका व्याकरण के अनुसार शुद्ध भाषा में अनुवाद कीजिये और यह लिखिये कि यह किसने किस स्थान पर किन के सम्बन्ध में कहा है। ६

६ (क) निम्नलिखित वाक्यों का अर्थ लिखिये:—

स्वर्ग में रह कर कोई स्वर्ग का आदर ठीक नहीं करता।

कहाँ झगड़ा पिजावे का निकाला बाग़ का काग़ज़।

समाचार पत्र राज्य का प्रधान मन्त्री और मध्यस्थ होता है, वाणिज्य का तो जीवनस्वरूप है।

कालचक्र की गति सदा एक सी रहे तो वह चक्र क्यों कहा जाय। ६

(ख) नीचे लिखे पदों का उपयोग अपने बनाये वाक्यों में कीजिये:—

फूंक फूंक कर पाँव रखना, बाल बांकना, सठिया जाना, दांत खट्टे करना, खुचुर करना, कपोल कल्पना, माथे थोपना, हाँथ पर हाँथ धरे। ८

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

७ "वाक्य विन्यास" किसे कहते हैं ? शब्दों के क्रम तथा प्रत्येक वाक्य के उच्चारण में स्वर भेद से नीचे लिखे वाक्यों के अर्थ होते हैं ? :—

(१) वह क्या करता है ? (२) क्या ! वह करता है ? (३) वह करता है क्या ? ६

साहित्य ३

[परीक्षक—पं रामजीलाल शर्मा]

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

नीचे लिखे विषयों में से किसी एक विषय पर एक ऐसा निबन्ध लिखिए जो ८० पंक्तियों से कम न हो और १०० से अधिक न हो।

१—वर्षा वर्णन।
२—दसहरे के मेले का वर्णन।
३—रेल में यात्रा।
४—व्यायाम से लाभ।
५—अतिथि सत्कार।

इतिहास

[परीक्षक—श्री वृन्दावनलाल वर्मा, बी. ए., एल-एल. बी.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[८ प्रश्नों का उत्तर देना चाहिए। १२ वाँ प्रश्न आवश्यक है]

१. महाराज हर्ष के राजत्व काल का संक्षिप्त इतिहास लिखिये।

२. मुसलमानों के आने से पहले भारतवर्ष की राजनैतिक दशा का वर्णन कीजिए।

३. दास वंश द्वारा भारतवर्ष पर कहाँ तक मुसलमानों का राज्य स्थापित हुआ। मानचित्र खींच कर दिखलाइये।

४. निम्न लिखित पुरुषों की संक्षिप्त जीवनियाँ लिखिये:— रामानन्द, चैतन्य, फ़ीरोज़ तुग़लक़, टोडरमल, अलाउद्दीन, गंगू हसन बाह्मनी।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

५. अकबर बादशाह का हिन्दुओं के साथ कैसा बर्ताव था? कारण सहित लिखिए।

६. पहले तीन मरहट्टे पेशवाओं का इतिहास लिखिए।

७. अङ्गरेज़ों और फ़्रांसीसियों में जो लड़ाइयाँ हुईं उनके कारण और परिणाम लिखिए।

८. बंगाल में दवामी बन्दोबस्त के स्थापित करने के कौन कौन से कारण थे।
दवामी बन्दोबस्त के लाभ और हानि लिखिए।

९. बम्बई का प्रान्त कब कब और किस प्रकार बृटिश सरकार के हाथ आया।

१०. लार्ड विलियम बेंटिङ्क के शासन काल में जो बातें हुईं उनका वर्णन कीजिए।

११. वाइसरायों के काल में जो जो लड़ाइयाँ बृटिश सरकार को लड़नी पड़ीं उनका संक्षिप्त वृत्तान्त लिखिए।

१२. भारतवर्ष का मानचित्र खींचिए और दिखलाइये कि सम्वत् १८५६ (सन् १८००) में कितना भारतवर्ष अङ्गरेज़ों के आधीन था।

भूगोल

[परीक्षक—श्री नन्दराम, बी. ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

नोटः—केवल ८ प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्णाङ्क मिल जायंगे। सब प्रश्नों में बराबर अङ्क हैं। परन्तु ७ और १२ प्रश्नों में से एक का उत्तर अवश्य देना चाहिये।

१. (अ) पृथ्वी का आकार कैसा है? प्रमाण सहित बतलाइए।
(इ) किन परीक्षाओं से सिद्ध किया गया है कि पृथ्वी ही सूर्य्य के चारों ओर घूमती है?

२. (अ) ज्वार भाटा किसे कहते हैं? उसके होने के कारण लिखिए। ज्वार भाटा कब अति प्रबल होता है, और क्यों?
(इ) तरङ्ग और धारा में क्या भेद है?

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

३. (अ) वायु में किन किन कारणों से गति उत्पन्न होती है ?
(इ) मौसमी वायु किसे कहते हैं ? उसके कितने भेद हैं ? ये कब, किस ओर, और क्यों चला करती है ?

४. (अ) शीतोष्ण के विचार से पृथ्वी तल के कितने और कौन से विभाग किये गए हैं।
(इ) किसी देश का जल वायु जानने के लिये किन किन बातों पर विचार करना चाहिये ?

५. (अ) यूनाइटेड स्टेट्स (अमरीका) के राज्य प्रबन्ध की यूनाइटेड किंगडम (इंग्लैंड) के राज्य प्रबन्ध से तुलना कीजिए ?
(इ) यूनाइटेड किंगडम की ऐसी विशाल उन्नति संसार में किन किन कारणों से हुई ?

६. किस किस महाद्वीप में कौन कौन स्थान बृटिश राज्य के अधीन हैं, एक तालिका बना कर लिखिए।

७. दक्षिणी अमरीका का मानचित्र खींचिए और उस पर वहाँ के देश, प्रसिद्ध नदियाँ तथा पहाड़ दिखलाइए।

८. बृटिश भारत की शासन प्रणाली वृत्तान्त विस्तार पूर्वक तथा स्पष्ट रूप से लिखिए।

९. भारतवर्ष में (१) कपड़े बनाने के कारख़ाने कहाँ कहाँ अधिक हैं ?
(२) लोहे का सब से बड़ा कारख़ाना कहाँ और किसका है ?
(३) चाय, रुई, रेशम, चावल कहाँ कहाँ उत्पन्न होते हैं ?

१०. (अ) भारतवर्ष में सिंचाई का कार्य्य किन प्रयोगों द्वारा होता है ?
(इ) किन प्रान्तों में नहरें अधिक बनाई गई हैं ? उनसे क्या लाभ हुए हैं ? नहरों के सम्बन्ध में जो जानते हो सविस्तार लिखिए।

११. निम्न लिखित क्या हैं और कहाँ हैं ?
निउसाउथ वेल्स, आमेज़ान, वाशिंगटन, सहारा, पथिन्स, टेम्स, पैरीनीज़, शीराज़, बेकाल और लीना।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

१२. भारतवर्ष का मानचित्र खींच कर उस पर अमृतसर, आगरा, ढाका, पूना, मैसूर, पांडिचरी, गोदावरी, सतपुरा, साँभर झील, और खंभात की खाड़ी दिखलाइए।

प्रारम्भिक विज्ञान और स्वास्थ्यरक्षा

[परीक्षक—श्री महावीर प्रसाद, बी. एस-सी., एल. टी., विशारद]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

नोट—६ प्रश्नों का उत्तर देने से पूरे अङ्क मिल सकते हैं।

१. "बड़े शीत देशों में समुद्र का पानी ऐसा जम जाता है कि पानी की जगह कोसों बरफ़ का मैदान दीखता है। परन्तु जमता है केवल सतह के ऊपर का पानी, नीचे ४°श का जल बना रहता है।" इसको सिद्ध करने के लिए किस उपकरण की आवश्यकता होगी? प्रयोग का वर्णन ब्योरेवार कीजिए।

२. गर्मी की ऋतु में प्रचण्ड सूर्य से तपी हुई सड़क को ठंडी करने के लिए पानी छिड़का जाता है। ऐसा करने से गरमी किस प्रकार निकल जाती है? उत्तर समझा कर लिखिए।

३. आपेक्षिक ताप किसे कहते हैं? ७५ तोला लोहा ६०°श तक गरम करके ६० तोले पानी में डुबाया गया तो पानी का तापक्रम २०°श से २८°श तक चढ़ गया। लोहे का आपेक्षिक ताप क्या है?

४. किसी बड़ी झील के किनारे खड़े होने पर, पूर्वान्ह में हवा किस ओर बहती हुई मालूम होगी और सूर्यास्त के पश्चात् किस ओर? कारण क्या है?

५. (१) किसी प्रयोग का वर्णन करके कैसे सिद्ध कीजिएगा कि पानी में किसी चीज़ के डूबने पर तोल में जो कमी पड़ जाती है वह डूबी हुई चीज़ के आयतन भर पानी की तोल के बराबर होती है?

(२) शीशे की एक डाट तोल में १५·१३ ग्राम है। पानी में तोलने पर वह ९·३६ ग्राम ठहरती है तो शीशे का आपेक्षिक घनत्व और डाट का आयतन बतलाइए।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

६. अर्कमीदिस की रीति से किसी द्रव पदार्थ जैसे तेल का आपेक्षिक घनत्व कैसे निकालेंगे ?

७. एक टेढ़ा मेढ़ा ठोस का टुकड़ा दिया जाय तो आप उसका आयतन कैसे निकालेंगे।

८. हवा में कौन कौन मुख्य वस्तुएँ मिली हुई हैं और उनसे हमको क्या हानि वा लाभ पहुंचता है ?

९. नहाने से क्या लाभ होता है ? नहाते समय किन किन बातों का विचार रखना चाहिए ?

१०. घोल, घुलनशील, घुलित, घोलक किसे कहते हैं ? घुली हुई गंदगी से पानी कैसे साफ़ कर सकते हैं ?

११. पदार्थ और वस्तु में, धातु और अधातु में क्या भेद है ? उदाहरण देकर समझाइये ?

१२. "खौलाने से पानी जल जाता है"—यह कथन कहाँ तक ठीक है ? इसमें क्या भूल है ?

१३. ठोस, द्रव, और गैस के लक्षण बतलाइए और उदाहरण दीजिए। कोयला, कपड़ा, तेल, घी और सिरका क्या हैं ? इनकी वैज्ञानिक परीक्षा करते हुए किन बातों की जाँच कीजियेगा ?

१४. द्रव पदार्थों को शोधने के लिए अत्तार जो उपाय करते हैं उसका वर्णन दीजिए और नक़शा खींच कर समझाइए।

गणित

[परीक्षक—पं० लक्ष्मीनारायण नागर, बी. ए., एल-एल. बी.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[सब प्रश्नों में अंक बराबर हैं। ७ प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्णाङ्क मिल सकते हैं]

१. सरल कीजिये—

(क) $$\frac{\left(\frac{१}{२}\right)^{२}+\left(\frac{१}{३}\right)^{३}}{\left(\frac{१}{३}\right)^{२}+\left(\frac{१}{२}\right)^{३}}+\frac{\text{·१२५ का ५ रु० १० आ० ८ पा०}}{\text{·०३७ का ७ रु० १२ आ०}}$$

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(ख) $\frac{१}{२} - \frac{१}{२} \div \frac{१}{२}$ का $\frac{१}{४} \div \frac{१}{५} \times \frac{१}{६}$

२. $९ + \cfrac{१}{१ + \cfrac{१}{७ + \frac{१}{६}}}$ का वर्गमूल निकालिए और इस वर्गमूल और $३ + \frac{१}{१०}\sqrt{२}$ का अन्तर तीन दशमलव के स्थान तक निकालिए।

३. एक मनुष्य ने एक घोड़ा ५० रुपये पर बेचने से ४ प्रति शत का घाटा उठाया। यदि वह उसी घोड़े को ६०) पर बेंचता तो उसको प्रति सैंकड़ा क्या लाभ अथवा हानि होती।

४. एक पैसे वाले समाचार पत्र की १००० प्रतियों का आधा मन बोझ होता है। जब काग़ज़ पर का महसूल उठ गया तो ५ प्रति सैंकड़ा का लाभ और होने लगा। बतलाइये काग़ज़ पर प्रति मन क्या महसूल देना पड़ता था ?

५. एक तोला सोने का मूल्य एक तोले चाँदी के मूल्य से २० गुना है और एक ही घनफल के सोने और चाँदी की तोलों में १९ : १० का अनुपात है, तो उस चाँदी की सिल का दाम बतलाइये जो उस सोने की सिल के बराबर है जिसका मूल्य ३८० गिन्नी हैं ?

६. एक कुंड में ३ नल क, ख, ग लगे हैं। क और ख उसको क्रम से २० और ३० मिनट में भर सकते हैं और ग उसको १५ मिनट में ख़ाली कर सकता है। यदि क, ख, ग नल क्रमानुसार बारी बारी से एक एक करके एक मिनट खुले रखे जायं तो कुंड कितनी देर में जल से भर जायगा ?

७. किसी धन का ब्याज १२०) है और उसी धन पर उसी समय के लिये उसी ब्याज की दर से १८०) मितीदारा है तो बतलाइये वह धन कितना है ?

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

८. १०००) पर सूद ५ बरस में २५०) होता है। बतलाइए कि ३५००) पर १ बरस ६ महीने में क्या सूद होगा ?

९. १०० गज़ लम्बी, १२ फुट ऊंची और २॥ फुट चौड़ी दीवाल को १७ आदमी २५ दिन में बना सकते हैं, बतलाइए कि कितने आदमी इससे दोगुनी दीवाल को इससे आधे समय में बना सकेंगे।

१०. १२७ पौंड ८ शिलिङ्ग को २ पुरुष, ३ स्त्रियों और ७ बच्चों में इस ढंग से बांटिए कि हर पुरुष को हर स्त्री से दोगुना और हर बच्चे को हर स्त्री से $\frac{1}{2}$ मिले।

मुनीमी परीक्षा १९७५

बहीखाता

[परीक्षक—श्री गौरीशङ्कर प्रसाद बी. ए., एल-एल.बी.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[स्वच्छता और स्पष्टता के लिए १० अङ्क हैं]

१. नीचे लिखे शब्दों से आप क्या समझते हैं स्पष्ट लिखिये—
महाजन, व्यापारी, आढ़तिया, पल्लेदार, बया, मुनीम, गुमाश्ता, पसंगा, गिरौं या गिरवीं, हुंडी। १०

२. हुण्डियां कितने प्रकार की होती हैं ? उनके भेद स्पष्ट रूप से उदाहरण के साथ लिखिये—ऊपर वाला, लिखी वाला, रखे वाला, बेंची वाला किसे कहते हैं। १०

३. मिती सावन बदी ५ को रामप्रसाद गणेशदास ने पांच पांच हज़ार रुपये लगा कर साझे में दूकान खोली, उसी दिन भगवानदास का १५५ बोरा गेहूं उनकी आढ़त में आया और उसे १०००) माल पेटे दिया गया। ब्याज दर ॥=) सैकड़े और बिल्टी छोड़ा कर माल रख लिया उसका

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ख़र्चा जो दिया वह उसके नाम लिखा। भादों सुदी ३ को उसका माल गोपालराम के हाथ दर ऽ८।= के भाव में बेंच दिया। फ़ी बोरा दो मन पन्द्रह सेर की कस्ती थी और ॥।) सैकड़े आढ़त, ।) सैकड़े मुनीबी, =) सैकड़े बयायी,)। सैकड़े धर्मादा इत्यादि ख़र्चा लगा कर और ब्याज भी लगा कर व्यापारी का रुपया चुकता भेज दिया और गोपालराम से दाम मध्ये १२००) नगद पाया।

इन दोनों मितियों का जमा ख़र्च वही की रीति से पूरा पूरा लिखिये और हिसाब का पुर्ज़ा व्यापारियों को लिख भेजिये। २५

४. खाता या खतियौनी किसे कहते हैं? इसके व्यौहार करने से क्या लाभ तथा इसके न रखने से क्या क्या हानियें हो सकती हैं, उदाहरण देकर बताइये। किस प्रकार के कारबार में लोग इस बही का प्रयोग नहीं करते और किस प्रकार के कामों में इसका रखना अत्यावश्यक है। १०

५. एक छोटी परचून की दूकान में कम से कम कौन कौन सी बहियें आप व्यवहार में रक्खेंगे और उनमें क्या क्या लिखेंगे उदाहरण देकर लिखिये। १०

६. तागपट्टी वही किसे कहते हैं उसमें कब और क्या लिखा जाता है और उसमें की लिखी रक़में कहां उठ कर जाती हैं और फिर वहां से कहां या कहां कहां जाती हैं। उदाहरण के साथ लिखिये। १०

७. महाजनी से प्रतिलिपि करने के लिए १५

गणित

[परीक्षक—श्री गौरीशङ्कर प्रसाद, बी. ए., एल-एल. बी.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[स्वच्छता और स्पष्टता के लिए १० अङ्क हैं]

१. नीचे लिखे सरख़त का ब्याज फैला कर ब्याज की संख्या बताइये। ब्याज दर ॥) सैकड़े के हिसाब से जेठ सुदी १५ तक का।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

५००) कार्तिक सुदी १	८००) अगहन वदी ५
११००) अगहन सुदी ६	४००) अगहन सुदी ११
६००) पूस बदी ३	१५००) पूस बदी ७
५००) पूस सुदी ११	७००) माघ बदी ५
३००) माघ सुदी १५	६००) फागुन बदी ११
३५०) चैत बदी ७	४५०) वैशाख बदी १२

कच्चा अङ्क और पक्का अङ्क में क्या भेद है। १५

२. आपके पास ११०००) रुपया है—नीचे लिखी भिन्न भिन्न रीतियों से इसे लगाने में कितना कितना ब्याज पड़ेगा—

(क) साढ़े तीन टकिया सर्कारी कागज़ दर ६४ के भाव में।

(ख) वारलोन (लड़ाई का कर्ज़ा) पाँच रुपये सैकड़े वाला दर ६४) के भाव।

(ग) वारबांड साढ़े पाँच रुपये सैकड़े वाला दर ६८) के भाव।

(घ) नया वारबांड बराबर में जिसका ब्याज दर ५॥) सैकड़े साल मिलेगा और दस वर्ष में १०५) असल का प्रति सैकड़े मिलेगा।

सबों का दस वर्ष का हिसाब लगा कर बताइये। १५

३. (क) यदि ५१ मिती की मुद्दती हुंडी का भाव दर २) बट्टे में है तो ११ मिती की दर्शनी का क्या भाव पड़ा?

(ख) यदि आप किसी कोठी में ॥) सैकड़े ब्याज पर रुपया जमा करते हैं तब तो छमाही ब्याज मिलता है और यदि उसी हिसाब से १८० मिती की हुंडी दर ३) सैकड़े बट्टे में लेते हैं तो ब्याज पहिले से कट जाता है। बताइये इन दोनों में क्या अन्तर है और कितने सैकड़े का। १५

४. (क) ११४ ऽ५।= चावल दर ऽ५॥ के बदले में दर ऽ८।- का गेहूं कितना मिलेगा।

(ख) आपने ५५ऽ ५ऽ४ मामूली सोना दर २५) तोले के दर ख़रीदा और उसे छुनवा डाला, =) तोला छुनवाई का

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

निथारिये को दिया । उसमें पचास तोला सोना साफ़ दर ३०॥) तोले का और पांच तोले चांदी दर १=) भरी के भाव की निकली तो बताइये इस रोज़गार में कितने सैकड़े का मुनाफ़ा हुआ । १५

५. यदि किसी काम को २५ आदमी आठ घंटा रोज़ काम करके १० दिन में समाप्त कर सकते हैं तो उसी काम को ३० आदमी सात घंटा रोज़ काम करके कितने दिनों में करेंगे । १०

६. यदि एक वर्ग गज़ सड़क बनाने में दो आना व्यय होता है तो एक मील लम्बी और ८ फुट चौड़ी सड़क की बनवाई क्या होगी । १०

७. बारह आने सैकड़े महीना के हिसाब से ५००) का छ छ महीने ब्याज असल में जोड़ते जायँ तो पांच वर्ष में कितना हो जायगा । १०

आरायज़नवीसी परीक्षा १९७५

आरायज़नवीसी १

[परीक्षक—पं० लक्ष्मीनारायण नागर, बी. ए., एल-एल. बी.]

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

१. निम्न लिखित दस्तावेज़ों पर किस हिसाब से स्टाम्प लगेगा—

(१) दत्तक पत्र (२) पंच का फ़ैसला (३) ६१ मिति की ५००) की हुंडी (४) ७५) का क़िबाला नीलाम (५) पट्टा ५) महीने किराये का ६ महीने के लिए (६) पट्टा दवामी अर्थात् हमेशा के लिए (७) साझा पत्र (८) मुख्तार नामा आम जो पाँच आदमी अपनी अपनी तरफ़ से अपने

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दूकान के लिए एक आदमी के नाम लिखते हैं (९) हिन्दी साहित्य सम्मेलन के चन्दे की रसीद (१०) दस्त बरदारी (११) भोगबन्धक पत्र। ३०

२. एक ५००) का स्टाम्प ख़राब हो गया है इस का रुपया वापस करने के लिए एक प्रार्थना पत्र लिख दीजिये। १०

३. ५०००) और ५) के रुक्कों पर कितने का स्टाम्प लगेगा (क) जब वह इन्दुलतलब है (ख) जब लिखने के दो महीने बाद रुपया देना पड़ता है। १०

४. निम्न लिखित पर कितनी कोर्ट फीस लगनी चाहिए—
(१) नक़ल दस्तावेज़ (२) डिग्री व तजवीज़ (३) प्रबन्ध (लेटर आफ़ एडमिनिस्ट्रेशन) (४) दरख्वास्त नक़ल (५) नालिश मंसूख़ी फ़ैसला सालसी। १५

५. ५) मासिक के किराए दर से मालिक मकान किराया वसूल करना और मकान ख़ाली कराना चाहता है। कोर्ट फ़ीस आदि में क्या खर्च होगा बतलाइए १५

६. १९९)के रहन नामे पर इस समय ५७७) बाक़ी हैं। नालिश करने पर कितनी कोर्ट फ़ीस देनी होगी।

७. दिये उर्दू लेख को नागरी अक्षरों में लिखिये— १५

आरायज़नवीसी २

[परीक्षक—पं महेशदत्त शुक्ल बी. ए., एल-एल. बी.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[क्लिष्ट अरबी फ़ारसी शब्दों का प्रयोग उत्तरों में न कीजिए]

१. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची हिन्दी शब्द लिखिए—
रहन नामा, तैयुन, बिनाय मुख़ासमत, तमस्सुक, हिबा नामा, मुद्दई, अर्ज़ीदावा।

२. निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा लिखिये—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बैउल वफ़ा, इस्तग़ासा, इस्म नवीसी, स्याहा, विवादी का वर्णना पत्र, खाली, जमाबन्दी ।

३. एक भूमि का सात साल के लिए पट्टा लिख दीजिए।

४. एक ज़मींदार काश्तकार ग़ैर दख़ीलकार को बेदख़ल करना चाहता है। दरख़्वास्त बेदख़ली अदालत माल के लिए लिख दीजिए।

५. एक माता अपने को अदालत से अपने पुत्र के शरीर तथा सम्पत्ति का अधिवाहक (वली) नियत कराना चाहती है। निवेदन पत्र लिखिये।

६. मुफ़लिसी की नालिश में किन किन बातों की आवश्यकता है। दरख़्वास्त इजाज़त मुफ़लिसी लिखिये। नालिश दाख़िल होने के लिए किसके हाथ में दी जाय।

७. एक स्त्री का पति मर गया है। उसके पति ने लाला धन्ना सेठ की १०००) की हुंडी ६१ मिती की मिती पौ० कृ० ८ सं० १९७२ को मोल ली थी, हुंडी में ब्याज १) सैकड़ा महीनेवारी था। मिति पूरी होने पर हुंडी सकारी गयी किन्तु भुगतान नहीं हुआ। अब स्त्री ब्यौहार लाना (नालिश करना) चाहती है, अर्ज़ी दावा लिख दीजिए।

८. (अ) पटवारी के कौन कौन काग़ज़ होते हैं, उनमें क्या क्या लिखा जाता है।
(इ) ज़मींदारों को कौन कौन काग़ज़ रखने चाहिएं। काश्तकार को ज़मीदार की ओर से रसीद लिखिये। इस पर कितने का टिकट लगेगा।

९. मानहानि का अभियोग लाने के लिए दोषारोपण पत्र (इस्तग़ासा) लिखिये।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मध्यमा परीक्षा १९७५

साहित्य १

[परीक्षक—लाला भगवानदीन]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

१. नीचे लिखे पद्यों का अर्थ इस प्रकार लिखिये कि रेखांकित शब्दों के अर्थ स्पष्ट हो जाएं— १०

(क) सकल दीप महं जेती रानी। तिन महँ कनक सो बारहबानी।

(ख) राज पाट दर परिगन सब तुम सों उजियार।
बैठि भोग रस मानहु कै न चलउ अँधियार॥

(ग) मनि कुंडल चमकैं अति लोने। जनु कौंधा लउकहिं दुइ कोने।
पहिरे खुंभी सिंहल दीपी। जानहु भरीं कचपची सीपी॥

(घ) बिछुरंता जब भेंटई सो जानै जेहि नेह।
सुक्ख सुहेला उग्गावै दुःख झरै ज्यों मेह॥

(ङ) सिंह तरेंडा जिन गहा पार भये तेहि साथ।
ते पै बड़े बारहि भेड़ पूंछ जिन्ह हाथ॥

२. नीचे लिखे हुए खंडो में से कोई से पांच खंडो का अर्थ लिखिये। १५

(क) बंधन है मन ही को जहाँ अरु संयम में यम को यम नाम है।
दैत्य कथा अघ की सुनिये जहं संग्रह सों अलि राखत काम है।
ढेर बिभूतिन के चहुँ ओर रजोगुणियै अभिराम बिराम है।
आश्रम देखि मुनीश्वर को अति पावन पुन्य कियो परनाम है।

(ख) विश्वात्मा जो परम प्रभु है रूप तो हैं उसी के।
सारे प्राणी सरि गिरि लता बेलियां वृक्ष नाना।
रक्षा पूजा उचित उनका यत्न सन्मान सेवा।
भावों सिक्ता परम प्रभु की भक्ति सर्वोत्तमा है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(ग) भरोसो जाहि दूसरो सो करो ।
मोको तो राम को नाम कलपतरु कलि कल्यान फरो ॥
चाटत रहो स्वान पातरि ज्यों कबहुँ न पेट भरो ।
सो हौं सुमिरत नाम सुधारस पेखत परसि धरो ॥
स्वारथ औ परमारथ हू को नहिँ कुंजरो नरो ।
सुनियत सेतु पयोधि पषानन करि कपि कटक तरो ॥

(घ) अब ते खबरदार रहु भाई ।
सतगुरु दीन्हा माल खजाना राखौ जुगुत लगाई ॥
छिमा सील की अलफी पहिनौ जुगुत लँगोट लगाई ।
दया की टोपी सिर पर दै कै और अधिक बनि आई ॥
तन बंदूक सुमति का सिंगरा ज्ञान का गज ठहकाई ।
सुरत पलीता हरदम सुलगै कस पर राख चढ़ाई ॥

(ङ) श्री सरजा सिव तो जस सेत तें होत हैं बैरिन के मुख कारे ।
भूषन तेरे अरुन्न प्रताप सपेद लखे कुनबा नृप सारे ।
साहितनय तव कोप कृसानु तें बैरि गरे सब पानिपवारे ।
एक अचंभव होत बड़ो तिन ओट गहे अरि जात न जारे ॥

(च) १—सुनत पथिक मुख माह निस लुवैं चलत वहि ग्राम ।
बिन पूछे बिन ही कहे जियत बिचारी बाम ॥
२—गनती गनिबे ते रहे छतहू अछत समान ।
अब अलि ये तिथि औम लौं परे रहौ तन प्रान ॥
३—पावक झर ते मेह झर दाहक दुसह बिसेखि ।
दहै देह वाके परस याहि दृगन ही देखि ॥

(छ) जन के उपजत दुख किन काटत ।
जैसे प्रथम असाढ़ के वृक्षन खेतिहर निरखि उपाटत ॥
जैसे मीन किलकिला दरसत ऐसे रहो प्रभु डाटत ।
पुनि पाछे अघ सिंधु बाढ़िहै सूर खार किन पाटत ॥

३. प्रश्न १ के खंड (ङ) में और प्रश्न २ के खंड (क), (घ), (ङ) और (च) के तीसरे दोहे में कौन अलंकार हैं ? प्रत्येक की परिभाषा (चाहे पद्य में वा गद्य में) लिखिये और एक एक उदाहरण अपनी ओर से दीजिये । २०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

४. द्वितीय विषम और विरोधाभास अलंकारों में क्या भेद है, उदाहरण देकर समझाइए। १०

५. (क) प्रश्न २के खंड (ग) में "कुंजरो नरो" मुहावरा आया है। यह मुहावरा कैसे बना और इसका क्या अर्थ है? इसके संबन्ध की यदि कोई कथा हो तो लिखिये। ४

(ख) प्रश्न २ के खंड (च) के प्रथम दोहे में 'बिचारी' शब्द व्याकरण के अनुसार क्या है? और 'बाम' शब्द किस कारक में है? ४

६. परीक्षा हेतु जिन जिन कवियों के ग्रंथ आपने पढ़े हैं उन में से जिस कवि को सर्वोत्तम समझते हों उसकी कविता की आलोचना कीजिये। अपने कथन की पुष्टि में उसकी कविता से उद्धरण भी दीजिये। १४

७. 'मात्रिक अर्द्धसम छंद' की परिभाषा लिखिये। ऐसे छंदों में से तीन प्रसिद्ध छंदों के नाम, उनकी परिभाषायें और उनके उदाहरण दीजिये। ८

८. नीचे लिखे पद्यों का अर्थ कीजिये। बताइये किस पद्य में कौन रस है? उसे कैसे निर्धारित करते हैं? १५

(क) ह्वै उदास अति राधिका ऊँची लेति उसास।
सुनि मन मनमोहन कान्ह को कुटिल कूबरी पास॥

(ख) चींटे न चाटत मूसे न सूंघत बास ते माछी न आवत नेरे।
आनि धरे जब तें घर में तब ते रहै हैजा परोसिन घेरे॥
माटिहु में कछु स्वाद मिलै इन्हें खाय सो ढूँढ़त हर्र बहेरे।
चौंकि पर्यो पितुलोक में बाप के देखि सराध के पेरे।

(ग) जो संपति शिव रावणहिँ दीन्ह दिये दस माथ।
सो संपदा बिभीषणहिँ सकुचि दीन्ह रघुनाथ॥

(घ) बोरौं सबै रघुवंश कुठार की धार में बारन बाजि सरथ्थहिँ।
बान की बायु उड़ाय कै लच्छन छच्छ करौं अरिहा समरथ्थहिँ।
रामहिं बाम समेत पठै बन शोक के भार में भूँजौं भरथ्थहिँ।
जो धनु हाथ धरो रघुनाथ तो आजु अनाथ करौं दसरथ्थहिँ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

साहित्य २

[परीक्षक—पं० श्यामबिहारी मिश्र, एम. ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

१. निम्नलिखित अवतरणों की सविस्तर व्याख्या कीजिए और कठिन शब्दों के स्थान में सुगम शब्द रख कर आशय को भली भांति समझाइए:—

(क) इस परम पवित्र तीर्थराज प्रयाग की प्रसिद्ध प्रधानता और पृथ्वीतल के सब तीर्थों की अधीश्वरता का प्रधान कारण, सरस्वती पिता परिणाम दर्शी विश्व-विधाता सुचतुर शिरोमणि चतुर्मुख ब्रह्मा का इस परम पुनीत सितासित संगम स्थल पर 'प्रकृष्ट याग' करनाही लोक प्रसिद्ध है। ६

(ख) कहूँ बिरल कहुँ सघन कहुँ बिफल कहूँ फलवान।
कहुँ कृस कहुँ अति थूल कछु भेद परत नहिँ जान॥
कहूँ गुप्त अति ही रहत कबहूँ प्रगट लखात।
कठिन नीति चानक्य की भेद न जान्यो जात॥ ५

(ग) बड़े मनुष्यों के दोषों के समान भीषण एवं भयंकर अन्य कुछ नहीं है। ३

(घ) वक्तृता के अभ्यास के योग से न्याय सभा में उस का विशेष रूप से दबाव पड़ने लगा और उसका यह दबाव एवं प्रभाव उसकी अजरामर ख्याति और जन प्रियता का कारण हुआ। आगे वह उत्तरोत्तर उच्च पदाभिषिक्त होता गया। उस समय रोमन लोग सदाचरण और नीति के पथ से बहुत ही च्युत हो रहे थे अतः उसकी नीति परायणता और निस्पृहता विशेष रूप से सम्मानित होने लगी। ५

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(ङ) महापात्र श्री विश्वनाथ कविराज ने भाणिका निरूपण के समय अपने 'साहित्यदर्पण' में इतना ही कहा है कि किसी प्रसंग से किसी कार्य का कीर्तन प्रथम अङ्क में होना चाहिए और इसकी उपन्यास संज्ञा है। ३

(च) जो प्रतिमा हम लोगों के हृदय मन्दिर में विराज जाती है वह वहाँ से हटाए नहीं हटती। जो मूर्ति हम लोगों के हृदय पट पर अंकित हो जाती है वह पाषाण अङ्कित चित्र सी स्थायी रह जाती है। हम लोगों की लगन पारिजात पुष्प नहीं है कि विकसित होते ही धरा-तलशायी हो जाय।

(छ) होत मृगादिक ते बड़े बारन,
बारन बुन्द पहारन हेरे।
सिन्धु में केते पहार परे,
धरती में बिलोकिए सिन्धु घनेरे॥
लोकन में धरती यों किती,
हरि वोदर में बहुलोक बसेरे।
ते हरि, दास, बसे इन में,
सब चाहि बड़े दग राधिका तेरे॥ ४

२. ऊपर के प्रश्न नं० १ के—

(अ) भाग (क) का सारांश कम से कम शब्दों में लिखिए। ६

(आ) भाग (घ) को प्रसंग से मिला कर लिखिए कि वह किसके विषय में कहा गया है। २

(इ) भाग (च) में कौन, किससे, किस विषय में, कह रहा है? ४

(ई) भाग (छ) का अन्वय करिए और उसके प्रधान अलङ्कार लक्षणों सहित समझा कर बतलाइए। १०

(उ) जिन शब्दों के नीचे आड़ी रेखा खींची है उनका पद परिचय लिखिए। ६

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(ऊ) भाग (ङ) में विश्वनाथ कविराज को "महापात्र" करके क्यों लिखा गया है ? उसमें दृश्य काव्य का निरूपण है अथवा श्रव्य काव्य का ? ७

३. प्रायः २५–३० पंक्तियों में "मुद्रा राक्षस" का कथानक लिखिए और उस पर अपनी सम्मति भी प्रकट करिए। १५

४. चिपलूनकर ने गर्व के जो प्रायः निर्दोष उदाहरण अपने "अभिमान" शीर्षक निबन्ध में दिये हैं उनमें से दो को अपनी सम्मति सहित समझाइए। १०

५. नीचे लिखे वाक्यों में वक्ता का जा हार्दिक भाव है उसे स्पष्ट कीजिए और बतलाइये कि क्या मानसिक अवस्था इन वाक्यों से प्रगट होती है। १०

हाँ, मेरा सुख ! दुःख मुझे अच्छी तरह पीस डालने के लिए आया था; पर वह मुझे पीस न सका और न आगे ही पीस सकेगा। मैं दुःख को हिंसक जन्तु की तरह बांध कर वश में करूंगी और उससे काम लूंगी। कल्याणी, दुःख ने मेरा बहुत उपकार किया है। इतने दिनों तक मैं सुख के राज्य में रहती थी, दुःख का राज्य मुझे आँधी या कुहासे की तरह दिखाई पड़ता था। अब मैं उसी दुःख के राज्य में वास करने लगी हूँ। मैंने शत्रु को जान पहचान लिया है अब वह मुझे कभी असावधान न पावेगा। इतने दिनों तक जीवन अपूर्ण था, अब वह पूर्ण हो गया।

साहित्य ३

[परीक्षक—राय साहब पं० रघुबर प्रसाद द्विवेदी, बी. ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लेख लिखियेः—

१. सामाजिक जीवन पर विज्ञान का प्रभाव।
२. प्रजातंत्र।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

३. समाज-सेवा ।

४. धर्म-शिक्षा राष्ट्र-शिक्षा का अंग ।

साहित्य ४

[परीक्षक—पं० शुकदेव बिहारी मिश्र, बी. ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

१. अशोक के समय की लिपि में किस प्रकार के परिवर्तन होने के पश्चात् वह वर्तमान नागरी लिपि की स्थिति को पहुँची है ? स्पष्ट रीति से दिखलाइए । १०

२. नाटक और प्रकरण के लक्षण लिखिये और उनके भेद बतलाइये । महानाटक किस नाटक को कहते हैं ? ५

३. उद्घात्यक प्रस्तावना का लक्षण और एक उदाहरण दीजिये । ५

४. चारों वृत्तियों के नाम लिखिये । और भटी का लक्षण भी लिखिये ५

५. रसविरोध किसे कहते हैं ? इसका प्रयोग नाटक में होना चाहिये या नहीं ? कारण लिखिये । ५

६. काव्य के दशों अंगों के नाम लिखिये । इनमें प्रधान तीन कौन हैं ? १०

७. हिन्दी के प्रथम मुख्य कवि, गद्यकार तथा नाटक रचयिता महाशयों के नाम लिखिये । इन तीनों के विषय में कुछ समालोचना गर्भित बातें भी कहिये । १५

८. सेनापति, बिहारी, मतिराम, सुखदेव, लल्लू जी लाल और पद्माकर के समय लिखिये और इनमें से प्रत्येक कवि के विषय में प्रायः दस पंक्तियों के समालोचना गर्भित कथन कीजिये । ३०

९. परिवर्त्तनकालिक हिन्दी का कुछ विवरण लिखिये । १०

१० वर्त्तमान हिन्दी का सबसे बड़ा लेखक कौन हो गया है ? उसके काव्य सम्बन्धी गुणों का कुछ वर्णन कीजिये । १०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

इतिहास १

[परीक्षक—श्री नरेन्द्र देव, एम. ए., एल-एल.बी.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[प्रश्न ३ और १० अनिवार्य्य हैं। केवल ८ प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ३ से एक प्रश्न करना आवश्यक है। स्पष्टता के लिये ४ अङ्क नियत हैं।]

१

१. बौद्ध धर्म का संक्षिप्त इतिहास लिखिये। बौद्ध धर्म के ह्रास के क्या कारण हैं? ११

२. अशोक की सूचनाओं का संक्षिप्त विवरण लिखिये। ११

३. भारत का मानचित्र खींच कर अशोक के राज्य का विस्तार दिखलाइये और उन स्थानों को निर्दिष्ट कीजिये जहाँ अशोक के शिलालेख पाये गये हैं। १५

४. पुराण का क्या लक्षण है? पौराणिक काल क्या है? आप की सम्मति में सब से प्राचीन पुराण कौन है? ऐतिहासिक दृष्टि से पुराणों का क्या मूल्य है? ११

५. महाराज हर्षवर्द्धन के राजत्वकाल का संक्षिप्त इतिहास लिखिये। ११

२

६. प्राचीनकाल में पाश्चात्य देशों के साथ जो भारत का व्यापार था उसके कौन कौन मार्ग थे? ११

७. मुग़ल साम्राज्य के अधःपतन के क्या कारण हैं? ११

८. सन् १७२० ई० तक मराठा राज्य के उत्थान का वृत्तान्त लिखिये। ११

९. मार्किस आफ़ वेलेसली के शासनकाल का विवरण लिखिये। ११

१०. गणतन्त्र, ग्रामसंस्था, तक्षशिला, भिलसा के स्तूप, जातक, कार्ली की गुफा, कुसीनगर, सुत्तपितक, वराहमिहिर,

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

भवभूति, हंस-संघ, आलबुकर्क, शंकराचार्य, इस्तिमरारी बन्दोबस्त, और शिवाजी पर छोटे छोटे नोट लिखिये। १५

३

११. स्थानीय स्वायत्त-शासन की व्याख्या कीजिये। ११

१२. बहुधा कहा जाता है कि भारतवर्ष में नियंत्रित शासन अथवा प्रजातंत्र कभी नहीं रहा है। इस उक्ति की विवेचना कीजिये। उत्तर सप्रमाण होना चाहिये। ११

१३. भारतसचिव की २० अगस्त सन् १९१७ ई० वाली घोषणा क्या है? इससे पहिले इस प्रकार की और कौन कौन सी घोषणाएँ हुई हैं। इनमें भारतवासियों को क्या क्या अभिवचन दिए गए। ११

१४. व्यवस्थापक सभाओं की कब सृष्टि हुई? कब कब और क्या क्या परिवर्तन व्यवस्थापक सभा के संगठन में आज तक हुए हैं? ११

इतिहास २

[परीक्षक—प्रिन्सिपल ताराचन्द एम. ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[कोई छः प्रश्न करने से पूरे अङ्क प्राप्त हो सकते हैं।
प्रश्न १ आवश्यक है।]

१. यूरोप का मानचित्र खींचिए और वर्त्तमान युद्ध से पहिले यूरोप की जो राजनैतिक दशा थी उसको दिखलाइए। जिन देश विभागों के कारण युद्ध हो रहा है उनको भी बतलाइए।

२. इतिहास के अध्ययन से क्या क्या लाभ और क्या क्या हानियां हैं।

३. युरोप की जागृति (renaissance) के कारण और उनके परिणाम लिखिये।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

४. यूरोप की वर्त्तमान सामाजिक तथा नैतिक परिस्थिति की आलोचना कीजिए।

५. जेम्स प्रथम और चार्ल्स प्रथम से पार्लीमेंट से जो झगड़ा हुआ उसके कारण बतलाइए। इस झगड़े का अन्त किस प्रकार और कब हुआ?

६. महाराणी विक्टोरिया के राज्यकाल का संक्षिप्त इतिहास लिखिए।

७. लुई चौदहवें के समय में जो सुधार हुए उनका विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।

८. फ्रांस को किस प्रकार तअल्लुक़दारों ने बांट लिया और फिर किस प्रकार फ्रांस के राजाओं ने उसे मिला कर एक बनाया?

९. फ्रांस के तृतीय प्रजा सत्तात्मक राज्य का संक्षिप्त इतिहास लिखिए।

१०. तीस वर्ष के प्रचण्ड युद्ध के कारण, क्रम तथा परिणाम लिखिए।

११. प्रशिया के अभ्युत्थान का इतिहास फ्रेड्रिक महान् की मृत्यु तक लिखिए।

१२. जर्मनी की आधुनिक अवस्था–राजनैतिक आर्थिक तथा सामाजिक—का वर्णन कीजिए।

गणित

[परीक्षक—पं० कमलाकर द्विवेदी, एम.ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[सब प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक नहीं। इतने ही प्रश्नों का उत्तर दीजिए जिनसे पूर्णाङ्क मिल सकते हों]

१. ग्रीष्ट कर्म किसे कहते हैं। २

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अ. य+क=० इसमें मानिए कि जब य=इ१ और य=इ२ तो समीकरण का मान क्रम से मा१ और मा२ होता है; इन इष्टमानों पर से य का मान निकालिए। ६

२. (अ) जिस द्वियुक्करणी में एक पद करणी गत और दूसरा अकरणी गत हो तो उसके वर्गमूल निकालने का प्रकार क्या है? ६

(ब) $\sqrt{२७}+\sqrt{१५}$, इसका वर्गमूल निकालिये। ३

३. इन समीकरणों को सिद्ध कीजिए।

(अ) $(अ+य)^{\frac{१}{३}}+(अ-य)^{\frac{१}{३}}=क$ ५

(ब) $\left.\begin{array}{l} य^{२}+र^{२}=१३ \\ य^{३}+र^{३}=३५ \end{array}\right\}$ ६

४. (अ) चलन किसे कहते हैं? १

(ब) वे दो संख्या कौन सी हैं जिनके तुल्योत्तर, गुणोत्तर और व्यस्तोत्तर मध्यों का योग ६१ और उन मध्यों के वर्गों का योग १२८१ है। ७

५. सिद्ध कीजिए।

(अ) कोज्या ३ अ=२ कोज्या २ अ. कोज्या अ − कोज्या अ ५

(ब) ज्या क − ज्या ख + ज्या ग=४ ज्या$\frac{क}{२}$· कोज्या$\frac{ख}{२}$. ज्या$\frac{ग}{२}$, जहां क, ख, ग किसी त्रिभुज के कोण हैं। ६

६. (अ) किसी त्रिभुज के क, ख, ग कोणों की संमुख भुजाएँ क्रम से यदि का, खा, गा हैं तो सिद्ध कीजिए—

स्परे $\frac{ख-ग}{२}=\frac{खा-गा}{खा+गा}$ कोस्परे $\frac{क}{२}$। ६

(ब) किसी त्रिभुज के दो भुज दिए हैं। और उन दोनों में से किसी एक भुज के संमुख का कोण भी दिया है तो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तीसरे भुज का मान कब असंभव, कब एक और कब दो होंगे। ७

७. (अ) किसी त्रिभुज के अन्तर्लग्न और वहिर्लग्न वृत्तों के व्यासार्ध क्रम से र और $र_१$ हैं तो सिद्ध कीजिए—

$२ र. र_१ \frac{क. ख. ग.}{क + ख + ग}$ जहाँ क, ख और ग त्रिभुज के तीनों भुज हैं। ६

(ब) भूमि में गड़ा हुआ अ हाथ का ऊँचा एक बांस जिस के मूल के चारों तरफ़ प्रवण है और जिसका प्रावण्य समतल पर आ अंश है, वायु के वेग से किसी एक देश से टूट गया। टूटने पर उस बाँस का केवल अग्र उसके मूल से क हाथ की दूरी पर भूमि पर जा लगा तो कहिए कि मूल से वह बांस कितने हाथ की उँचाई पर से टूटा। १०

८. (अ) दो निर्दिष्ट सरल रेखाओं के अन्तर्गत एक निर्दिष्ट बिन्दु से एक ऐसी सरल रेखा उन दोनों रेखाओं तक खींचिए कि निर्दिष्ट बिन्दु इस खींची हुई रेखा का मध्य बिन्दु हो जाय। ७

(ब) समानान्तर चतुर्भुज के किसी भुज में निर्दिष्ट बिन्दु से एक सरल रेखा खींच कर उसके दो तुल्य भाग कीजिए। ५

९. जिस त्रिभुज की भुजाओं के मध्य बिन्दु दिए हैं उस त्रिभुज की रचना कीजिए। ५

१०. एक ऐसा वृत्त खींचिए जो एक निर्दिष्ट बिन्दु में होता हुआ दो निर्दिष्ट वृत्तों को स्पर्श करे। १०

दर्शन

[परीक्षक—पं० गणपति जानकीराम दुबे, बी. ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

१. विकास सिद्धान्त का वर्णन कीजिए और इसके आविष्कर्ता

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

डार्विन के सिद्धान्त देकर बतलाइए कि डार्विन का विकास सिद्धान्त किस अंश में अपूर्ण है। १२

२. साक्रेटीस ने आत्मा के अमरत्व के जो प्रमाण दिये हैं उनकी भगवद्गीता में दिये हुए प्रमाणों से समानता दिखलाइए। १०

३. उपनिषद् किसे कहते हैं? क्या भगवद्गीता उपनिषद् है? यदि है तो प्रमाण देकर सिद्ध कीजिए। १०

४. कर्मसन्यास किसे कहते हैं? भगवान श्रीकृष्ण ने कर्मसन्यास का उपदेश किया है या कर्मयोग का? विस्तार सहित प्रमाणित कीजिए। १५

५. जब भगवान श्रीकृष्ण ने यह कहा था कि "हे अर्जुन! निःसन्देह जब जब धर्म की ग्लानि और अधर्म की वृद्धि होती है तब तब मैं अवतार धारण करता हूँ" तब भारतवर्ष में धर्म की ग्लानि और अधर्म की वृद्धि कैसी हुई थी? और क्या यूरोपीय महासमर में उनहीं कारणों का होना पाया नहीं जाता? यदि पाया जाता हो तो क्या भगवान अवतार धारण करेंगे? १३

६. श्वेताश्वतरोपनिषद में कहा है "ईश्वर एक है, वह सब भूत मात्र में छिपा हुआ है। वह सब प्राणियों का अन्तरात्मा है, सर्वव्यापी है, वह कर्म का अध्यक्ष है, वह सब प्राणियों में निवास किये हुए है, वह सब का चैतन्यमय साक्षी है, सब से अलग और गुणों से रहित है"

(१) यदि ईश्वर भूत मात्र में छिपा है तो वह सबसे अलग कैसे है?

(२) यदि वह सब प्राणियों में निवास किये हुए है तो एक कैसे है?

(३) यदि वह सर्वव्यापी है और कर्माध्यक्षता इत्यादि गुण वाला है तो वह निर्गुण कैसे है?

प्रमाण और युक्तियों से अपना उत्तर सिद्ध कीजिए। २०

७. पूर्वीय और पश्चिमीय विद्वानों की मत की परिभाषाओं को

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दिखाकर लिखिए कि आपकी समझ में कौन सी परिभाषा शुद्ध है। १०

८. स्मरण शक्ति कितने प्रकार की है ? स्मरण शक्ति को बढाने के क्या उपाय हैं ? क्रम से लिखिए। १०

विज्ञान

[परीक्षक—प्रोफ़ेसर गोपालस्वरूप भार्गव, एम. एस-सी.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[८ प्रश्नों का ठीक ठीक उत्तर देने से पूर्णाङ्क मिल सकते हैं।]

१. चुम्बक की सहायता से दिशा का ज्ञान कैसे हो सकता है ? चुम्बकीय याम्योत्तर और साधारण याम्योत्तर में क्या भेद है ? दोनों प्रकार के याम्योत्तर कैसे जाने जा सकते हैं ?

२. चुम्बक बनाने की कितनी रीतियां हैं ? उनमें कौन सर्व श्रेष्ठ है ? चुम्बक के प्रकार के होते हैं ? चुम्बकीय परीक्षाओं में किस आकृति के चुम्बक का प्रयोग होता है ?

३. चुम्बकत्व और विद्युत् में क्या सम्बन्ध है ? चुम्बक से बिजली और बिजली से चुम्बक कैसे बनाये जाते हैं ? सविस्तार उत्तर दीजिये ?

४. जब आकाश में बिजली जल्दी जल्दी कौंदती हो और उसके गिरने का भय हो तो, वृक्षों के नीचे न ठहर कर, मैदान में लेट जाना क्यों श्रेयस्कर है ? बिजली पदार्थ का विशेष रूप है या शक्ति का ? अपने कथन के समर्थन में प्रमाण दीजिये।

५. यदि आपको अपनी चांदी की अंगूठी पर सोना चढाना हो तो आप क्या उपाय करेंगे ?

६. कास्टिक सोडा और विरञ्जक चूर्ण किस प्रकार बनाये जा सकते हैं ? उनके गुणों का और उपयोगों का वर्णन कीजिये।

७. कढाई में घी क्यों और कब जल उठता है ? यदि तेल के पीपे में आग लग जाय, तो बुझाने का कौन सा सुगम उपाय है ?

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

८. सविस्तार लिखिये कि लोहा असंस्कृत खनिज (लोहिया पत्थर) से कैसे निकाला जाता है? भारत में लोहे का कौन सा बड़ा कारख़ाना है?

९. प्रतिध्वनि के नियम लिखिये। बांसुरी में शब्द-तरङ्गों का प्रत्यावर्तन किस प्रकार होता है?

१०. नीला थोथा गरम करने से सफ़ेद हो जाता है, इसका क्या कारण है? काला नमक खाते समय किस गैस की गंध आती है? उसकी गंध से उसके किसी अवयव का ज्ञान हो सकता है अथवा नहीं?

११. हिन्दुओं में तांबे के पात्र पवित्र माने जाते हैं, पर उन में खाना मना है। इसका कारण क्या है? पीतल और कांसे के पात्रों में घी रखने से घी का रंग नीला क्यों हो जाता है? कांसे के पात्र में दही शीघ्र क्यों नहीं विगड़ता?

१२. एक मकान के किसी कोने में दो शीशे रखे हैं। एक मनुष्य उनके बीच में जाकर खड़ा होता है और अपने छः प्रतिबिम्ब देखता है। बतलाइये कि दोनों शीशे किस भांति रखे हैं?

१३. अणुवीक्षण यंत्र में कितने ताल होते हैं और किस तरह लगे रहते हैं? कांच की कुप्पी में पानी भर कर यदि किसी पुस्तक पर रख दें तो अक्षर बड़े क्यों दिखाई देते हैं?

१४. स्पिरिट का उबाल विन्दु या मोम का द्रवण विन्दु कैसे निकालते हैं?

धर्मशास्त्र

[परीक्षक— पण्डित श्रीकृष्ण जोशी]

समय ३ घण्टे

पूर्णाङ्क १००

[पहिले ६ प्रश्नों के उत्तर मनुस्मृति के अनुसार होने चाहियें]

१. "त्रिवर्ग" "पञ्चसूना" "अहुत" "प्रहुत" "पितृगण" "प्रमृत" "त्रिदण्डी" "षड्गुण" "क्षेत्रज्ञ" "भूतात्मा"— इन शब्दों के क्या अर्थ लिखे हैं? १५

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

२. चौथे अध्याय में दान लेने वाले और देने वाले के लिए निषेध के वाक्य क्या क्या हैं ? १२

३. मांस खाने और न खाने के विषय में विधि निषेध क्या क्या हैं ? १५

४. चतुर्थ आश्रम में प्रवेश करने के विषय में क्या क्या विधि और निषेध हैं ? और यथाविधि उस आश्रम का आश्रय करने वाले की प्रशंसा में क्या क्या वचन हैं ? १२

५. राजा में मन्त्रियों को नियत करने की और उनसे मन्त्रणा की क्या विधि लिखी है ? १०

६. माता पिता के मरने पर कई भाइयों में दाय विभाग के क्या नियम लिखे हैं ? १२

७. इस लोक में दण्डनीति प्रचलित किये जाने और राजा के नियुक्त किये जाने की आवश्यकता के विषय में शान्तिपर्व में क्या लिखा है ? १५

८. ऐहिक शिष्ट व्यवहार और पारलौकिक कल्याण की इच्छा करने वाले पुरुष के विषय में अनुशासनपर्व में भीष्म पितामह ने राजा युधिष्ठिर को दश त्याज्य कर्मों के विषय में क्या उपदेश किया है ? और इसी विषय का उल्लेख मनुस्मृति में कहां और किस प्रकार किया गया है ? ९

अर्थशास्त्र

[परीक्षक—श्री संगमलाल, एम. ए., एल-एल. बी.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[कोई ७ प्रश्न करने से पूरे अङ्क मिल सकते हैं]

१. सम्पत्ति की उत्पत्ति में भूमि का क्या भाग है ? भूमि शब्द से आप क्या अर्थ समझते हैं ?

२. श्रमजीवियों की कर्मण्यता (efficiency) किन बातों पर निर्भर है ?

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

३. भारतवर्ष में श्रमजीवियों की जो स्थिति है उसका वर्णन कीजिए और लिखिए कि किस प्रकार इसमें उन्नति हो सकती है।

४. हिन्दुस्थान के व्यवसायों में क्यों अधिक पूँजी नहीं लगायी जाती? कारण लिखिए।

५. मालगुज़ारी की नीति का देश पर क्या प्रभाव पड़ता है? किस प्रकार की नीति को आप देश के लिए अच्छा समझते हैं, क्यों?

६. हिन्दुस्थान में दुर्भिक्ष क्यों होते हैं और किस प्रकार उनका प्रतिरोध हो सकता है?

७. सूद का दर किन बातों पर निर्भर है, क्या क़ानून द्वारा अधिक से अधिक (maximum) दर नियत कर देना चाहिए।

८. कर कितने प्रकार के होते है? देश की आयात (imports) पर कर लगाने से क्या लाभ और हानियां होती हैं।

९. किसी देश के आर्थिक जीवन में साख (credit) का क्या प्रभाव होता है? किन रीतियों से साख बनी रहती है।

१०. यदि आपको हिन्दुस्थान में पेंसिल का कारख़ाना चलाना हो तो आपको किन किन बातों की आवश्यकता होगी?

११. अर्थशास्त्र के अध्ययन से क्या लाभ है? क्या यह सच है कि उसका अध्ययन मनुष्यों को निःशंस और स्वार्थी बना देता है।

१२. पूंजी किसे कहते हैं? उसकी वृद्धि के मुख्य कारण कौन हैं?

१३. बंधन रहित और बंधन विहित व्यापार की नीति के प्रयोग करने से देश को क्या लाभ और हानियां होती हैं? भारतवर्ष की वर्तमान स्थिति में सरकार को किस नीति का प्रयोग करना चाहिए?

१४. लगान किसे कहते हैं? खेती की पैदावार के निर्ख़ का लगान से क्या सम्बन्ध है?

१५. काग़ज़ी रुपए का क्या अर्थ है? इससे क्या लाभ होता है?

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ज्योतिष

[परीक्षक–पं० इन्द्रनारायण द्विवेदी]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[सब प्रश्नों में समान अङ्क हैं]

१. सौरमान के अनुसार एक मनु का मूल मान कितने वर्षों का होता है ? और पूरे एक कल्प का मान कितने सौर वर्षों का होता है ?

२. ग्रहों की गतियाँ कितने प्रकार की होती हैं ? उनमें से मार्ग गतियों के नाम लिखिए।

३. सूर्य, मङ्गल, गुरु और शनि के परम मन्दफल तथा शुक्र और शनि के परम शीघ्रफल का मान लिखिए।

४. छाया और छायाकर्ण बनाने की रीति लिखिए और यह भी बतलाइये कि छायाकर्ण का अभाव कहां और क्यों होता है ?

५. सम्पूर्ण ग्रास ग्रहण में निमीलन और उन्मीलन जानने की रीति उदाहरण सहित लिखिए।

६. सूर्य ग्रहण का एक कल्पित चित्र खींचिए जिसमें छेद्यक व्यवहार के प्रायः सभी उदाहरण आ जायँ।

७. अयन, विषुव, षडशीतिमुख, इनका अर्थ लिखिए और कार्तिकादि वर्ष गणना के सम्बन्ध में जो कुछ जानते हों लिखिए।

८. जिस प्रकार सूर्य को केन्द्र करके पृथ्वी का परिभ्रमण मानकर दिन रात, ग्रहण, ऋतु आदि के होने के चित्र "ज्योतिषशास्त्र" में दिये हैं उसी प्रकार आप पृथ्वी को केन्द्र में और सूर्य का परिभ्रमण मानकर यदि दिन रात आदि के होने के चित्र खींचें तो कैसा रूप होगा और उसमें क्या कोई त्रुटि होगी ?

वैद्यक

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[परीक्षक—आयुर्वेदपञ्चानन पं० जगन्नाथप्रसाद शुक्ल]

१. आयुर्वेदमें कथित सदाचार का वर्णन कीजिये, सदाचार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

का स्वास्थ्य से कहां तक सम्बन्ध है, विस्तार से वर्णन कीजिये। १३

२. स्नान करने से कौन कौन लाभ हैं, यह भी बतलाइये कि स्नान किनके लिये निषिद्ध है? ऋतुभेद से स्नान के जल में कोई अन्तर करना आवश्यक है या नहीं? ११

३. बरसात में पीने के लिये किस जलका उपयोग करना आवश्यक है, कारण सहित लिखिये। १५

४. आरोग्य रक्षा के लिये उपयोगी एक आदर्श गृह और उसके आसपास के साहित्य-साधनों का वर्णन कीजिये। १५

५. किसी पदार्थ में किस रस और पञ्चमहाभूतों में से किस तत्व की अधिकता है, इसके पहचानने के लक्षण लिखिये तथा कषायरस और अग्नितत्वप्रधान पदार्थों के गुण दोष लिखिये। १६

६. संग्रहणी, क्षय और प्रसूतिका के रहन सहन और आहार विहार के विषय में शुश्रूषाकारी को किन किन बातों पर ध्यान रखना चाहिये, अलग अलग लिखिये। १५

७. शुश्रूषाकारी का स्वभाव, वस्त्र और व्यवहार आदि कैसा होना चाहिये। १०

८. एक मनुष्य को भीतरी आघात लगने से रक्त का वमन हो रहा है, दूसरा आग में जल जाने से तड़प रहा है और तीसरे को पागल कुत्ते ने काटा है, बतलाइये किसी निपुण चिकित्सक के आने के पहले इनकी सँभाल किस प्रकार करनी चाहिये। १५

संस्कृत से हिन्दी अनुवाद

[परीक्षक—साहित्याचार्य पं० चन्द्रशेखर शास्त्री]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

नीचे लिखे सन्दर्भ का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

(क) न चित्राणि वितानानि स्तम्भाश्च सभा भूषयितुं प्रभवन्ति। सभाभूषणं हि षड्दर्शनीपरिज्ञानमण्डिताः पण्डिता एव भवन्ति,

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सर्वे लोका अपि न सभाभूषणम् किन्तु विपश्चित एव भवन्ति। सूर्यमन्तरा न कोऽपि देशः समुद्भासितो भवति, विदुषोऽपहाय सभारञ्जका न परे दृष्टा लोके। शतमादित्याः शतमिन्दवश्चोद्यन्तु, परमाभ्यन्तरतमोविनाशकानि विदुषां वाक्यान्येव।

यशोर्थिभिर्बहुबोद्धव्यं भवति बहुभ्यो ज्ञानमर्जनीयं भवति, बहुकालं यावद् ज्ञानार्जनेनैव यशो बहुकल्पान्तस्थायि भवति। जात्या पाषाणोऽपि पद्मरागोऽतिरिच्यते प्रकाशगुणेन।

दृष्टिमन्तोऽपि ते जात्यन्धाः शृण्वन्तोऽपि वधिरा, रसनावन्तोऽपि मूका, यैर्विज्ञानसिन्धवो जनाः सम्यग्नाराधिताः। मनुष्यजन्मासाद्यावश्यं ज्ञानमर्जनीयम् अन्यथा मनुष्यत्वेऽपि पशुत्वमवतिष्ठत एव प्रत्यक्षं परोक्षं लभ्यमलभ्यञ्च सर्वविधमपि वस्तु सतां करगतमेव। स्थावरजङ्गममर्त्यब्राह्मणमुनिदेवप्रभृतयो भेदाः प्राणिषु ज्ञानोत्कर्षनिबन्धना एव। विद्युज्जलधरो वृष्टिश्चन्द्रार्कौ सागरा इति सर्वमेवाज्ञानामद्भुतम् परं विज्ञानां न किञ्चित्। यथा ज्ञानेन्द्रियैः शरीरस्य शोभा भवति, तथा विद्वांसो देशस्य शोभाहेतवः। तद्विरहितो देशस्त्वमङ्गल एव।

इदं ज्ञानं महाधनम्, इदममलीमसमसच्छिद्रमक्रौर्यमतिसुन्दरमदेयमप्रतिग्राह्यञ्च। शब्दगुम्फनशक्तिहीनानां शब्दाभ्यासे श्रमो वृथा भवति। मुग्धानि पुष्पाणि लब्ध्वा मुण्डितः किं करिष्यति। योऽर्थः शास्त्रेषु कथितः परं स गृहीतुमशक्यः स एव कविसूक्तिषु ग्रथितः स्वदते। करगतं रत्नं दृश्यं भवति, फणिमूर्धनि च तदेव दारुणं भवति। काव्यपरिश्रमो व्यवहाराणामाज्ञस्यं धियामार्जवं शास्त्रेषु पटुत्वञ्च सूते। सर्वशास्त्रविदामपि साहित्यविद्याहीनानां समाजं बुद्धिशालिनः समजं वदन्ति, काव्येष्वशिक्षितानां शास्त्राभ्यासो निरर्थक एव। अनुपनीतस्य वाजपेयादिभिर्मखैः को लाभः। विद्वज्जनैर्हीना राज्ञां सभा अन्धा, कविभिस्त्यक्ता सा मूका गायनैर्हीना च वधिरा।

६०

(ख) आङ्ग्लभाषायां बहवस्तथाविधा ग्रन्था विद्यन्ते येहि निपुणं बोधयन्ति समालोचनासरणिम्। सन्ति यद्यपि पूर्वतो विरचितास्तादृशा निबन्धाः, परं लार्ड मेकाले पुस्तकानामेवं विधानां

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्रथमः प्रचारकः कीर्त्यते। समालोचनायां न केवलं गुणा एव नापि केवलं दोषा एव विचार्यन्ते। समालोचको हि ग्रन्थहृदयं निपुणं निरूप्य प्रकाशयति। मेकालेमहोदय एतादृश एव समालोचनापक्षपाती समभवत्। तत्र साहित्यस्य यथा यथा शाखाभेदाः समुन्नतिमध्यगच्छन् तथा तथा तथाविधाः समालोचका अपि समुदपद्यन्त। अत्र जान रस्किन मैफ्यू आर्नल्ड इत्येते महाभागाः सादरं स्मर्यन्ते, आभ्यां तथाविधाः सुन्दरा ग्रन्था निर्मिताः। इतः परं न समालोचनाविषयकाणां ग्रन्थानां बाहुल्येन प्रसारः समभवत्। नाप्यत्र प्रथितसमज्ञा विद्वांसः समभवन्। साम्प्रतं हि समाचारपत्रसम्पादकतया समालोचनयैव स्थानं समासादितम्। एतेन समालोचनाया न तादृशी समुन्नतिराङ्गलसाहित्ये समभवदिति निर्विशङ्कमुच्यते।

समालोचनया वृद्धिं यानि साहित्यसागरः
साहि पोतनिभा तस्मात् पारं नयति मानवान्।
नात्र दोषा नापि गुणा विवेच्या किन्तु यत्नतः
साहित्यसारं विबुधैः प्रकाश्यमिति पण्डिताः॥ ४०

अंगरेज़ी से अनुवाद

[परीक्षक—पं० हरिमङ्गल मिश्र, एम. ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

निम्नलिखित का अनुवाद शुद्ध मुहावरेदार हिन्दी में कीजिए—

(क) Plato was the most distinguished disciple of Socrates, and of all ancient writers, he is one of the best known. The son of Ariston, he was born in Greece about 427 B.C. His proper name was Aristotle, after his grandfather; but he was surnamed Plato, perhaps on account of the breadth of his forehead or his chest Of a rich and noble family, he received the best education of the day, and he so excelled in gymnastics that he competed at the public games. He began his literary career by writing poetry, but when at the age of twenty he was introduced to Socrates, he burnt his compositions. During eight

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

years he continued the pupil of Socrates, and was separated from him only by death. He attended his beloved master during his trial; undertook to plead his cause, and pressed him to accept a sum sufficient to purchase his life. After the death of Socrates, Plato spent several years in travel. Among other countries, Egypt, famous for its learning, was visited. Returning to Athens about twelve years after the death of Socrates, he bought a house and garden about a mile to the west of the city. Here Plato opened his school of philosophy. The lectures of Plato were attended by a crowed of learned, noble and illustrious pupils. For forty years he devoted himself to their instruction and composed those dialogues which have been the admiration of every age.

(ख) Nature's methods, if they are sure are also very slow. We find no sudden leap to perfection—progress is laborious and gradual from the lower levels to the higher. This is applicable to the most familiar things of everyday use; everything that man has made equally with Nature. Trace to its beginning the house we live in to-day, and it will be found to be the result of a long series of experiments. First a cave under a hill or the protection of a tree; primitive man finds the seasons objectionable under such circumstances, he pulls the branches down and builds himself a rough bower; later, having devoloped skill in tool-making, he cuts the trees and builds a log hut, and so on, from the simplest beginnings to the present day.

(ग) What is the significanee of the Bhakti movement? What is the speciality of the men who founded it? It is not my object to write any detailed account of the work or worth of the great poets and devotes of our land; that is a subject for master hands to handle. My purpose is a humble one. I want to find out what the movement and its apostles stand for in the evolution of Indian life and thought.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उत्तमा परीक्षा १९७५

संस्कृत साहित्य

[परीक्षक—महामहोपाध्याय डाक्टर गङ्गानाथ झा, एम. ए., डी. लि॰.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

१. उपनयनपद्धति का पारस्करोक्त रीति के अनुसार संक्षेप से वर्णन करो। तदनन्तर्गत तीन होममन्त्रों को लिख कर उनकी व्याख्या करो।

२. पारस्कर ने किस शाखा के गृह्य का विवरण लिखा है। और प्रधान शाखाओं के गृह्यकारों का नाम लिखो।

३. 'गृह्यसूत्र' और 'धर्मसूत्र' में क्या भेद है।

४. नीचे लिखे हुए मन्त्रों के अर्थ लिखो—इनके छन्द, ऋषि तथा विनियोग का भी निरूपण करो—

(अ) इन्द्रमिद्गाथिनो बृहत् इन्द्रमर्केभिरर्किणः इन्द्रोवाणी-रनूषत।

(क) केतं कृरावन्त केतवे पेशो मर्या अपेशसे समुषद्भिरजायथाः।

५. ऋक्, साम, यजुष्, मन्त्र, ऋषि—इनके शास्त्रोक्त लक्षण लिखो।

६. 'छान्दोग्य' किस वेद का 'उपनिषत्' कहा गया है और क्यों?

७. 'ऐतदात्म्यमिदं सर्वं स आत्मा तत्त्वमसि श्वेतकेतो'—इस वाक्य का अर्थ सविस्तर लिखो। किन किन दृष्टान्तों से किसने किसे यह शिक्षा दी?

८. छान्दोग्य उपनिषत् में मायावाद का अङ्कुर है—ऐसा कहा जाता है—प्रमाणोपन्यास पूर्वक इसका विचार करो।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

संस्कृत साहित्य २

[परीक्षक—पं० दक्षिणामूर्त्ति शास्त्री, एम. ए., काव्यतीर्थ]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

मृच्छकटिके प्रश्नाः

१. किन्तावन्मृच्छकटिकप्रकरणस्य लक्षणम्, कतिविधाश्चात्र प्राकृतप्रपञ्चेषु भाषाः प्रयुक्ताः । ग्रन्थेऽस्मिन्प्राकृतपाठकेषु प्रतिपात्रं निर्दिश्यताम् कतमया भाषया प्रयोग इति ॥

२. शकारप्रवचनस्य किं लक्षणम्, विटस्य वेश्यासामान्यगतं वसन्तसेनागतं किमपि विशिष्टं कविप्रदर्शितरीत्या प्रतिपाद्यताम । दारिद्र्यस्य कः प्रभावः, आधिकरणिकस्य किं स्वरूपम इति शूद्रकोक्तरीत्या वर्ण्यताम् ॥

३. तयोरिदं तत्सुरतोत्सवाश्रयं नयप्रचारव्यवहारदुष्टताम् । खलस्वभावं भवितव्यताञ्च चकार सर्वं किल शूद्रको नृपः ॥ पर्यङ्कग्रन्थिबन्धद्विगुणितभुजगाश्लेषसंवीतजानोरन्तः प्राणावरोधव्युपरत सकल ज्ञानरुद्धेन्द्रियस्य । आत्मन्यात्मानमेवव्यपगतकरणं पश्यतस्तत्वदृष्ट्या शम्भोर्वः पातुशून्येक्षणघटितलय ब्रह्मलग्नः समाधिः ॥ पद्ययोरनयोर्व्याख्या सरल संस्कृतेन विरच्यताम् ॥

४. कस्मिन् अवसरे केन कं प्रति निम्नलिखितानां वचनानां प्रयोगः कृतः । नह्याकृतिः सुसदृशं विजहाति वृत्तम् ॥ वेश्यासि सर्वं भज ॥ विद्युन्नीचकुलोद्गतेव वनिता नैकत्र सन्तिष्ठते ॥ असत्पुरुषसेवेव दृष्टिर्निष्फलतांगता ॥ इति ॥

५. शूद्रककविमधिकृत्य नातिविस्तरं लिख्यताम् ॥

भारवेः किरातार्जुनीये प्रश्नाः

१. नारिकेलफलसंमितंवचो भारवेस्सपदि तद्विभज्यते । स्वादयन्तु रसगर्भनिर्भरं सारमस्य रसि का यथेप्सितम ॥ इतिमल्लिनाथोक्तिं समर्थयन् उदाह्रियन्ताम् कतिचित्पद्यानि भारवेः ॥

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

२. सव्याख्यानमुद्घाट्यतां निम्नलिखितानां श्लोकानामर्थः "स किं सखा साधु न शास्ति योऽधिपं हितान्न यः संशृणुते स किं प्रभुः। सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेष्वमात्येष्वपि सर्वसम्पदः॥ वनान्तशय्याकठिनी कृताकृती कचाचितौ विष्वगिवा गजौ गजौ। कथन्तमेतौ धृति संयमौ यमौ विलोकयन्नुत्सहसे न बाधितुम्॥

लघुवृत्तितया भिदां गतं बहिरन्तश्च नृपस्य मण्डलम्। अभिभूय हरत्यन्तरः शिथिलं कूलमिवापगारयः॥

प्रसह्ययोस्मासु परैः प्रयुक्तः स्मर्तुं न शक्यः किमुताधिकर्तुम्। नवीकरिष्यत्युपशुष्यदार्द्रः सत्वद्विना मे हृदयन्निकारः॥ विकचवारिरुहन्दधतस्सरः सकलहंसगणं शुचि मानसम्। शिवमगात्मजया च कृतेर्ष्यया सकलहंसगणं शुचि मानसम्॥ शुचि भूषयति श्रुतं वपुः प्रशमस्तस्य भवत्यलङ्क्रिया। प्रशमाभरणं पराक्रमस्सनयापादितसिद्धिभूषणः॥

३. शुचि भूषयतीति श्लोके कोऽलङ्कारः किञ्च तल्लक्षणम्।

भासस्याविमारके प्रश्नाः

१. भासकविमधिकृत्य तत्प्रणीतत्वेन प्रसिद्धानां ग्रन्थानां पर्यालोचनया किमवसीयते॥

२. उदाहरणप्रदर्शनपूर्वकं समर्थ्यतामियमुक्तिर्बाणभट्टस्य॥ सूत्रधारकृतारम्भैः नाटकैर्बहुभूमिकैः। स पताकैर्यशो लेभे भासो देव कुलैरिव॥

३. नीतिमार्गप्रतिपादने अविमारकम् कथमुपयुज्यते पाठकैरिति सोदाहरणं सप्रपञ्चन्निरूप्यताम्॥

४. कन्यापुरात् कथमपीह विनिर्गतं मे भाग्यावशेषमवलम्ब्य शरीरमात्रम्। अद्यापि तन्मम मनो न तु मामुपैति। नावेक्षते मयि तया प्रिययावरुद्धम्। पद्यमेतत्कस्य सुप्रसिद्धस्य किं पद्यमनुकरोति॥

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

संस्कृत साहित्य ३

[परीक्षक—व्याकरणाचार्य पं० काली प्रसाद मिश्र]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

१. इस ग्रन्थ का अनुबन्ध चतुष्टय लिखो और बताओ की इसकी रचना शैली आरोहण क्रम से है या अवरोहण। ६

२. व्याकरण के पढ़ने से अध्येता को क्या लाभ है और इस शास्त्र से संस्कृत-साहित्य की उन्नति है या अवनति। १४

३. पदान्त नकार के स्थान में किन किन वर्णों या शब्दों के परमें रहने से कौन कौन आदेश होते हैं उदाहरणों से स्पष्ट करो। १०

४. किन शब्दों की नदी संज्ञा होती है और उससे कौन कौन फल होते हैं उदाहरणमात्र से स्फुट करो। १०

५. धातुओं में गणकृत भेद कितने हैं और वह भेद सभी लकारों में है या यत्किञ्चित्। १०

६. रोपयति. ईर्त्सति. जेघ्नीयते-अजङ्गन. दधिस्यति. किन धातुओं से कौन कौन प्रत्यय करने से यह रूप बने हैं। १०

७. त्रा ग्ला लू दा धा. और दंह धातु से निष्ठा प्रत्यय करने पर कैसे रूप होंगे। १२

८. कारक की परिभाषा लिखो और इसे अधिकरण में और जनिष्यमाणाय विप्रायदास्यति इस सम्प्रदान में समन्वित करो। ८

९. उपहरिं सुराः। कन्यया शोकः। अस्मै आचक्ष्व-द्विरह्नो भुङ्क्ते। अधिव्याकरणे पाणिनिः इनमें किन सूत्रों से द्विती-यादि विभक्ति हुई हैं। १०

१०. अव्ययीभावादि समासों के परिचय की निर्दुष्ट रीति लिखो। ५

११. नारी. कुमारी. श्वश्रूः पङ्गूः और ह्यूध्नी की सिद्धि सूत्रों से करो। ५

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

संस्कृत साहित्य ४

[परीक्षक—साहित्याचार्य्य पं० चन्द्रशेखर शास्त्री]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

१. पाली शब्द की व्युत्पत्ति क्या है ? इसका शुद्ध संस्कृत रूप लिखिए और कारण बतला कर यह भी लिखिए कि इस का पाली नाम क्यों पड़ा। मागधी भाषा क्या इससे भिन्न भाषा है। २०

२. "हिन्दी भाषा संस्कृत से उत्पन्न हुई है" इस वाक्य का अर्थ समालोचना सहित लिखिए, किसी भी भाषा का मुख्य स्वरूप क्या है, सविस्तर अपना विचार लिखिए। २०

३. सज्जावांस्स, तण्डास्स, माञ्जं नोहेतं तुण्डस्स, पव्वत्तास्स।

१. इनका सन्धि विश्लेषण कीजिए और संस्कृत स्वरूप भी लिखिए। १२

४. संस्कृत के "राजन्" शब्द का स्वरूप पाली भाषा में क्या होता है और इसकी तृतीयाविभक्ति का रूप लिखिए। ८

५. मन शब्द के प्रथमा बहुवचन में, दण्डी शब्द के तृतीया बहुवचन में और चतुर्थी एक वचन चतु शब्द के प्रथमा विभक्ति के तीनों लिङ्गों में वधू शब्द के संबोधन बहुवचन में कैसे रूप होते हैं और उनके नियम क्या हैं। १२

६. कृ हन् गम् धातुओं के क्त्वा तुमन् प्रत्ययों में रूप लिखिए और नियम बतलाइए। १०

अ—यो सन्निसिन्नो वर वोधिमूले
मारं ससेनं महतीं विजेत्वा
सम्बोधिमागञ्छि अनन्त त्राणो
प्रोकुतमो तं प्रणमामि बुद्धम्

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सङ्घो विसुद्धो वरदक्खिणेय्यो
सन्निन्द्रियो सब्ब मलप्पहीणो
गुणेहि नेकेहि समिद्धपत्तो
अनासवो तं पणमामि सङ्घं।

ऊपर के श्लोकों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए। धर्मपद की भाषा क्या शुद्ध पाली है ! ६

उदाहरण के द्वारा समझाइए। वे कौन सी बातें हैं जिन से भिक्खु का महत्व बढ़ता है। श्रमण का लक्षण क्या है। क्या स्मार्त सन्यासियों को भी पहले भिक्खु कहते थे। १०

संस्कृत साहित्य ५

[परीक्षक—साहित्याचार्य्य पं० चन्द्रशेखर शास्त्री]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

साहित्यदर्पण और भरतनाट्यसूत्र के प्रश्न

१. बहुर्थवाची शब्दों के अर्थ नियामक कौन है ? ८

२. विश्वनाथ के मतानुसार रसना स्वरूप लिख कर बतलाइए कि वह वाच्य है कि नहीं, यदि नहीं तो क्यों ? १४

३. किस नये रस का स्वीकार साहित्यदर्पणकार ने किया है, उसका निरूपण कीजिए। १०

४. अर्थगत दोष कितने हैं ? कथितपदता कहाँ कहाँ दोष नहीं है ?

५. श्लेष अलङ्कार का लक्षण लिख कर बतलाइए कि वह अर्थालङ्कार है या शब्दालङ्कार ? १०

६. चित्राभिनय का लक्षण और प्रकार भरत मुनि के मतानुसार लिखिए। ७

७. भरतमुनि से प्राचीन कोई नाट्यशास्त्रकार कोई था कि नहीं, यदि था तो उसका नाम लिखिए। ७

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

८. सब से प्राचीन नाटक कौन है, प्रमाण सहित लिखिए ११
९. भरतमुनि ने प्रवृत्ति शब्द की क्या व्याख्या की है। ११
१०. नाट्यमण्डप निर्माण का प्रकार लिखिए। १२

संस्कृत साहित्य ६ (मराठी)

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

सूचना—प्रश्न १ तथा २ के उत्तर मराठी भाषा में लिखिये; शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में दीजिये।

(१) अ—एक ऐसा वाक्य बनाइये जिसमें "उद्देश्य" "नामवाक्य" हो।

आ—निम्न लिखित वाक्य का "वाक्यपरिच्छेद" कीजिये।

शीघ्रकोपी दुर्वास हातीं कमंडलू धारण करुन कराव ऋषी च्या आश्रमावत आला, तेव्हां विरहाने भ्रान्तचित्त झालेल्या शकुतले नें त्यास दुरुन पाहिलें; परंतु तिचें मन ठिकाणीं व व्हतें, यासाठी तिनें त्याचेकड़े दुर्लक्ष केलें, व मुनीनें रागावून तिला कड़क शाप दिला, की तुझा प्रियपति तुला दीर्घकाल विसरेल।

इ—निम्नलिखित पद के संज्ञा शब्दों के कारक लिखिये। स्वर्गी इन्द्रसन्निधि तुल्य दुसरी धात्री वरी शोभ लीं"।

ई—"भावेप्रयोग सकर्मक अथवा अकर्मक दोन्ही" प्रकार च्या क्रियापदां वरुन होतो"।

मराठी व्याकरण के ऊपरोक्त नियम को उदाहरण द्वारा सिद्ध कीजिये।

(२) अ—"गोंधला" क्या है? उसका पूर्णतया वर्णन कीजिये।

आ—निम्न लिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिये। और रेखाङ्कित शब्दों पर टिप्पणी दीजिये।

"मोरेमांव च्या मोरेसरा गोंधला ये गोंधला ये।

* * * *

जाखाई जोखाई गोंधला ये।

कवद्या ची यमाई गोंधला ये।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ई—इन पदों की पूर्व कथा लिखिये।

"जायराणी ची कथा"

काल्या चाफ्या ची कथा

आगन चासोळ्या चा प्रसंग।

(३) कमलकुमारी के चरित्र की आलोचना कीजिये।

(४) अ—मोरोपंत जी की जीवनी संक्षेप में लिखिये।

आ—मोरोपंत जी ने अपने महाभारत में किस प्रकार के छन्द का प्रयोग किया है ? उस छन्द का क्या लक्षण है ? और उस छन्द के तुकान्त में क्या विचित्रता है, उदाहरण सहित समझाइये।

(५) त्यावरि जातो उत्तर, त्याचे सारथ्य ये करायास।
सुखद इहामुत्रहि गो विप्रत्राणोत्थ जे करायास॥
देता झाला पूर्वी तुज निज सारथ्य सव्य साची हो।
सैरंध्री ची वाणी व्हाया गोवत्सभव्य साची हो॥
उठल्या उत्साहायाच्या त्या शांतश्रीमदुदधि वरिल हरी।
धरितां हनु न नु ह्मणतां प्रणताचें कां न सुदधि वरिल हरी॥

अ—ऊपरोक्त पंक्तियां किसने किसको सम्बोधन करके किस समय कहीं थीं।

आ—उनका सरलार्थ लिखिये और यदि उनमें कहीं उपमा हों तो दर्शाइये।

(६) उत्तर निज तुरगां तें छाया चरुणासि कौतुक पिटाली।
तो गर्जोनि कुरु कटक कर्णी वसवी ध्वजस्थ कपिटाली॥
कृप सैन्यासि ह्मणे हो हो प्राप्तारिष्ट शांत न बधांवा।
राजा पार्थे सांगप सगुरू सगुरुसुत स शांतनव धावा॥

* * * *

शरपटलानें झांकी कुरु कटकालाचि तो न वासविल्या।
खचर म्हणति तेजस्वी लोपविता भेटला नवा सविल्या॥
सुरदत्त धनुर्गुण रथ नेमि-ध्वजवासि भूतनादानीं।
कोपेन चमूचि कुही, स्वकुचां च्या जेंवि पूतनादानीं॥

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

खलबल जलनिधिमग्ना धेनु उसलल्या अलावु झाल्या हो ।
हांसे विजय मनिह्मखे कां गोप संख्या मला वुझाल्या हो ॥

ऊपरोक्त पंक्तियें का भावार्थ लिखिये ।

इतिहास १

राजनीति

[परीक्षक—श्री पुरुषोत्तमदास टण्डन, एम. ए., एल-एल. बी.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[५ प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्णाङ्क मिल सकते हैं]

१. पैत्रिक समाज (patriarchal society) के लक्षण बतलाइए।

२. Liberty स्वाधीनता की व्याख्या कीजिए। बतलाइए भारतवर्ष में हिन्दू और मुसल्मानी राज्यों में कितनी स्वाधीनता थी।

३. राज्य के क्या क्या functions हैं? क्या आधुनिक समय में इनमें कुछ वृद्धि हुई है?

४. माकियावेली (Machiavelli) के सिद्धान्त (theory) की व्याख्या कीजिए और अपना मत प्रगट कीजिए।

५. हाब (Hobbes) और लाक (Locke) के सिद्धान्तों में क्या अन्तर है? उसके कारण बतलाइए।

६. सबद्ध राज्य Federal Government क्या होती है। संयुक्त राज्य अमरीका और जर्मनी की तुलना करके बतलाइए कि Federal Government कितने प्रकार की होती है।

७. राज्य के क़ानून बनाने की शक्ति legislative function के विकास और वृद्धि का इतिहास लिखिए।

८. मार्क्स (Marx) के समष्टिवाद की व्याख्या कीजिए।

९. स्वाम्य (Sovereignty) की परिभाषा कीजिए। इंग्लैण्ड में स्वाम्य कहाँ पर स्थित है।

१०. Political obedience (राजनैतिक) किन बातों पर निर्भर है। इस प्रश्न पर जो मतभेद है उसको व्यक्त कीजिए।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar.

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

इतिहास २

[परीक्षक—श्री ताराचन्द, एम. ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[५ प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्णाङ्क मिल सकते हैं। भाग १ में से २ प्रश्न और भाग २ में से २ प्रश्न करना आवश्यक है]

१

१. १२९५ में पार्लमेन्ट का क्या संगठन (constitution) था ? व्यवस्था विधान (legislation) और कर निर्धारण (taxation) में पार्लमेन्ट के क्या अधिकार (powers) थे ?

२. Feudalism (फ्यूडलिज़्म) की परिभाषा कीजिए । इंगलैण्ड में feudalism कहाँ तक प्रचलित हुआ और feudalism का कहाँ तक विकास (development) हुआ ?

३. १५ वीं शताब्दी में इंग्लैण्ड में न्याय सम्पादन (administration of justice) का क्या प्रबन्ध था ?

४. ट्यूडर (Tudor) वंश के राजत्वकाल में राज्य और पार्लमेण्ट का क्या सम्बन्ध था ? इसके क्या राजनैतिक कारण थे ?

५. कर निर्धारण पर पार्लमेन्ट को जिस प्रकार अधिकार मिला उसका इतिहास लिखिए।

६. कैबिनेट गवर्नमेन्ट की उत्पत्ति का इतिहास लिखिए।

२

७. ऐंग्लो सैक्सन और नार्मन जातियों का मिश्रण (mixture) किस प्रकार हुआ ?

८. रिचार्ड द्वितीय के समय में जो सामाजिक परिवर्तन (social resolution) हुआ उसके कारण लिखिए।

९. चार्ल्स १ और उसकी प्रजा में जो युद्ध हुआ उसका कारण लिखिए। इस युद्ध में प्रजा की विजय क्यों हुई ?

१०. अमरीकन स्वतन्त्रता के युद्ध (American War of Independence)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

का इतिहास लिखिए। अमरीका निवासियों की क्या शिकायतें थीं। उनके विजय के कारण लिखिए।

११. औद्योगिक विप्लव (industrial revolution) क्या था और इंग्लैण्ड के जीवन पर उसका क्या प्रभाव पड़ा।

१२. १८८५ से १९१४ तक अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति (international politics) में इंग्लैण्ड ने क्या भाग लिया, कारण सहित लिखिए।

इतिहास ३

प्राचीन भारत

[परीक्षक—श्री रामप्रसाद त्रिपाठी, एम. ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

[निम्नलिखित प्रश्नों में से ग्यारहवें प्रश्न का अवश्य और किन्हीं अन्य पांच प्रश्नों का उत्तर दीजिए।]

१. बौद्ध धर्म की उत्पत्ति किन धार्मिक और सामाजिक कारणों से हुई ? स्पष्टतः यह बतलाइए कि बौद्ध धर्म का भारतवर्ष के तत्कालीन तात्विक (दार्शनिक) विचारों से क्या सम्बन्ध था।

२. भारतवर्ष में तथा भारत के बाहर बौद्ध धर्म के प्रचार के वर्णन कीजिए और यह दिखलाइए कि इस धर्म के आचार विभाग के कठोर होने पर भी भारत एवं इतर देश के जन-समूह ने इसे क्यों शीघ्रता से अपनाया।

३. बौद्ध धर्म के ह्रास के आन्तरिक और वाह्य कारणों का निरूपण कीजिए।

४. चन्द्रगुप्त मौर्य की शासन व्यवस्था का सविस्तार वर्णन कीजिए। इस सम्बन्ध में आप को कौटिल्य के अर्थशास्त्र से क्या पता लगता है ?।

५. भारत के प्राचीन इतिहास के मुख्य स्रोतों की विवेचना कीजिए

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

और प्रत्येक स्रोत से मालूम होने वाली बातों के कुछ उदाहरण दीजिए।

६. बौद्ध काल में भारत वर्ष की आर्थिक अवस्था के विषय में आप क्या जानते हैं?

७. गुप्त साम्राज्य का एक नक़शा खींचिए। यह भी बतलाइए कि इस साम्राज्य का भारत वर्ष के इतिहास में क्या महत्व है?

८. हर्ष बर्धन शीलादित्य के समय में भारतवर्ष की धार्मिक और सामाजिक स्थिति का वर्णन कीजिए; वर्तमान धार्मिक और समाजिक अवस्था से उसकी तुलना कीजिए।

९. राजपूतों की उत्पत्ति के विषय में आप अपनी सम्मति युक्ति सहित लिखिए।

१०. पुराणों के विषय में विन्सेएट स्मिथ, रीज़डेविड्स और पार्गिटर की सम्मतियां लिखिए और ऐतिहासिक दृष्टि से उनकी आलोचना कीजिए।

११. निम्मलिखित विषयों में से छः पर टिप्पणियां लिखिए। (अ) नलन्द (उ) तक्षशिला (इ) मोलोपो (क) चाणक्य (ख) पातञ्जलि (ग) नागार्जुन (घ) महावंश (ङ) विक्रम सम्वत् (च) महायान (छ) पृथ्वीराज रासो।

इतिहास ४

[परीक्षक—श्री ताराचन्द, एम. ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

(५ प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्णाङ्क प्राप्त हो सकते हैं)

१. महमूद ग़ज़नी के भारतवर्ष पर आक्रमण करने के समय उत्तरीय भारतवर्ष की राजनैतिक तथा सामाजिक अवस्था क्या थी?

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

२. महमूद ग़ज़नी और मुहम्मद ग़ोरी के आक्रमणों के बीच में प्रायः दो सौ वर्षों का समय हिन्दुओं को अपनी शक्ति संगठित करने के लिए मिला। किन कारणों से हिन्दुओं ने उस समय का उचित उपयोग नहीं किया।

३. मङ्गोलों के आक्रमण भारतवर्ष पर किस समय आरम्भ हुए और कब तक जारी रहे। उनका क्या प्रभाव मुसलमानी राज्यों की राजनैतिक स्थिति पर पड़ा।

४. अकबर ने किन किन कारणों से विविध प्रान्तों को विजय किया? अकबर की विजय के क्या कारण थे?

५. अकबर की मालगुज़ारी (land revenue) की प्रणाली का वर्णन कीजिए और बतलाइए कि इस प्रणाली में कहाँ तक पुराने नियम थे और उसने क्या क्या नए नियम बनाए।

६. मुग़लों के सेना-विभाग का वर्णन कीजिए। सेना के संगठन का कहाँ तक राजनैतिक शक्तियों से सम्बन्ध था? संगठन पर इन शक्तियों का क्या प्रभाव था?

७. शिवा जी के उत्थान से पहले मरहटों की क्या अवस्था थी? क्या उस समय की स्थिति को देख कर यह अनुमान किया जा सकता था कि मरहटों का इतना अभ्युदय होगा।

८. मरहटों और औरङ्गज़ेब के युद्ध का इतिहास लिखिए। औरङ्गज़ेब के निष्फलता के कारण लिखिए।

९. औरङ्गज़ेब की मृत्यु के पश्चात् कौन कौन मुग़ल सूबेदारों ने स्वाधीन राज्य स्थापित कर लिये? इस प्रान्तिक स्वाधीनता के स्थापित होने को आप किसी प्रकार देश के लिए हितकर प्रमाणित कर सकते हैं?

१०. बाजीराव द्वितीय निज़ामुल्मुल्क और दिल्ली दरबार का आपस में जो सम्बन्ध रहा उस पर दृष्टि डालिए।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

078551

इतिहास ५

[परीक्षक—प्रिन्सिपल ताराचन्द, एम. ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

(इन प्रश्नों में से पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखे जायँ)

१. पुर्तगीज़ों और वलन्देज़ों (Dutch) में जो ऐशियाई व्यापार के लिए संघर्ष हुआ उसका वृत्तान्त परिणाम सहित लिखिए।

२. योरुपीय सौदागरों को किन कारणों से सहज में भारतवर्ष पर अधिकार जमाने का अवसर मिला। सविस्तर उत्तर लिखिए।

३. बृटिश इण्डिया कम्पनी के संगठन का वर्णन कीजिए और बतलाइए कि क्यों तिजारती कम्पनियों ने देश-विजय में सफलता प्राप्त की।

४. डूपले की नीति की आलोचना कीजिए और बतलाइए कि फ्रांसीसियों की निष्फलता के क्या कारण थे।

५. वारन हेस्टिङ्ग को किन किन कठिनाइयों से सामना करना पड़ा। इनको उसने किस प्रकार दूर किया। वारन हेस्टिङ्ग के चरित्र (character) की आलोचना कीजिए।

६. 'भारतवर्ष में अंग्रेज़ों के इतिहास पर योरुपीय घटनाओं का सदा बड़ा प्रभाव पड़ा है', इस कथन का वेलेज़ली और मिन्टो प्रथम के शासनकाल से उदाहरण देकर समर्थन कीजिए।

७. ब्रह्मदेश की विजय का वर्णन कीजिए। बृटिश सेना को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

८. हस्तक्षेप न करने की नीति किन विचारों पर निर्भर थी। इससे बृटिश को क्या क्या लाभ और हानियां हुईं। ग़दर तक का इस नीति का इतिहास लिखिए।'

९. भारत का स्वाम्य कहां पर स्थित है और व्यवस्थापन (legislation) के लिए वह किस प्रकार से कार्य्य सम्पादन करता है?

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

१०. देशी राज्यों के साथ भारत सरकार की नीति में क्या क्या परिवर्तन हुए ?

११. १९०७ में भारत सरकार की रूस से जो संधि हुई उसकी शर्तें लिखिए और बतलाइए कि उससे सरकार की सीमा की नीति Frontier policy में क्या परिवर्तन हुए।

इतिहास ६

[परीक्षक—श्री ताराचन्द, एम. ए.]

समय ३ घंटे

पूर्णाङ्क १००

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लेख लिखिए।

१. इसलाम का हिन्दू सभ्यता पर प्रभाव।

२. एकता के भाव की उत्पत्ति की बाधक और सहायक शक्तियां।

३. इण्डो सारासेनिक आर्कीटेक्चर।
(Indo-Saracenic Architectiure)

४. मुग़लों के समय में हिन्दुओं की दशा।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

Compiled
1939-2000

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar